दैनिक छत्तीसगढ़ गौरव

डाक पंजीयन क्रमांक :जी2-112/सी.जी/बी.एल.पी./032/ 2023-2026

website:- chhattisgarhgaurav.in

इंदौर स्वीट्स
नमकीन और मिठाईयों की लंबी श्रृंखला के बाद
अब केशर कुल्फी और दही कचौड़ी
हमारा विश्वास हैं
एक बार खायेगें, बार-बार आयेगें...
पावर हाऊस रोड, कोरबा
फोन-222833,222733

वर्ष 26 अंक 335 पृष्ठ 8 मूल्य 2.00 रूपये

गुरूवार 12 मार्च 2026 डाक-शुक्रवार 13 मार्च 2026

chhattisgarhgaurav@rediffmail.com

प्रथमेश

ईरान ने दी अमरीका-इजरायल के बैंकों पर हमले की चेतावनी, गूगल-माइक्रोसॉफ्ट भी निशाने पर

तेहरान,12 मार्च (एजेंसी)। ईरान ने एक बड़ी चेतावनी जारी करते हुए कहा है कि वह क्षेत्र में स्थित अमरीका और इजरायल से जुड़े आर्थिक केंद्रों, बैंकों और गूगल एवं माइक्रोसॉफ्ट जैसी अमरीकी कंपनियों को भी निशाना बना सकता है। यह बयान कथित तौर पर एक ईरानी बैंक पर हुए हमले की प्रतिक्रिया में आया है। ईरान में रिवोल्यूशनरी गार्ड्स से संबद्ध 'खतम अल-अंबिया' मुख्यालय के प्रवक्ता ने स्पष्ट किया कि एक ईरानी बैंक पर हुए हमले के बाद अब दुश्मन के वित्तीय संस्थान उनके निशाने पर हैं। ईरान ने क्षेत्र के नागरिकों को सलाह दी है कि वे सुरक्षा के लिहाज से इन बैंकों के एक किलोमीटर के दायरे से दूर रहें। इसके साथ ही, ईरान ने उन दिग्गज अमरीकी तकनीकी कंपनियों की सूची जारी की है जिनकी तकनीक का उपयोग सैन्य उद्देश्यों के लिए किया जा रहा है। इनमें गूगल, माइक्रोसॉफ्ट, एनवीडिया, आईबीएम और ओरेकल जैसी कंपनियां शामिल हैं। ईरानी मीडिया के अनुसार, इन कंपनियों के इजरायल और कुछ खाड़ी देशों में स्थित कार्यालय और क्लाउड-आधारित बुनियादी ढांचे अब ईरान के 'वैध सैन्य लक्ष्य' हैं। ईरान का कहना है कि जैसे-जैसे युद्ध का दायरा बढ़ रहा है, वह अपने हमलों का विस्तार आर्थिक और तकनीकी संपत्तियों तक करने के लिए मजबूर है। रिपोर्ट के अनुसार, इन कंपनियों के कार्यालय और क्लाउड सेवाओं से संबंधित बुनियादी ढांचे इजरायल के कई शहरों के साथ-साथ कुछ खाड़ी देशों में भी स्थित हैं, जो अब ईरानी हमलों के जोखिम के दायरे में आ गए हैं।

सदन के बाहर नारेबाजी- नरेंदर भी गायब, सिलेंडर भी गायब

राहुल बोले- मोदी घबराए हैं, अविश्वास प्रस्ताव खारिज होने के बाद बिरला की वापसी

नई दिल्ली ,12 मार्च (एजेंसी)। लोकसभा में गुरुवार को विपक्ष के सांसदों ने देश में सिलेंडर संकट के मुद्दे पर हंगामा किया। सुबह 11 बजे जैसे ही कार्यवाही शुरू हुई सांसदों ने नारेबाजी शुरू कर दी।

स्पीकर ओम बिरला ने सांसदों से सदन की कार्यवाही शुरू करने का आग्रह किया, लेकिन विपक्ष नहीं माना तो कार्यवाही दोपहर 12 बजे तक स्थगित कर दी।

लोकसभा में विपक्ष द्वारा स्पीकर ओम बिरला के खिलाफ लाया गया अविश्वास प्रस्ताव बुधवार को खारिज कर दिया गया। इसके बाद गुरुवार को स्पीकर ओम बिरला दोबारा सदन की अध्यक्षता करने के लिए कुर्सी पर लौटे।

संसद परिसर में राहुल समेत विपक्ष के सांसदों ने सिलेंडर संकट पर प्रदर्शन किया। सांसदों ने 'नरेंदर भी गायब, सिलेंडर भी गायब' के नारे लगाए।

राहुल गांधी ने कहा- 'प्रधानमंत्री कहते हैं कि घबराने की कोई जरूरत नहीं है। लेकिन वह खुद घबराए हुए लग रहे हैं, बिल्कुल अलग वजहों से। वे एप्स्टीन अदाणी केस की वजह से पैनिक हैं। आपने कल देखा कि सदन के अंदर प्रधानमंत्री की कुर्सी खाली थी। वह देश से कह रहे हैं कि घबराएं नहीं, जबकि वह खुद परेशान लग रहे हैं।'

उधर, राज्यसभा में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने जम्मू-कश्मीर के पूर्व सीएम फारूक अब्दुल्ला पर हमले का मुद्दा उठाया।

दवाओं के लिए चीन पर अमेरिका की निर्भरता 'खतरनाक', लॉमेकर्स और विशेषज्ञों ने जताई चिंता

वाशिंगटन ,12 मार्च (एजेंसी)। सीनेट की चर्चा के दौरान सीनेट मेंबर्स और एक्सपर्ट्स ने चेतावनी दी कि यूनाइटेड स्टेट्स अपनी कई आम दवाओं में इस्तेमाल होने वाले कच्चे माल और इंग्रीडिएंट्स के लिए चीन पर बहुत ज्यादा निर्भर हो गया है और ये स्थिति अमेरिका के लिए खतरनाक हो सकती है। उन्होंने इस समस्या को राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा और आने वाला सार्वजनिक स्वास्थ्य संकट बताया।

बुधवार (लोकल टाइम) को सीनेट की एजिंग स्पेशल कमेटी की बैठक में लॉमेकर्स और इंडस्ट्री एक्सपर्ट्स ने हिस्सा लिया। उन्होंने बताया कि कैसे दशकों से फार्मास्यूटिकल प्रोडक्शन को ऑफशोर करने से यूनाइटेड स्टेट्स सप्लाई में रुकावट और जरूरी दवाओं पर विदेशी दबाव के प्रति कमजोर हो गया है। चर्चा की शुरुआत करते हुए, कमेटी के चेयरमैन सीनेटर रिक स्कॉट ने कहा कि यह मुद्दा कुछ दवाओं से कहीं ज्यादा है। अमेरिका उन दवाओं पर निर्भर हैं जिनके मुख्य तत्व यूएस के बाहर से आते हैं।

स्कॉट ने कहा, 'मैं हमारे एंटीबायोटिक्स, हमारी डायबिटीज की दवाओं, हमारी ब्लड प्रेशर की दवाओं, इस देश के हर हॉस्पिटल, हर फार्मेसी और हर मेडिसिन कैबिनेट में मिलने वाली ज़रूरी जीवन रक्षक दवाओं की बात कर रहा हूं। यह समस्या कई दशकों से वाशिंगटन में पॉलिसी चुनने की वजह से पैदा हुई है, उन्होंने कहा कि यूनाइटेड स्टेट्स ने चीन को ग्लोबल फार्मास्यूटिकल सप्लाई चेन के बड़े हिस्से पर कब्जा करने दिया है।

जम्मू-कश्मीर के पूर्व सीएम फारूक अब्दुल्ला पर फायरिंग

सुरक्षाकर्मियों ने बचाया, हमलावर बोला- उन्हें 20 साल से मारना चाहता था

जम्मू,12 मार्च (एजेंसी)। नेशनल कॉन्फ्रेंस अध्यक्ष और जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री फारूक अब्दुल्ला पर बुधवार रात एक व्यक्ति ने फायरिंग कर दी। गनीमत रही कि गोली उन्हें नहीं लगी। अधिकारियों के मुताबिक फारूक जम्मू में एक शादी समारोह में पहुंचे थे। उनके साथ राज्य के डिप्टी सीएम सुरिंदर चौधरी भी थे।

घटना का सीसीटीवी भी सामने आया है। इसमें देखा जा सकता है कि 70 साल के हमलावर कमल सिंह जामवाल ने पीछे से आकर फारूक के सिर पर रिवॉल्वर तान दी। सुरक्षाकर्मियों ने तुरंत हमलावर का हाथ हटाया जिससे फायर हवा में हो गया।

आरोपी को पकड़ लिया गया है और हमले के कारणों का पता लगाया जा रहा है। हमलावर कमल ने पुलिस को बताया- 'मैं पिछले 20 सालों से फारूक अब्दुल्ला को मारना चाहता था। यही मेरा मकसद था।'

वर्ल्ड चैंपियन बनने के बाद मुश्किलों में घरे हार्दिक पांड्या तिरंगे के 'अपमान' का लगा आरोप, शिकायत दर्ज

नई दिल्ली ,12 मार्च (एजेंसी)। भारत की टी20 वर्ल्ड कप जीत के जश्न के बाद स्टार ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या एक नए विवाद में घिर गए हैं। उनके खिलाफ राष्ट्रीय ध्वज के कथित अपमान को लेकर शिकायत दर्ज कराई गई है।

यह शिकायत पुणे के वकील वाजिद खान बिडकर ने की है, जिन्होंने मामले में उचित कानूनी कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने पुलिस को लिखित आवेदन सौंपकर क्रिकेटर के खिलाफ जांच और कार्रवाई की अपील की है। एक न्यूज एजेंसी के मुताबिक शिकायत बेंगलुरु के शिवाजी नगर पुलिस स्टेशन में दर्ज कराई गई है, जबकि एक अन्य रिपोर्ट के अनुसार शिकायत पुणे के शिवाजी नगर पुलिस स्टेशन में दर्ज की गई है। शिकायतकर्ता ने हार्दिक पांड्या के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग की है।

शिकायत में कहा गया है कि भारत की जीत के बाद खिलाड़ियों के जश्न के कई वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुए। इनमें हार्दिक पांड्या कंधे पर तिरंगा लपेटकर मैदान में दौड़ते और डांस करते दिखाई दे रहे हैं।

वकील का आरोप है कि एक वीडियो में पांड्या अपनी गर्लफ्रेंड के साथ मंच पर लेटे हुए दिखाई देते हैं, जबकि उस समय भी उनके कंधे पर तिरंगा लिपटा हुआ था। शिकायतकर्ता का कहना है कि इस तरह का व्यवहार राष्ट्रीय ध्वज की गरिमा के खिलाफ है।

वाजिद खान बिडकर का कहना है कि राष्ट्रीय ध्वज का सम्मान बनाए रखना हर नागरिक की जिम्मेदारी है और इसके लिए कानून भी मौजूद है। उन्होंने अपनी शिकायत में राष्ट्रीय ध्वज से जुड़े कानून का हवाला दिया है। उन्होंने एएनआई से कहा, 'टी20 वर्ल्ड कप के बाद जश्न के दौरान हार्दिक पांड्या अपनी गर्लफ्रेंड के साथ डांस कर रहे थे और उनके पीछे राष्ट्रीय ध्वज बंधा हुआ था। 1971 के राष्ट्रीय ध्वज कानून की धारा दो के अनुसार हमें तिरंगे की गरिमा का सम्मान करना चाहिए। लेकिन जश्न के दौरान वे अपनी गर्लफ्रेंड के साथ लेटे हुए थे और उस समय भी राष्ट्रीय ध्वज उनके शरीर पर था। मुझे लगता है कि यह राष्ट्रीय ध्वज का अपमान है।'

बिडकर ने बताया कि जब वह शिकायत दर्ज कराने शिवाजी नगर पुलिस स्टेशन पहुंचे तो पुलिस ने कहा कि घटना अहमदाबाद में हुई है, इसलिए वहीं शिकायत करनी चाहिए। हालांकि उन्होंने तर्क दिया कि राष्ट्रीय ध्वज पूरे देश का प्रतीक है और उसकी गरिमा से जुड़ा मामला कहीं भी उठाया जा सकता है।

उन्होंने कहा, 'मैंने शिवाजी नगर पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई है। शुरुआत में पुलिस ने कहा कि घटना यहां नहीं हुई है। तब मैंने कहा कि राष्ट्रीय ध्वज पूरे देश का प्रतीक है, इसलिए यहां भी शिकायत की जा सकती है। पुलिस ने मेरी शिकायत स्वीकार कर ली और उसकी कॉपी भी दे दी है। अब आगे की कार्रवाई का इंतजार है।'

रिचार्ज खत्म होने पर इनकमिंग कॉल्स बंद क्यों, राघव चड्ढा ने सदन में टेलीकॉम कंपनियों की मनमानी पर उठाए सवाल

नई दिल्ली ,12 मार्च (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा ने बुधवार को संसद में मोबाइल रिचार्ज का मुद्दा उठाया। राघव चड्ढा ने प्रीपेड रिचार्ज खत्म होने पर इनकमिंग कॉल ब्लॉक करने के लिए टेलीकॉम कंपनियों की आलोचना की। उन्होंने रेगुलेटर्स से कंज्यूमर्स की सुरक्षा करने की अपील की। सांसद ने कहा कि वैलिडिटी खत्म होने के बाद भी यूजर्स को कॉल मिलनी चाहिए। इस बात से टेलीकॉम पॉलिसी पर बहस छिड़ गई है। सांसद राघव चड्ढा ने कहा कि अगर कोई रिचार्ज प्लान एक्सपायर हो जाता है तो आउटगोइंग कॉल्स बंद होना समझ में आता है, लेकिन इनकमिंग कॉल्स भी क्यों बंद कर दी जाती हैं? एक बार वैलिडिटी खत्म हो जाने पर लोगों से संपर्क नहीं हो पाता है और बैंक ओटीपी जैसे जरूरी मैसेज भी नहीं आ पाते हैं। एमरजेंसी या अर्जेंट सिचुएशन में इससे कोई व्यक्ति पूरी तरह से कट सकता है। राघव चड्ढा ने कहा कि मेरी सरकार से मांग है कि आखिरी रिचार्ज के बाद कम से कम एक साल तक इनकमिंग

कॉल्स और एसएमएस आते रहें, ताकि जरूरी कम्युनिकेशन बंद न हो। दूसरी मांग यह है कि आखिरी रिचार्ज के बाद कम से कम तीन साल तक मोबाइल नंबर डीएक्टिवेट नहीं किया जाना चाहिए। टेलीकॉम ऑपरेटर्स को उन यूजर्स के लिए कम कीमत वाला 'सिर्फ इनकमिंग' प्लान लाना चाहिए, जिन्हें सिर्फ जरूरी कॉल्स, ओटीपी और सरकारी सर्विस के लिए अपना नंबर एक्टिव रखना होता है। आम आदमी पार्टी के सांसद ने कहा कि मैंने 28 दिन के रिचार्ज 'मंथली' प्लान्स का भी मुद्दा उठाया। अगर किसी चीज को मंथली कहा जाता है तो उसे 30-31 दिनों के कैलेंडर महीने के हिसाब से होना चाहिए।

प्रेमानंद महाराज से प्रभावित होकर इंदौर में 13 साल के छात्र ने छोड़ा घर

पत्र में लिख गया- असली परिवार के पास जा रहा हूं

इंदौर,12 मार्च (एजेंसी)। इंदौर के खजराना थाना इलाके की श्री कृष्ण विहार कॉलोनी में रहने वाला 13 साल का 10वीं का छात्र घर छोड़कर चला गया। वह प्रेमानंद महाराज से प्रभावित होकर उनके पास वृंदावन रवाना हुआ है। घर से जाने से पहले उसने अपने माता-पिता को पत्र लिखा है, जिसमें कहा है कि 'मैं रुद्र पांडे आ रहा हूं, महाराज जी, आपके चरणों में। मैं अपने असली परिवार के पास जा रहा हूं।' 'बच्चे ने लिखा है कि मम्मी पापा मुझे ढूंढने की कोशिश मत करना। आपके साथ मेरा जीवन पूरा हो गया अब मैं चलता हूं। वह जाने के पहले घर से 1000 रुपए लेकर गया और लिखकर गया कि यह रुपए मेरा दोस्त आपको लौटा देगा।' खजराना पुलिस ने फिलहाल अपहरण का केस दर्ज किया है। बच्चे के पिता ड्राइवर हैं और पुलिस मामले की जांच कर रही है।

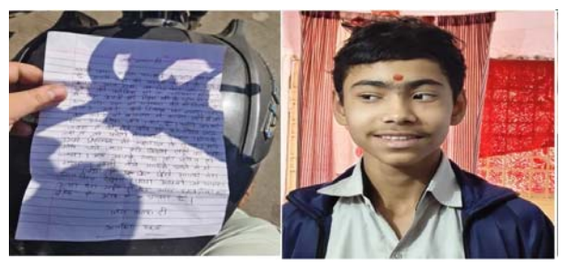

नोएडा में बिजली मीटर बनाने वाली कंपनी में लगी आग, 24 कर्मचारी घायल

नोएडा,12 मार्च (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के नोएडा सेक्टर चार स्थित एक बिजली मीटर बनाने वाली कंपनी में गुरुवार को भीषण आग लगने से करीब 24 कर्मचारी घायल हो गए। आग इतनी भयावह थी कि कुछ ही देर में उसने विकराल रूप धारण कर लिया और आसमान में काले धुएं का घना गुबार फैल गया। सूचना मिलते ही दमकल विभाग, पुलिस और प्रशासन की टीमें मौके पर पहुंचीं और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया गया। घटनास्थल पर पहुंचे पुलिस उच्चाधिकारी ने आज सुबह यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि नोएडा फेस वन थाना क्षेत्र के बी-चालीस, सेक्टर-चार स्थित कैपिटल पावर सिस्टम लिमिटेड कंपनी में बिजली मीटर बनाने का काम होता है। सुबह अचानक अज्ञात कारणों से कंपनी परिसर में आग लग गई। उस समय कंपनी के अंदर करीब दो सौ से अधिक कर्मचारी काम कर रहे थे, जिससे अफरा-तफरी मच गई।

घटना की सूचना मिलते ही दमकल विभाग की तीस से अधिक गाड़ियां, हाइड्रोलिक मशीनें और अन्य आवश्यक उपकरणों के साथ मौके पर पहुंचीं। दमकल कर्मियों ने कड़ी मशक्कत करते हुए फैक्ट्री में फंसे कर्मचारियों को विभिन्न माध्यमों से बाहर निकालकर सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया। आग की चपेट में आने और धुएं के कारण कंपनी के करीब 24 कर्मचारी घायल हो गए, जिन्हें तत्काल उपचार के लिए नजदीकी अस्पतालों में भर्ती कराया गया। इनमें से कुछ लोगों की हालत गंभीर बताई जा रही है और वे अस्पताल में उपचाराधीन हैं।

घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस के उच्च अधिकारी और गौतमबुद्धनगर के मुख्य अग्निशमन अधिकारी सीएफओ भी मौके पर पहुंच गए और राहत एवं बचाव कार्य की निगरानी कर रहे हैं। पुलिस और दमकल कर्मियों की टीम आग पर काबू पाने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। प्राथमिक जांच में आग लगने का कारण अभी स्पष्ट नहीं हो पाया है।

बिना नंबर और आड़े-तिरछे प्लेट वाले बाइक-कार सवारों को अब नहीं मिलेगा पेट्रोल

बिलासपुर,12 मार्च (एजेंसी)। बिना नंबर प्लेट वाले दोपहिया और चारपहिया वाहनों से अपराध और दुर्घटनाओं को अंजाम देने वालों की अब खैर नहीं. एसएसपी रजनेश सिंह के निर्देश पर बिलासपुर पुलिस ने सख्त मुहिम शुरू की है. अब जिले के किसी भी पेट्रोल या डीजल पंप पर उन वाहनों को ईंधन नहीं दिया जाएगा, जिनकी नंबर प्लेट गायब है या उनमें छेड़छाड़ की गई है.

पुलिस ने सभी पंप संचालकों को सख्त हिदायत दी है कि संदिग्ध नंबर वाले वाहन दिखने पर तुरंत कंट्रोल रूम के नंबर 9479193099 पर सूचना दें. थाना, चौकी और ट्रैफिक से जुड़े गंभीर सड़क हादसों तथा आपराधिक वारदातों में ऐसी गाड़ियों का इस्तेमाल सामने आया है, जिनकी पहचान छिपाना आसान होता है.

इस सख्ती का उद्देश्य न केवल ट्रैफिक

नियमों का पालन कराना है, बल्कि शहर की सुरक्षा व्यवस्था को भी मजबूत बनाना है. पुलिस अब ऐसे मामलों में सीधे कोर्ट में चालान पेश कर रही है. थानेदार और चौकी प्रभारी भी ऐसे मामलों में सख्ती से कार्रवाई कर रहे हैं.

जिले के सभी पेट्रोल पंप संचालकों को स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि नंबर प्लेट में नियमों के विपरीत बदलाव दिखने पर चालक को वापस लौटा दें. इसके लिए पेट्रोल पंप संचालकों की बैठक भी जल्द बुलाई जाएगी. फिलहाल सभी थाना व चौकी प्रभारी और पेट्रोलिंग टीम को पंप संचालकों को इसकी जानकारी देने के निर्देश दिए गए हैं.

निजी और सरकारी पेट्रोल पंप संचालकों द्वारा यदि जारी निर्देशों का पालन नहीं किया गया तो उनके खिलाफ भी प्रशासन द्वारा सख्त कार्रवाई की जाएगी. फ्यूल स्टेशनों में इसकी निगरानी के लिए भी पुलिस विभाग द्वारा व्यवस्था बनाई जा रही है.

मामले में एडिशनल एसपी ट्रैफिक रामगोपाल करियारे ने बताया कि 'पिछले कुछ दिनों से कैमरों से बचने के लिए बाइक सवार नंबर प्लेट हटाकर घूम रहे हैं. इसके अलावा कई आपराधिक घटनाओं और सड़क हादसों में भी बिना नंबर वाले वाहनों की संलिप्तता सामने आई है. ऐसे सभी वाहनों पर नियंत्रण और क्राइम कंट्रोल के लिए यह निर्णय लिया गया है.'

वाह वाह

०० गप्पू- यार पता नहीं फिल्मों में, लड़की के टकराने से लड़के को कैसे प्यार हो जाता है?

पप्पू- क्यों क्या हुआ?

गप्पू- कल मैं भी एक लड़की से टकरा गया तो,

वो गुस्से से बोली- चलना नहीं आता अंधा है क्या....

रसोई गैस-पेट्रोल की कमी की अफवाहों से बचें, प्रशासन की नागरिकों से अपील

जिले में घरेलू रसोई गैस की कोई कमी नहीं, अवैध भंडारण व ब्लैक मार्केटिंग पर होगी सख्त कार्रवाई- कलेक्टर

रसोई गैस के अवैध भंडारण, ब्लैक मार्केटिंग व अधिक कीमत पर बिक्री जैसी गतिविधियों पर रोक लगाने कलेक्टर ने ली बैठक

कोरबा (छ.ग.गौरव)। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चल रहे संघर्ष और उससे जुड़ी अफवाहों के बीच जिले में रसोई गैस की उपलब्धता को लेकर प्रशासन सतर्क हो गया है। घरेलू एलपीजी सिलेंडरों के अवैध भंडारण, ब्लैक मार्केटिंग और अधिक कीमत पर बिक्री जैसी गतिविधियों पर सख्त रोक लगाने के लिए कलेक्टर श्री कुणाल दुदावत ने गैस वितरक एजेंसियों की बैठक लेकर स्पष्ट निर्देश दिए कि जिले में गैस की पर्याप्त उपलब्धता है, इसलिए रसोई गैस पर किसी भी प्रकार की अफवाह या अनियमितता बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

सभाकक्ष में आयोजित बैठक में कलेक्टर श्री दुदावत ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चल रहे संघर्ष को लेकर विभिन्न माध्यमों से रसोई गैस, पेट्रोल और डीजल की संभावित कमी संबंधी भ्रामक और अपुष्ट जानकारी प्रसारित हो रही है। उन्होंने स्पष्ट किया कि जिले में घरेलू एलपीजी गैस का पर्याप्त भंडारण उपलब्ध है और रसोई गैस की किसी प्रकार की कमी नहीं है। कलेक्टर ने कहा कि प्रशासन का उद्देश्य उपभोक्ताओं को सुचारु और पारदर्शी गैस वितरण व्यवस्था उपलब्ध कराना है इस हेतु किसी भी प्रकार की अनियमितता पाए जाने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने सभी गैस एजेंसियों को प्रोफेशनल व्यवहार अपनाने के निर्देश देते हुए कहा कि जिले में एलपीजी सिलेंडर का अवैध भंडारण, ब्लैक मार्केटिंग या अधिक मूल्य पर बिक्री जैसी शिकायतें नहीं आनी चाहिए। सभी एजेंसियां इस बात का विशेष ध्यान रखें कि उपभोक्ताओं को गैस सिलेंडर की डिलीवरी फर्स्ट कम, फर्स्ट सर्व के आधार पर और बुकिंग तिथि के अनुक्रम में ही दी जाए।

कलेक्टर ने निर्देश दिए कि घरेलू एलपीजी सिलेंडर की डिलीवरी ओटीपी ऑथेंटिकेशन के माध्यम से ही की जाए और बिना ओटीपी के किसी भी स्थिति में सिलेंडर की डिलीवरी न हो। साथ ही उपभोक्ताओं को 25 दिनों के पूर्व दोबारा सिलेंडर जारी नहीं किया जाएगा। उन्होंने सभी गैस एजेंसियों को प्रतिदिन अपने स्टॉक की जानकारी खाद्य शाखा को उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। किसी भी आपातकालीन परिस्थिति में तत्काल खाद्य अधिकारी को सूचित करने को कहा गया है, ताकि जिले में कानून-व्यवस्था की स्थिति प्रभावित न हो।

कलेक्टर ने निर्देशित किया कि स्कूल, आश्रम, छात्रावास और अस्पतालों को प्राथमिकता के आधार पर गैस सिलेंडर की आपूर्ति सुनिश्चित की जाए। साथ ही घरेलू एलपीजी सिलेंडर के व्यवसायिक उपयोग या दुरुपयोग की शिकायत मिलने पर संबंधित संस्थान और गैस वितरक दोनों की जांच की जाएगी। उन्होंने खाद्य अधिकारी को सभी गैस एजेंसियों पर नियमित निगरानी बनाए रखने के निर्देश दिए। इस अवसर पर अपर कलेक्टर देवेन्द्र पटेल, जिला खाद्य अधिकारी जी एस कंवर, इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन, हिंदुस्तान पैट्रोलियम, भारत गैस एजेंसी के अधिकारी उपस्थित थे। जिला प्रशासन ने आम नागरिकों से अपील की है कि वे रसोई गैस, पेट्रोल और डीजल की कमी को लेकर फैल रही भ्रामक खबरों और अफवाहों पर विश्वास न करें। जिले में घरेलू एलपीजी गैस का पर्याप्त भंडारण उपलब्ध है और किसी प्रकार की कमी नहीं है। प्रशासन ने नागरिकों से आग्रह किया है कि किसी भी जानकारी की पुष्टि केवल अधिकृत शासकीय स्त्रोतों से ही करें और अपुष्ट अथवा भ्रामक सूचनाओं का प्रसार करने से बचें। साथ ही नागरिकों से संयम बनाए रखने की अपील करते हुए कहा गया है कि अनावश्यक रूप से ईंधन या गैस का संग्रहण न करें तथा जिम्मेदार नागरिक के रूप में केवल प्रमाणित और सही जानकारी को ही साझा करें।

पूज्य सिंधी पंचायत का चेट्रीचंड्र महोत्सव 14 मार्च से

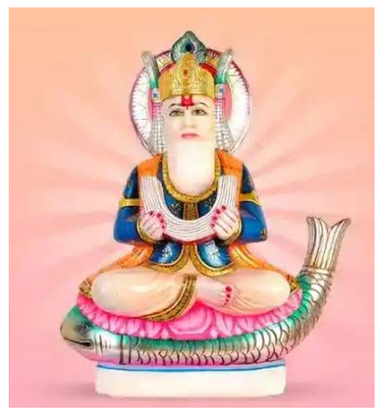

कोरबा (छ.ग.गौरव)। पूज्य सिंधी पंचायत द्वारा चेट्रीचंड्र महोत्सव 14 मार्च से आयोजित किया जाएगा। महोत्सव के दौरान विविध कार्यक्रम होंगे। मुख्य कार्यक्रम 20 मार्च को सुबह बहराणे साहब की पूजा, रक्तदान शिविर, दोपहर में आम भंडारा व शाम को भव्य शोभायात्रा के रूप में होगा।

पूज्य सिंधी पंचायत के सचिव नरेश जगवानी ने बताया कि सिंधी समाज द्वारा ईष्ट देव वरुण अवतार सांई झूलेलाल का अवतरण दिवस चेट्रीचंडू महोत्सव 14 से 20 मार्च तक आस्था व उल्लास के साथ मनाया जाएगा। 14 मार्च को सिंधु भवन रानी रोड में शाम 6 बजे भगवान झूलेलाल की स्तुति धुनी साहब एवं पूजा आरती भंडारे के साथ चेट्रीचंडू महोत्सव शुरू होगा। 15 व 16 मार्च को एसपीएल-2 क्रिकेट मैच सीएसईबी खेल मैदान में होगा। जिसमें समाज के युवक युवतियां भाग लेंगी। 19 मार्च को सुबह 8 बजे बाइक रैली झुलेलाल मंदिर से शुरू होगी, जो प्रमुख मार्ग से होकर संत कंवरराम उद्यान मेन रोड तक जाएगी। 20 मार्च को सुबह 10 बजे पूजा अर्चना श्री झूलेलाल मंदिर में होगी। इसी दिन सुबह 10 से शाम 4 बजे तक सिंधु भवन में रक्तदान शिविर आयोजित होगा। दोपहर 1 बजे से आम भंडारा होगा। शाम 5 बजे बहराणे साहब की अगुवाई में भव्य शोभायात्रा मंदिर से निकलेगी। शोभायात्रा में आकर्षक झांकियां शामिल रहेंगी। विसर्जन रात 10 बजे जोड़ापुल तुलसीनगर में होगा। 25 मार्च को झूलेलाल भगवान का छट्ठी महोत्सव सिंधु भवन में शाम 6 बजे मनाया जाएगा।

लोक अदालत 14 मार्च को, मामलों का सहमति से होगा निपटारा

कोरबा (छ.ग.गौरव)। जिला कोर्ट कोरबा, तहसील विधिक सेवा समितियां कटघोरा, करतला और पाली के साथ सभी राजस्व न्यायालयों में लोक अदालत 14 मार्च को आयोजित की जाएगी।

इसकी तैयारी को लेकर प्रधान जिला व सत्र न्यायाधीश व विधिक सेवा प्राधिकरण कोरबा के अध्यक्ष संतोष शर्मा ने न्यायिक अधिकारियों की जिला न्यायालय परिसर में वीडियो कान्फ्रेंसिंग कक्ष में बैठक ली थी। बैठक में निर्देशित किया गया है कि आगामी नेशनल लोक अदालत को सफल बनाने अधिक से अधिक मामलों को सूचीबद्ध किया जाए। लंबित प्रकरणों के त्वरित और सौहार्दपूर्ण निराकरण के लिए जरूरी कदम उठाएं, जिससे न्यायिक प्रक्रिया को अधिक प्रभावी और सरल बनाया जा सके। लोक अदालत में राजीनामा योग्य आपराधिक प्रकरण, बैंक संबंधी मामलों, लिखित पराक्रम्य अधिनियम की धारा 138 से संबंधित प्रकरण, वसूली के प्रकरण, मोटर दुर्घटना दावा प्रकरण समेत अन्य व्यवहार वादों को शामिल किया जाएगा। विशेष रूप से 5 से 10 वर्ष से अधिक समय से लंबित मामलों को प्राथमिकता के आधार पर समझौता के लिए प्रस्तुत किए जाएंगे।

आईजी मिलना कुर्रे ने बालको में 56 महिला कर्मचारियों को किया सम्मानित

कोरबा (छ.ग.गौरव)। वेदांता समूह की कंपनी भारत एल्यूमिनियम कंपनी लिमिटेड (बालको) ने अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर टाउनहॉल का आयोजन किया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि श्रीमती मिलना कुर्रे, उप महानिरीक्षक पुलिस (आईजी), छत्तीसगढ़ की उपस्थिति में कंपनी की 56 महिला कर्मचारियों को सम्मानित किया गया। वर्ष 2008 बैच की आईपीएस अधिकारी मिलिना कुर्रे ने बालको की महिला कर्मचारियों तथा बालको में समावेशी कार्यस्थल की सराहना की।

कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण 'अनस्टॉपेबल' पत्रिका के दूसरे संस्करण का लोकार्पण रहा। इस पत्रिका में बालको परिवार की 12 प्रेरणादायी महिलाओं की कहानियाँ शामिल हैं। इसमें बताया गया है कि कैसे इन महिलाओं ने अपनी व्यक्तिगत जिम्मेदारियों के साथ-साथ अपने काम में भी बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए सफलता हासिल की और लगातार आगे बढ़ती रहीं हैं।

बालको के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं निदेशक राजेश कुमार ने कहा कि आज महिलाएं विभिन्न जिम्मेदारियों के साथ में समाज को आगे बढ़ा रही हैं। कंपनी ने ऐसा वातावरण तैयार किया है जिससे सभी को समानता के साथ आगे बढ़ने के मौके मिल रहा हैं। हमारे संयंत्र के संचालन में महिलाएं अग्रणी भूमिका निभाते हुए नवाचार को आगे बढ़ा रही हैं। उनकी उत्कृष्टता के प्रति प्रतिबद्धता हमें विश्व-स्तरीय एल्यूमिनियम निर्माण के साथ-साथ आसपास के समुदाय को सशक्त बनाने में मदद करती है। जैसे-जैसे हम अपनी 1 एमटीपीए क्षमता के लक्ष्य की ओर बढ़ रहे हैं, महिलाओं का नेतृत्व एक अधिक समावेशी बालको और सशक्त राष्ट्र के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

मुख्य अतिथि श्रीमती मिलना कुर्रे ने कहा कि समय के साथ हमने यह साबित किया है कि कोई भी कार्य महिलाओं की क्षमता से बाहर नहीं है। चाहे बीएसएफ और सेना में सेवा देना हो या सर्वोच्च न्यायालय में न्यायाधीश के रूप में महत्वपूर्ण पद संभालना, महिलाएँ हर क्षेत्र में शक्ति और उद्देश्य के साथ नेतृत्व कर रही हैं। उनका विकास हमारे देश की निरंतर प्रगति का प्रतीक है और इस परिवर्तन को देखना गर्व की बात है। कोई भी समाज या संस्थान तभी वास्तविक रूप से समृद्ध होता है जब वह महिलाओं का सम्मान करता है। साथ ही यह सम्मान सदैव बना रहना चाहिए।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर कार्यस्थल में जागरूकता से जुड़े विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। इसमें भावनात्मक स्वास्थ्य पर खुलकर बातचीत को प्रोत्साहित करने के लिए मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ा एक विशेष सत्र शामिल था। इसके साथ ही बालको मेडिकल सेंटर के सहयोग से स्तन कैंसर जागरूकता सत्र आयोजित किया गया, जिसमें प्रारंभिक जांच के महत्व, रोकथाम, नियमित स्क्रीनिंग, चेतावनी संकेतों की पहचान और इससे जुड़े भ्रांतियों को दूर करने पर विशेष ध्यान दिया गया।

सांस्कृतिक संध्या में ऊर्जा से भरपूर प्रस्तुतियाँ और रोचक गतिविधियाँ आयोजित की गईं, जिनमें छत्तीसगढ़ के लोकनृत्य, प्रस्तुतियाँ और नारी शक्ति को समर्पित गीतों की प्रस्तुति शामिल रही। साथ ही पोस्टर-मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया था, जिसमें प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। 'गीव टू गेन' थीम पर आधारित पोस्टर प्रदर्शनी में कर्मचारियों, उनके परिवारों और समुदाय के सदस्यों की रचनात्मक कला भी प्रदर्शित की गई।

बालको निरंतर कौशल विकास कार्यक्रमों और महिलाओं के लिए अनुकूल सुविधाओं के माध्यम से एक समावेशी कार्यस्थल बना रहा है। इसमें चाइल्ड केयर के महत्व को ध्यान में रखते हुए महिला कर्मचारियों के लिए 'क्रेच' की सुविधा उपलब्ध है। साथ ही महिलाओं को छह महीने का वैतनिक 'मातृत्व अवकाश' और अवकाश के उपरांत माताओं को बच्चे के छह वर्ष के होने तक 80 मिनट का नर्सिंग ब्रेक प्रदान किया जाता है। महिला कर्मचारियों के लिए 'वन डे वर्क फ्रॉम होम पॉलिसी' है जिसमें एक दिन घर से कार्य करने का अवसर मिलता है। इसके साथ कंपनी का लक्ष्य 2030 तक महिला कर्मचारियों की संख्या 30 प्रतिशत करना है।

राशिफल

मेष राशि- आज आप एनर्जेटिक रहेंगे। इंजीनियर्स को आज अच्छा प्रोजेक्ट मिलेगा जो उनके जीवन का अहम प्रोजेक्ट होगा। आज आप उस बात का समर्थन करेंगे जो आपके लिए लाभदायक है। आज आपका स्वास्थ्य अच्छा रहेगा, जिससे आपके सारे काम भी अच्छे ढंग से होंगे। आज बच्चों को चिड़ियाघर घुमाने ले जाएंगे, जहां बच्चे खूब आनन्द उठाएंगे। पारिवारिक काम निपटाने के लिहाज से दिन अच्छा है।

वृष राशि- आज का दिन आपके लिए अच्छा रहेगा। इस राशि के जो लोग बिजनेस करते है आज उन्हें धनलाभ होने के योग बन रहे है। जो लोग नौकरी की तलाश में उन्हें नौकरी मिलने की संभावना है। इस राशि के जो लोग कवि है आज उनकी कविता की पुस्तक प्रकाशित हो सकती है। जिससे आपका मन प्रसन्न रहेगा।

मिथुन राशि- आज आपका दिन बेहतरीन रहेगा। आज बहुत से अच्छे मौके आपका इंतजार कर रहे है। लेकिन आपको उनके लिए लगातार कोशिशें करनी होंगी। इस राशि के जिन लोगों का सिंगिंग में रुझान है आज उन्हें किसी टीवी शो में गाने का ऑफर आ सकता है।

कर्क राशि- आज आप काफी उत्साहित रहेंगे। अपनी आर्थिक स्थिति बेहतर बनाने के लिए आज आप नया प्लान बनाएंगे। आज आपकी मुलाकात कुछ ऐसे लोगों से हो सकती है जो भविष्य में आपकी सहायता कर सकते है। आज सकारात्मक सोच रखकर कार्य करेंगे तो आपको सफलता जरुर मिलेगी। छात्रों के लिए आज का दिन अच्छा रहने वाला है।

सिंह राशि- आज आपका दिन लकी रहेगा। मेडिकल स्टूडेंट्स आज अपने सीनियर्स से कुछ नया अनुभव सीखेंगे, जो उनको आने वाले जीवन में लाभ देगा। लेखकों की आत्मकथा आज पब्लिश होगी जो लोगों के द्वारा काफी पसंद की जाएगी। साथ ही आज दूसरों की परवाह करने के लिए अपनी इच्छाओं को न रोकें, जो कार्य आपको अच्छा लगें, वहीं करें।

कन्या राशि- आज आपका दिन लाभदायक रहेगा। आप अपने परिवार वालों के साथ समय बिताएंगे जिससे घर में खुशियों का माहौल रहेगा। बच्चों को ज्ञान की बातें बताएंगे जिससे बच्चे अच्छे रास्ते पर चले। आज आप जो भी काम करेंगे उसमें आपको सफलता मिलेगी। जीवनसाथी के साथ टाइम स्पेंड करने से आपकी उलझने कम होंगी। आज आप किसी जरूरतमंद की मदद करेंगे, इससे समाज में आपका रुतबा बढ़ेगा।

तुला राशि- आज आपका दिन बढ़िया रहेगा। ऑफिस में सीनियर्स आपके काम को देखकर खुश होंगे, जिससे आपको आपके काम के लिए अच्छी रेटिंग मिलेगी। आज आपको धन लाभ के अवसर मिलेंगे जिससे आप खूब सारा धन कमाएंगे। आज आपके कार्यक्षेत्र और परिवार के बीच संतुलन रहेगा। अविवाहित जातकों के लिए विवाह के अच्छे प्रस्ताव आयेंगे।

वृश्चिक राशि- आज आपका दिन मिला-जुला रहेगा। किसी पुरानी बात को लेकर आप उलझन आ सकते है, अपने मित्र से शेयर करके आपको उस उलझन से राहत मिलेगी। आपके घर पर मेहमान मेहमान आएंगे, जिससे घर का माहौल व्यस्त रहेगा। तकनीकी क्षेत्र के स्टूडेंट्स के लिए दिन फेवरेबल रहेगा, आप नई तकनीकी सीख सकते है जो भविष्य में काम आयेगा।

धनु राशि- आज आप ऊर्जा से भरपूर रहेंगे। आज परिवार वालों के साथ घर की साफ-सफाई में हाथ बटायेंगे। साथ ही कुछ जरुरी सामान खरीदने बाजार जा सकते हैं। आज आप घर में स्वादिष्ट भोजन का आनंद लेंगे। इस राशि के नवविवाहित के लिए आज का दिन बेहतरीन है। लवमेट आज कहीं घूमने की प्लानिंग कर सकते हैं, जिससे उनके बीच चल रही अनबन दूर होगी।

मकर राशि- आज आपका दिन बहुत अच्छा रहेगा। बड़ों की सलाह आपके लिए कारगार होगी, इसलिए उनसे सलाह लेकर ही काम को करें। आपको उन लोगों से दूरी बनाकर रखनी है, जिनके विचार नकारात्मक हों। कारोबार में आ रही समस्याएं आज समाप्त होंगी। आपका नए लोगों से जल्दी ही परिचय हो सकता है। सबकी जरूरतों का ध्यान रखने के कारण आपकी लोकप्रियता बढ़ेगी।

कुंभ राशि- आज आपका दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। शाम को दोस्तों से मिलने के बाद आपकी पुरानी यादें ताजा होगी। जिससे आपका मूड काफी अच्छा रहेगा। जीवनसाथी को आज सरप्राइज पार्टी देंगे, जिससे आपके बीच का प्यार ज्यादा बढ़ेगा। कार्यों को आप धैर्य पूर्वक पूरा करेंगे, जिससे आपका काम सफल होगा। आज आप अपने घरेलू कार्यों को पूरा करने में सफल होंगे।

मीन राशि- आज आपका दिन खुशियों से भरा रहने वाला है। आप अपने बिजनेस को बढ़ाने के लिए अपने सहयोगियों के साथ मीटिंग करेंगे। अपने बच्चों के साथ आज घर पर गेम खेलेंगे, जिससे पारिवारिक सौहार्द बढ़ेगा। आज जो भी फैसला करें काफी सोच विचार कर ही करें, हो सके तो परिवार वालों की राय जरूर लें। दोस्तों को आज डिनर कराने के लिए आप किसी रेस्टोरेंट में ले जाएंगे। आज करीबी आपकी खुशियों को दोगुना कर देगा। आज घर या मकान खरीदने का सपना पूरा होगा।

ठेका कर्मियों के ऑनलाइन अटेंडेंस की मांग

अनदेखी से यूनियन नेताओं में नाराजगी

कोरबा (छ.ग.गौरव)। बायोमेट्रिक मशीन में अटेंडेंस के आधार पर कोयला कर्मियों के खाते में अब सैलरी भेजा जा रहा है। वहीं ठेका कर्मियों की मैन्यूअल तरीके से ही हाजिरी लगाई जा रही है। इस नई व्यवस्था ठेका कामगारों के लिए लागू नहीं किया गया है।

एसईसीएल प्रबंधन की इस अनदेखी पर नियमित व ठेका कामगारों का प्रतिनिधित्व कर रहे यूनियनों में नाराजगी है। कई बार श्रम संघों की ओर से ठेका कर्मियों के लिए भी ऑनलाइन अटेंडेंस से ही हाजिरी लगाने की मांग प्रबंधन से कर चुके हैं। एसईसीएल की कोयला खदानों में आउटसोर्सिंग कंपनियों को हैवी मशीनों के मेंटेनेंस, ओवरबर्डन हटाने व कोयला खनन का कार्य ठेके पर दे रखा है। खदानों के संचालन में नियमित कर्मियों के साथ ही ठेका कर्मियों का अहम योगदान है। नियमित कोयला कर्मियों के बायोमेट्रिक अटेंडेंस को अनिवार्य कर दिया है। अब ऑनलाइन अटेंडेंस के आधार पर ही कोयला कर्मियों की सैलरी बन रही है। दूसरी ओर ठेका कर्मचारी मैन्युअल तरीके से ही हाजिरी लगा रहे हैं। इनके सामाजिक सुरक्षा, कोल इंडिया की हाईपावर कमेटी की दर के हिसाब से वेतन भुगतान नहीं किए जाने की शिकायतें मिलती रही है। इसे लेकर कई बार खदानों में आंदोलन भी हुए हैं। इसी के मद्देनजर नियमित कर्मियों की तरह कोयला खदानों के ठेका कर्मियों के लिए यूनियनों ने बायोमेट्रिक मशीन से अटेंडेंस शुरू करने की मांग उठाई है। इस व्यवस्था से खदानों में काम करने वाले ठेका कर्मियों की वास्तविक संख्या भी सामने आएगी। मगर यूनियनों की मांग को अभी तक प्रबंधन ने नजरअंदाज किया है और इनकी हाजिरी मैन्यूअल तरीके से लगाई जा रही है। यूनियन नेताओं ने कहा कि संचालन समिति में श्रम संघों की ओर मांग उठाई गई थी कि पहले ठेका कर्मियों का 100 फीसदी हाजिरी बायोमेट्रिक अटेंडेंस से लगाई जाए। इसके बाद विभागीय कर्मियों के लिए यह सिस्टम लागू किया जाए। मगर ऐसा नहीं हुआ। केवल विभागीय कर्मचारियों के लिए ही बायोमेट्रिक अटेंडेंस को लागू किया गया और अब इसमें उपस्थिति के आधार पर वेतन जारी किए जा रहे हैं। बायोमेट्रिक अटेंडेंस को लेकर कोयला कर्मियों पर लगातार दबाव बनाया जा रहा है।

प्रशिक्षण में ही ठेका कर्मियों की ऑनलाइन अटेंडेंस

कोल इंडिया की ओर से एसईसीएल समेत दूसरे सहयोगी कंपनियों को 11 बिंदुओं में जारी गाइडलाइन के अनुसार व्यवसायिक प्रशिक्षण पोर्टल से बीटीसी सेंटरों में प्रशिक्षण लेने के दौरान ठेका कर्मियों की बायोमेट्रिक उपस्थिति अनिवार्य किया है। साथ ही इसी पोर्टल से प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण पत्र जारी किए जाएंगे। लेकिन ट्रेनिंग के बाद खदानों में सेवाएं लेने पर बायोमेट्रिक मशीन से अटेंडेंस गाइडलाइन में शामिल नहीं है।

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की 22वीं किश्त 13 मार्च को होगी जारी

कोरबा (छ.ग.गौरव)। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के अंतर्गत देश के करोड़ों पात्र किसानों के योजना की 22वीं किश्त की राशि 13 मार्च 2026 को शाम 5 बजे गुवाहाटी, असम से सीधे किसानों के बैंक खातों में हस्तांतरित की जाएगी। इस अवसर पर देश भर के लगभग 9.32 करोड़ पात्र किसान परिवारों को 18,650 करोड़ रुपये से अधिक की राशि डीबीटी के माध्यम से प्रदान की जाएगी। योजना की शुरुआत से अब तक 21 किश्तों के माध्यम से 4.09 लाख करोड़ रुपये से अधिक की राशि किसानों को दी जा चुकी है।

इस विशेष दिन को भारत सरकार के निर्देशानुसार पूरे देश में पी.एम. किसान उत्सव दिवस के रूप में मनाया जाएगा। छत्तीसगढ़ राज्य में इस किश्त के माध्यम से कुल 24 लाख 71 हजार 498 यूनिक लाभार्थियों को 498.83 करोड़ रुपये की राशि प्राप्त होगी। आंकड़ों के अनुसार कोरबा जिले के 79 हजार 629 किसानों के खातों में 16.14 करोड़ रुपये की राशि भेजी जाएगी।

उत्सव दिवस के अवसर पर समस्त ग्रामीण नोडल अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि वे ग्राम पंचायतों के केंद्रीय स्थानों पर किसान सम्मेलन का आयोजन करें। इस दौरान किसानों को योजना का लाभ निरंतर प्राप्त करने हेतु आवश्यक घटकों जैसे ई-केवाईसी, आधार सीडिंग और फार्मर आईडी के महत्व के बारे में जागरूक किया जाएगा। साथ ही, किसान ''नो योर स्टेटस'' मॉड्यूल के माध्यम से अपने खाते में जमा हुई राशि की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे। कृषि विभाग ने सभी पात्र कृषकों से इस कार्यक्रम में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने की अपील की है।

न्यायालय नायब तहसीलदार दर्री, जिला - कोरबा (छ.ग.)

// ईश्तहार //

रा.प्र.क. 202603051100001
37-20 (1) / 2025-26
ग्राम गोपालुपर, प.ह.नं. 17
तहसील - दर्री, जिला - कोरबा (छ. ग.)

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि तहसील दर्री अंतर्गत अधिक्षक महोदय कोरबा के निवास हेतु ग्राम गोपालपुर, प.ह.नं. 17, रा.नि.मं. गोपालपुर तहसील-दर्री स्थित शासकीय भूमि ख.नं. 816 / 2 / क में से रकबा 0.275 हे. शासकीय भूमि आबंटित किये जाने के संबंध में मूल प्रकरण अनुविभागीय अधिकारी(रा.) कटघोरा के माध्यम से जांच एवं प्रतिवेदन हेतु इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है, जिस पर कार्यवाही प्रक्रियाधीन है।

उक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को कोई दावा आपत्ति प्रस्तुत करना हो तो वह अपना दावा आपत्ति स्वयं या अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 24/03/2026 को न्यायालयीन समय 11:00 बजे उपस्थित होकर पेश कर सकते हैं। नियत तिथि के पश्चात किये जाने वाले दावा आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा। आज दिनांक 09/03/26 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय के मुहर लगाकर जारी किया गया।

स्थान :- दर्री

जी-252607139/1

नायब तहसीलदार
दर्री जिला कोरबा (छ.ग.)

// सार्वजनिक सूचना //

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता हैं कि ग्राम पंचायत चिचोली, तहसील-बरपाली, जिला- कोरबा (छ0ग0) में हसदेव नदी के क्षेत्र के खसरा क्रं0-1/1 रकबा 4.90 हेक्टयर क्षेत्र में खनिज शाखा कोरबा द्वारा ग्राम पंचायत चिचोली के पत्र में स्वीकृत आदेश जारी किया गया हैं। जिसकी पर्यावरणीय स्वीकृति दिनॉक-09/12/2024 छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षक मण्डल नया रायपुर अटल नगर से प्राप्त हैं तथा कोरबा से जलवायु की सहमति दिनांक-13/02/2026 भी प्राप्त हैं।

उक्त रेत खदान दिनॉक- 10/01/2025 से 09/01/2031 तक छः वर्षों के लिये स्वीकृत हैं। जिसका संचालन ग्राम पंचायत चिचोली के सरपंच / सचिव द्वारा किया जा रहा है।

सरपंच
ग्राम पंचायत-चिचोली
जनपद पंचायत-करतला
जिला-कोरबा (छ.ग.)

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नई दिल्ली के सरोजिनी नगर में श्रमजीवियों से बातचीत की.

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नई दिल्ली में कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। साथ में केंद्रीय आवास और शहरी मामलों के मंत्री मनोहर लाल खट्टर, दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, राज्य मंत्री तोखन साहू और अन्य गणमान्य लोग भी दिखाई दे रहे हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी नई दिल्ली में कई डेवलपमेंट प्रोजेक्ट्स के उद्घाटन और शिलान्यास के दौरान। साथ में केंद्रीय आवास और शहरी मामलों के मंत्री मनोहर लाल खट्टर, दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और दूसरे बड़े लोग भी दिख रहे हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नई दिल्ली में कई डेवलपमेंट प्रोजेक्ट्स के उद्घाटन और शिलान्यास के दौरान भाषण दिया।

आशुतोष ब्रह्मचारी, जिन्होंने शिकायत दर्ज कराई थी कि स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती अपने आश्रम में स्टूडेंट्स का यौन शोषण करते हैं, प्रयागराज में ट्रेन में एक अनजान आदमी द्वारा रेजर से हमला किए जाने के बाद मेडिकल जांच के लिए ले जाए जा रहे हैं।

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी केरल में इंटरनेशनल विमेंस डे के मौके पर खाना खाते हुए छात्राओं से बातचीत करते हुए।

यूएस पश्चिम एशिया संकट के बीच तेल बाजार में स्थिरता लाने के लिए अमेरिका सख्त, ट्रंप प्रशासन का बयान आया सामने

वॉशिंगटन,12 मार्च (एजेंसी)। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच अमेरिका ने कहा है कि वह वैश्विक ऊर्जा बाजार को स्थिर रखने के लिए बड़े तेल उत्पादकों और उपभोक्ताओं के साथ काम कर रहा है। अमेरिकी ट्रेजरी सचिव स्कॉट बेसेंट ने बताया कि ट्रंप प्रशासन आपूर्ति संतुलन बनाए रखने की कोशिश कर रहा है।

पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और तेल आपूर्ति पर पड़ रहे असर के बीच अमेरिका ने वैश्विक ऊर्जा बाजार को स्थिर रखने की बात कही है। अमेरिका के ट्रेजरी सचिव स्कॉट बेसेंट ने कहा कि ट्रंप प्रशासन दुनिया के बड़े तेल उत्पादकों, उपभोक्ताओं और रिफाइनरियों के साथ मिलकर काम कर रहा है। इसका उद्देश्य वैश्विक ऊर्जा बाजार में स्थिरता बनाए रखना और आपूर्ति को संतुलित रखना है।

पश्चिम एशिया तनाव: तेल संकट के बीच भारत ने बदली आयात रणनीति, अफ्रीका समेत इन देशों से बढ़ाई कच्चे तेल की खरीद

स्कॉट बेसेंट ने कहा कि अमेरिका दुनिया की सबसे बड़ी और ताकतवर अर्थव्यवस्था है। राष्ट्रपति ट्रंप के नेतृत्व में अमेरिका वैश्विक ऊर्जा बाजार को स्थिर रखने के लिए अंतरराष्ट्रीय साझेदारों के साथ मिलकर काम कर रहा है। उन्होंने कहा कि यह साझा लक्ष्य है और दुनिया के कई देश इसमें सहयोग कर रहे हैं। बेसेंट ने उन देशों का भी धन्यवाद किया जो ऊर्जा बाजार में संतुलन बनाए रखने के इस प्रयास में साथ दे रहे हैं।

वैश्विक तेल बाजार को स्थिर रखने के लिए अमेरिका क्या कर रहा है?

स्कॉट बेसेंट ने कहा कि अमेरिका तेल उत्पादन और आपूर्ति से जुड़े देशों के साथ लगातार संपर्क में है। उनका कहना है कि वैश्विक ऊर्जा बाजार में अचानक होने वाले उतार-चढ़ाव से दुनिया की अर्थव्यवस्था प्रभावित होती है। इसलिए अमेरिका तेल उत्पादकों, उपभोक्ताओं और रिफाइनरियों के साथ मिलकर आपूर्ति को संतुलित रखने की कोशिश कर रहा है। उनका कहना है कि यह कदम वैश्विक आर्थिक स्थिरता के लिए जरूरी है।

भारत को रूसी तेल खरीदने की 30 दिन की छूट क्यों दी गई?

बेसेंट ने एक साक्षात्कार में कहा कि अमेरिका ने भारत को 30 दिन की अस्थायी छूट दी है ताकि भारतीय रिफाइनरियां रूसी कच्चा तेल खरीद सकें। उन्होंने कहा कि यह तेल पहले से समुद्र में मौजूद था और उसकी डिलीवरी रुकी हुई थी। इसलिए अस्थायी तौर पर इस तेल को खरीदने की अनुमति दी गई। उनका कहना है कि इससे दुनिया में तेल आपूर्ति के अस्थायी अंतर को भरने में मदद मिलेगी।

क्या इससे रूस को आर्थिक फायदा होगा?

अमेरिकी ट्रेजरी सचिव ने कहा कि यह कदम बहुत सीमित समय के लिए है और इससे रूस सरकार को बड़ा आर्थिक फायदा नहीं मिलेगा। उन्होंने कहा कि यह अनुमति केवल उस तेल के लिए है जो पहले से समुद्र में फंसा हुआ था। इसका मकसद केवल वैश्विक तेल आपूर्ति में बने अस्थायी अंतर को भरना है ताकि ऊर्जा बाजार में अस्थिरता न फैले।

अमेरिका के बयान पर भारत में राजनीति क्यों तेज हुई?

अमेरिकी बयान के बाद भारत में राजनीतिक बहस भी तेज हो गई है। कांग्रेस ने केंद्र सरकार पर आरोप लगाया कि उसने अमेरिका को भारत की विदेश और आर्थिक नीति तय करने की छूट दे दी है। कांग्रेस नेताओं का कहना है कि भारत को अपनी ऊर्जा नीति स्वतंत्र रूप से तय करनी चाहिए। इस मुद्दे पर राजनीतिक बयानबाजी भी तेज हो गई है।

ट्रंप का बड़ा दावा : ईरान की सैन्य ताकत लगभग खत्म, 70 प्रतिशत रॉकेट लॉन्चर तबाह

वाशिंगटन ,12 मार्च (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया कि एक हफ्ते से जारी सैन्य संघर्ष के बाद ईरान की सैन्य ताकत लगभग पूरी तरह से कमजोर हो चुकी है। अमेरिकी और इजरायली हमलों ने ईरान की नौसेना, वायुसेना और मिसाइल क्षमताओं को गंभीर रूप से नुकसान पहुंचाया है, हालांकि उन्होंने यह भी साफ किया कि फिलहाल अमेरिका तेहरान के साथ किसी समझौते की जल्दी में नहीं है, लेकिन वाशिंगटन के पास बातचीत के लिए 'नेगोशिएटिंग लीवरेज' मौजूद है।

शनिवार को एयर फोर्स वन में पत्रकारों से बातचीत करते हुए ट्रंप ने कहा कि संघर्ष के शुरुआती चरण में ही ईरान की सेना को बड़ा झटका दिया गया। अमेरिका और इजरायल ने 28 फरवरी को ईरान के खिलाफ संयुक्त सैन्य अभियान शुरू किया था। ट्रंप ने दावा किया कि अमेरिकी हमलों में ईरान की नौसेना को लगभग पूरी तरह खत्म कर दिया गया है। उन्होंने कहा, हमने उनकी नेवी को खत्म कर दिया, 44 जहाज तबाह कर दिए। उनकी एयर फोर्स भी खत्म कर दी, हर विमान नष्ट कर दिया गया।

राष्ट्रपति ट्रंप ने यह भी कहा कि अमेरिकी हमलों ने ईरान की मिसाइल क्षमताओं और लॉन्चिंग सिस्टम को भी बुरी तरह नुकसान पहुंचाया है। अब तक करीब 70 प्रतिशत रॉकेट लॉन्चर नष्ट कर दिए गए हैं। उन्होंने बताया कि ये सिस्टम बहुत महंगे होते हैं और इन्हें हासिल करना भी बेहद मुश्किल होता है।

ट्रंप ने दावा किया कि लॉन्चर और उत्पादन क्षमता के नष्ट होने से ईरान की जवाबी हमला करने की क्षमता काफी कम हो गई है। उनके मुताबिक संघर्ष के पहले दो दिनों में ईरान जितने हमले कर रहा था, अब वह उसकी तुलना में सिर्फ 9 प्रतिशत तक सिमट गया है। राष्ट्रपति ने कहा कि ईरान की सेना लगभग टूटने की स्थिति में पहुंच चुकी है। उन्होंने कहा, उनकी मिलिट्री लगभग खत्म हो चुकी है।

हालांकि ट्रंप ने यह बताने से इनकार कर दिया कि यह संघर्ष कितने समय तक चलेगा। उन्होंने सिर्फ इतना कहा कि सैन्य कार्रवाई तब तक जारी रहेगी जब तक इसकी जरूरत होगी। उन्होंने कहा, मुझे नहीं पता, जितना समय लगेगा उतना चलेगा।

ट्रंप ने यह भी संकेत दिया कि इस संघर्ष का असर ईरान की नेतृत्व संरचना पर भी पड़ा है। उन्होंने कहा, हमने पहले नेतृत्व को खत्म किया, फिर दूसरे स्तर के नेतृत्व को भी खत्म कर दिया। अब वहां ऐसे लोग नेतृत्व कर रहे हैं जिन्हें कोई जानता भी नहीं।

सैन्य दबाव के बावजूद ट्रंप ने कहा कि अमेरिका फिलहाल कूटनीतिक समझौते की तलाश में नहीं है। अमेरिका के पास बातचीत में बढ़त है। ट्रंप ने कहा, हमारे पास बहुत ज्यादा नेगोशिएटिंग लीवरेज है, शायद अधिकतम। वे समझौता करना चाहेंगे, लेकिन हम अभी समझौते की तलाश में नहीं हैं।

ट्रंप ने यह भी दावा किया कि हाल ही में ईरान ने पड़ोसी मध्य-पूर्वी देशों से माफी मांगी है, जिन पर पहले हमले किए गए थे। उनके मुताबिक यह संकेत है कि ईरान पीछे हट रहा है। ट्रंप ने कहा, उन्होंने उन मध्य-पूर्वी देशों से माफी मांगी जिन पर उन्होंने हमला किया था। यह अपने आप में सरेंडर जैसा है।

इस बीच, ट्रंप ने उन आरोपों को भी खारिज किया कि संघर्ष की शुरुआत में अमेरिकी हमलों से ईरान में एक लड़कियों का स्कूल निशाना बना था। उन्होंने कहा कि उनके पास जो जानकारी है, उसके अनुसार वह हमला ईरान की तरफ से हुआ था। जब उनसे पूछा गया कि क्या रूस ईरान की मदद कर रहा है, तो ट्रंप ने कहा, नहीं, मुझे इसकी कोई जानकारी नहीं है।

ट्रंप ने यह भी स्पष्ट किया कि अमेरिका कुर्द लड़ाकों को इस युद्ध में शामिल होने की अनुमति नहीं देगा, भले ही वे इसमें शामिल होने के लिए तैयार हों। उन्होंने कहा, हम कुर्दों के बहुत अच्छे दोस्त हैं, लेकिन हम इस युद्ध को और जटिल नहीं बनाना चाहते। मैं नहीं चाहता कि कुर्द इसमें शामिल हों।जब उनसे पूछा गया कि क्या इस युद्ध के बाद ईरान की भौगोलिक या राजनीतिक संरचना बदल सकती है, तो ट्रंप ने कहा, संभव है कि देश वैसा न दिखे जैसा अभी है।ट्रंप ने कहा कि इस पूरे सैन्य अभियान का उद्देश्य ईरान की उस क्षमता को स्थायी रूप से कमजोर करना था। ट्रंप ने कहा, जब यह सब खत्म होगा, तब दुनिया पहले से कहीं ज्यादा सुरक्षित होगी।

इस्त्राइल को तबाह कर देता ईरान: बढ़ते हमलों के बीच ट्रंप बोले- नेतन्याहू के साथ करेंगे जंग खत्म करने का फैसला

वॉशिंगटन ,12 मार्च (एजेंसी)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि ईरान के साथ युद्ध कब खत्म होगा, इसका फैसला वह बेंजामिन नेतन्याहू के साथ साझा करेंगे। ट्रंप ने चेताया कि अगर वे न होते, तो ईरान इस्त्राइल और आसपास के देशों को नष्ट कर देता। अंतिम निर्णय अमेरिका का होगा, लेकिन नेतन्याहू की राय भी शामिल रहेगी।पश्चिम एशिया में पिछले दस दिनों से जारी संघर्ष ने दुनियाभर में चिंता बढ़ा दी है। इसी बीच अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रविवार को कहा कि ईरान के साथ युद्ध कब खत्म होगा, इसका फैसला वह इस्त्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के साथ मिलकर करेंगे। ट्रंप ने यह बात द टाइम्स ऑफ़ इस्त्राइल से एक छोटे टेलीफोनिक इंटरव्यू में कही। उन्होंने कहा कि अगर वो और नेतन्याहू न होते, तो ईरान इस्त्राइल को पूरी तरह तबाह कर देता।

ट्रंप ने कहा कि ईरान इस्त्राइल और आसपास के देशों को नष्ट करने वाला था। हमने मिलकर काम किया और उस देश को रोक दिया। इसके साथ ही जब उनसे पूछा गया कि क्या युद्ध खत्म करने का फैसला सिर्फ उनका होगा या नेतन्याहू की भी राय शामिल होगी, तो ट्रंप ने कहा कि मुझे लगता है यह साझा निर्णय होगा, थोड़ा-बहुत। हम बात कर रहे हैं।सही समय पर लूंगा फैसला- ट्रंपइंटरव्यू में अमेरिकी राष्ट्रपति ने आगे कहा कि इस जंग को खत्म करने का फैसला मैं सही समय पर लूंगा, लेकिन सब कुछ ध्यान में रखा जाएगा। इसका मतलब है कि प्रधानमंत्री नेतन्याहू अपनी राय रखेंगे, लेकिन अंतिम फैसला अमेरिका के राष्ट्रपति का होगा। तेल की कीमतों पर भी बोले ट्रंपइससे पहले ट्रंप ने दुनियाभर में बढ़ते तेल की कीमतों पर भी अपनी प्रतिक्रिया दी थी। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट में अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि अगर ईरान के परमाणु खतरे को खत्म करने के लिए कुछ समय के लिए तेल की कीमतें बढ़ भी जाती हैं, तो यह दुनिया की सुरक्षा और शांति के लिए बहुत छोटी कीमत होगी।तेल की कीमतें कब गिरेंगी?इसके साथ ही ट्रंप ने यह भी लिखा कि जब ईरान के परमाणु खतरे को पूरी तरह खत्म कर दिया जाएगा, तब तेल की कीमतें जल्दी ही गिर जाएंगी। अभी अगर थोड़े समय के लिए तेल की कीमतें बढ़ती हैं, तो यह अमेरिका और दुनिया की सुरक्षा के लिए एक छोटी सी कीमत है। उन्होंने यह भी कहा कि जो लोग इससे अलग सोचते हैं, वे मूर्ख हैं।

दुबई में ईरान ने किया ड्रोन अटैक सभी फ्लाइट्स कैंसिल

दुबई ,12 मार्च (एजेंसी)। ईरान और अमेरिका-इजराइल युद्ध जारी है। इस युद्ध के बीच दुबई और अबू धाबी में तेज धमाके सुने गए हैं। अधिकारियों ने बताया कि दुबई के एयरपोर्ट पर ड्रोन आकर गिरा। यह हमला ईरान की तरफ से हुआ बताया जाता है। फिलहाल दुबई का एयर स्पेस बंद कर दिया गया है। इस हमले के बाद दुबई से जाने और आने वाली फ्लाइट्स पर रोक लग गई है।वहीं, मिडिल ईस्ट में तनाव कम होने का नाम नहीं ले रहा है। ईरान ने स्ट्रेट ऑफ होर्मुज बंद कर दिया है जहां से दुनियाभर में बड़ी मात्रा में कच्चा तेल आता है। यह वैश्विक ऊर्जा के व्यापार के लिए एक अहम रास्ता है। एमिरेट्स ने शनिवार को घोषणा की कि उसने दुबई से आने-जाने वाली सभी उड़ानों को अगले आदेश तक अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया है और यात्रियों को सलाह दी है कि जब तक परिचालन बंद रहता है, तब तक हवाई अड्डे की यात्रा न करें।

6 महीने तक लड़ सकता है ईरान' आईआरजीसी ने इजरायल-यूएस को दी चेतावनी; नेतन्याहू बोले- जल्द सरप्राइज दूंगा

न्यूयॉर्क ,12 मार्च (एजेंसी)। अमेरिका, इजरायल और ईरान के बीच जारी तनाव लगातार बढ़ता जा रहा है, जिसका असर पूरे मिडिल ईस्ट क्षेत्र पर पड़ रहा है। फिलहाल हालात शांत होने की संभावना भी कम दिखाई दे रही है। एक ओर अमेरिका और इजरायल मिलकर ईरान के ठिकानों पर हमले कर रहे हैं, वहीं ईरान भी मिसाइल हमलों के जरिए जवाब दे रहा है।इजरायल ने ईरान के तेल भंडारण स्थलों को निशाना बनाते हुए बड़े हमले किए हैं। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने दावा किया है कि ईरान के लिए आगे और भी सरप्राइज तैयार हैं। शनिवार को तेहरान और उसके पड़ोसी शहर करज में जोरदार धमाकों की आवाजें सुनी गईं।इजरायली सेना ने कई फ्यूल स्टोरेज कॉम्प्लेक्स पर बमबारी की, जिससे आसमान में आग और धुएं का गुबार उठता दिखाई दिया। सोशल मीडिया पर सामने आए वीडियो में हमले वाले इलाकों से आग की बड़ी-बड़ी लपटें उठती नजर आ रही हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक अमेरिका और इजरायल ने ईरान के ऊर्जा ढांचे को निशाना बनाते हुए तेहरान और अल्बोर्ज प्रांत में कई तेल स्टोरेज डिपो पर हमले किए हैं।इस बीच ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (ढ्ढक्रत्नष्ट) ने रविवार को फार्स न्यूज एजेंसी को दिए बयान में कहा कि ईरान कम से कम छह महीने तक अमेरिका और इजरायल के साथ तीव्र संघर्ष जारी रखने में सक्षम है।ढ्ढक्रत्नष्ट के प्रवक्ता अली मोहम्मद नैनी ने कहा, इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान की सशस्त्र सेनाएं मौजूदा ऑपरेशन की रफ्तार के साथ कम से कम छह महीने तक संघर्ष जारी रख सकती हैं। गार्ड्स ने यह भी दावा किया कि उन्होंने पूरे क्षेत्र में अमेरिकी और इजरायली सैन्य अड्डों तथा उनसे जुड़ी 200 से अधिक जगहों को निशाना बनाया है।

अमेरिकी संसद में एच-1बी प्रतिबंधों को खत्म करने के लिए विधेयक पेश, ट्रंप के फैसले पर सवाल

वॉशिंगटन,12 मार्च (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा एच-1बी वीजा से संबंधित लागू किए गए कड़े प्रतिबंधों को चुनौती देते हुए अमेरिकी प्रतिनिधि सभा में एक नया विधेयक पेश किया गया है। डेमोक्रेटिक सांसद बोनी वॉटसन कोलमैन ने यह विधेयक पेश कर राष्ट्रपति ट्रंप के उस फैसले को निरस्त करने की मांग की है, जिसमें एच-1बी वीजा पर काम करने वाले कर्मचारियों को नियुक्त करने वाले नियोक्ताओं पर सख्त वेतन शर्तें और भारी शुल्क लगाए गए थे।ट्रंप के फैसले और उसका प्रभाव

राष्ट्रपति ट्रंप ने सितंबर 2025 में एक ऐसे फैसले की घोषणा की थी, जिसके तहत एच-1बी वीजा कर्मचारियों के लिए अनिवार्य वेतन स्तर को काफी बढ़ा दिया गया और ऐसे कर्मचारियों को रखने वाले नियोक्ताओं पर एक लाख डॉलर का शुल्क भी लगाया गया। इस फैसले का उद्देश्य कथित तौर पर अमेरिकी श्रमिकों के हितों की रक्षा करना था।

हालांकि, डेमोक्रेटिक सांसद कोलमैन का मानना है कि यह 'अल्पदृष्टि वाली घोषणा' अमेरिकी नियोक्ताओं, विश्वविद्यालयों, अस्पतालों और शोध संस्थानों के लिए बड़ी बाधाएं खड़ी कर रही है। ये संस्थान उच्च कौशल वाले पेशेवरों पर बहुत अधिक निर्भर करते हैं।

कोलमैन ने जोर देकर कहा कि एच-1बी वीजा प्रोग्राम कभी भी घरेलू वर्कफोर्स का विकल्प नहीं रहा है, बल्कि यह अमेरिकी और वैश्विक प्रतिभा के बीच एक सेतु का काम करता है, जो देश की आर्थिक वृद्धि को गति प्रदान करता है।एच-1बी वीजा प्रोग्राम का महत्वएच-1बी वीजा प्रोग्राम अमेरिकी नियोक्ताओं को उन विशेष क्षेत्रों में विदेशी पेशेवरों को नियुक्त करने की अनुमति देता है, जहाँ कुशल श्रमिकों की कमी होती है। विशेष रूप से टेक्नोलॉजी, इंजीनियरिंग, हेल्थकेयर और शिक्षा जैसे क्षेत्रों में इस कार्यक्रम की महत्ता सर्वविदित है।

विधेयक का समर्थन और चिंताएंकोलमैन के विधेयक को कई लोगों का समर्थन मिला है। समर्थकों का कहना है कि अधिक वेतन सीमा और महंगे शुल्क के कारण कार्यक्रम को कड़ा बनाने से उन संस्थानों के लिए आवश्यक प्रतिभा को आकर्षित करना मुश्किल हो गया है, जो नवाचार (इनोवेशन) और महत्वपूर्ण सेवाओं को बनाए रखने के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है।

स्वास्थ्य क्षेत्र पर विशेष चिंतावॉटसन कोलमैन ने इस बात पर विशेष चिंता व्यक्त की है कि ये पाबंदियां ऐसे समय में लागू की गई हैं जब अमेरिका का स्वास्थ्य क्षेत्र पहले से ही भारी दबाव का सामना कर रहा है।

उन्होंने कहा, 'उम्रदराज कार्यबल, कोविड-19 का प्रभाव, एच-1बी वीजा पर प्रतिबंध और ट्रंप प्रशासन द्वारा नर्सिंग डिग्री के लिए संघीय छात्र ऋण पर हालिया सीमाओं के कारण आने वाले वर्षों में नर्सों की कमी का एक गंभीर संकट पैदा हो सकता है। 'उन्होंने उम्मीद जताई कि 'वेलकमिंग इंटरनेशनल सक्सेस एक्ट' नामक यह विधेयक, योग्य स्वास्थ्य पेशेवरों की बढ़ती मांग को पूरा करने में मदद करेगा और इस बोझ को कम करेगा।

द्विदलीय समर्थनइस विधेयक को कई डेमोक्रेटिक सांसदों का समर्थन प्राप्त हुआ है। सह-प्रायोजकों में न्यूयॉर्क की प्रतिनिधि यवेट डी. क्लार्क, फ्लोरिडा की लोइस फ्रैंकल, मैसाचुसेट्स के सेठ मोल्टन और जॉर्जिया के हेनरी सी. 'हैंक' जॉनसन जैसे प्रमुख नाम शामिल हैं।

भारतीय पेशेवरों पर प्रभाव

यह भी उल्लेखनीय है कि एच-1बी वीजा धारकों में भारतीय पेशेवरों की हिस्सेदारी सबसे अधिक है, विशेषकर तकनीकी क्षेत्र में। इसी कारण भारत और अमेरिका में बसे भारतीय समुदाय के बीच इस कार्यक्रम पर हमेशा बारीकी से नजर रखी जाती है। ट्रंप प्रशासन के कड़े रुख से भारतीय पेशेवरों और उनसे जुड़ी कंपनियों को चिंताएं सता रही थीं।

सम्पादकीय...

जो जीवन नहीं है जल

अक्सर कहा जाता है कि जल ही जीवन है। लेकिन यह जल यदि दूषित हो तो क्या इसे जीवन कहा जा सकता है? यूं तो देश के गांवों में महत्वाकांक्षी जल जीवन मिशन जोर-शोर से चलाया जाता रहा है। लेकिन यह बात परेशान करती है कि पेयजल का बड़ा हिस्सा प्रदूषित पाया गया है। लोग सेहत के लिये हानिकारक जल पीने को मजबूर हैं। फलत: इससे उत्पन्न बीमारियों की चुनौतियों का सामना करने को बाध्य होते हैं। यह हमारे नीति-नियंताओं की विफलता ही कही जाएगी कि देश के करोड़ों लोग आज भी स्वच्छ जल की उपलब्धता से वंचित हैं। सबसे ज्यादा चिंता की बात यह है कि देश के तमाम इलाकों में लिए गए दूषित पेयजल नमूनों के करीब दो तिहाई हिस्से को शुद्ध करने के प्रयास नहीं हुए हैं। जो इस बात को दर्शाता है कि आज भी देश के करोड़ों लोग स्वच्छ पेयजल हासिल नहीं कर पा रहे हैं। यह स्थिति हमारे विकास के मॉडल व तरक्की के दावों की तार्किकता पर प्रश्न चिन्ह लगाती है। यही वजह है कि दूषित जल से होने वाले रोगों का दायरा बढ़ रहा है। यह अच्छी बात है कि जोर-शोर से घर-घर नल से जल पहुंचाने की सार्थक पहल की गई। निस्संदेह, हर व्यक्ति का अधिकार है कि उसे अपने घर में स्वच्छ पेयजल मिले। इसी मकसद से साल 2019 में जल जीवन मिशन को सिरे चढ़ाया गया था। लेकिन इस योजना के सुरक्षित तरीके से संचालन और स्वच्छ जल आपूर्ति को लेकर सवाल खड़े होते रहे हैं। यह हकीकत है कि जब लोगों को स्वच्छ जल नहीं मिलता तो कई तरह के रोगों के पैदा होने का खतरा उत्पन्न हो जाता है। कहा भी जाता है कि हमारे अधिकांश रोग पेट से ही शुरू होते हैं। खासकर बच्चों व बुजुर्गों के लिये यह एक बेहद संवेदनशील मामला है। जिससे बचने के लिये स्वच्छ जल की आपूर्ति सुनिश्चित करना बेहद जरूरी हो जाता है। देश में बार-बार स्वच्छ शहर का खिताब हासिल करने वाले मध्यप्रदेश के इंदौर शहर में पिछले दिनों प्रदूषित पेयजल से होने वाली मौतों ने देश में खतरे की घंटी बजायी। घटना ने स्पष्ट संकेत दिया कि यदि इस दिशा में व्यापक स्तर पर प्रयास नहीं किए गए तो आने वाले समय में देश के सामने गंभीर स्वास्थ्य चुनौती पैदा हो सकती है। उल्लेखनीय है कि जल जीवन मिशन के अंतर्गत ग्रामीणों तक पहुंचाए जा रहे पेयजल की गुणवत्ता की परख के लिये पानी के सैंपल लिए जाते हैं। साथ ही स्वच्छ पेयजल उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए जवाबदेह लोगों के खिलाफ एक्शन भी लिया जाता है। यहां उल्लेखनीय है कि बीते साल जल जीवन मिशन के तहत तमाम राज्यों व केंद्रशासित प्रदेशों में पेयजल सैंपलों की जांच की गई। लेकिन चिंताजनक स्थिति यह है कि कुल नमूनों के छब्बीस प्रतिशत को ही शुद्ध करने के प्रयास हुए हैं। आखिर देश के किसी भी भाग में पेयजल के सैंपल लेने का क्या औचित्य रह जाता है, जब प्रदूषित जल को लेकर उपचारात्मक प्रयास न किए जाएं। सवाल केवल ग्रामीण इलाकों के लोगों को स्वच्छ जल उपलब्ध कराने का ही नहीं है, शहरी इलाकों में शुद्ध जल की उपलब्धता भी सुनिश्चित होनी चाहिए। गाहे-बगाहे देश के शहरी इलाकों में भी प्रदूषित जल पीने से बीमार होने की खबरें आती रहती हैं। लेकिन स्थानीय निकाय इस चुनौती को गंभीरता से नहीं लेते। संपन्न लोग तो आरओ तथा फिल्टर आदि वैकल्पिक व्यवस्था कर लेते हैं, लेकिन कमजोर वर्ग व सामान्य लोग दूषित पानी के उपयोग के लिये मजबूर होते हैं। स्वच्छ जल प्राप्त करना हर नागरिक का मौलिक व जीवन रक्षा का अधिकार जैसा है, जिसे गंभीरता से लेना चाहिए। इंदौर की घटना से सबक लेकर स्थानीय निकायों और प्रशासन को पेयजल व सीवर लाइन को सुरक्षित दूरी पर रखना सुनिश्चित करना चाहिए। जिन इलाकों में पेयजल पाइप लाइन को बिछे दशकों हो गए हैं, वहां उन्हें बदलने का काम युद्धस्तर पर किया जाना चाहिए। साथ ही रोजमर्रा की जरूरतों में काम आने वाले भूजल की गुणवत्ता सुधारने तथा घातक रसायनों से उसे मुक्त कराने की दिशा में गंभीर पहल की जाए।

यूरोप का हुआ बुरा हाल, रूस पर प्रतिबंध लगाने वाले देश अब मास्को से मांग रहे गैस और तेल

-नीरज कुमार दुबे

जो यूरोप कल तक रूस पर कड़े प्रतिबंध लगा रहा था और उससे गैस तथा तेल खरीदने वाले देशों पर पेनल्टी लगाने की मांग करते हुए यूक्रेन के साथ खड़ा नजर आ रहा था, वही यूरोप अब मध्य पूर्व में संकट गहराते ही फिर से रूस की ओर देखने लगा है। दरअसल अमेरिका, इजराइल और ईरान के बीच बढ़ते संघर्ष तथा फारस की खाड़ी में तनाव के कारण वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति पर खतरा मंडराने लगा है। ऐसे में ऊर्जा संकट से जूझता यूरोप रूस से गैस और तेल की संभावित आपूर्ति को लेकर नई चर्चा कर रहा है। इस पूरे घटनाक्रम ने अंतरराष्ट्रीय राजनीति और ऊर्जा बाजार दोनों में रूस को अप्रत्याशित लाभ की स्थिति में ला खडा किया है।

हम आपको बता दें कि मध्य पूर्व में बढ़ते युद्ध के कारण वैश्विक तेल बाजार में जबरदस्त उथल पुथल देखने को मिल रही है। फारस की खाड़ी के प्रमुख समुद्री मार्ग हार्मुज जलडमरूमध्य से दुनिया के लगभग पांचवें हिस्से का तेल और गैस गुजरता है। ईरान से जुड़े तनाव और संभावित आपूर्ति बाधा की आशंका के कारण तेल की कीमतें तेजी से बढ़ गईं। सप्ताह की शुरुआत में अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल की कीमत प्रति बैरल सौ डॉलर से ऊपर पहुंच गई। बाद में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के बयान के बाद कीमतों में कुछ गिरावट आई, फिर भी युद्ध से पहले की तुलना में तेल करीब सत्ताइस प्रतिशत महंगा बना हुआ है। ऊर्जा विशेषज्ञों का मानना है कि इस स्थिति का सबसे बड़ा आर्थिक लाभ रूस को मिल सकता है। रूस पहले से ही दुनिया के सबसे बड़े तेल निर्यातकों में शामिल है। यूक्रेन युद्ध के बाद पश्चिमी देशों ने उस पर कठोर आर्थिक प्रतिबंध लगाए थे, लेकिन अब ऊर्जा बाजार में उथल पुथल के कारण इन प्रतिबंधों का प्रभाव कम होता दिखाई दे रहा है। ऊंची कीमतों के कारण रूस को अपने तेल निर्यात से अधिक राजस्व मिलने की संभावना है, जिससे उसकी अर्थव्यवस्था को मजबूती मिल सकती है।

अमेरिका ने भारत को भी कथित रूप से अस्थायी छूट देते हुए रूसी कच्चा तेल खरीदने की अनुमति दी है। इस निर्णय के बाद रूस के तेल निर्यात में तेजी आई है। पहले जहां रूसी तेल लगभग पचास डॉलर प्रति बैरल के आसपास बिक रहा था, वहीं अब इसकी कीमत करीब नब्बे डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गई है। इससे रूस को राजस्व में भारी बढ़ोतरी मिल रही है।

ऊर्जा बाजार के आंकड़े बताते हैं कि समुद्र में टैंकरों पर जमा रूसी तेल का भंडार भी तेजी से कम हो रहा है, जिससे स्पष्ट है कि खरीदार देशों तक आपूर्ति तेजी से पहुंच रही है। फरवरी के अंत तक जहां टैंकरों में लगभग एक सौ बत्तीस मिलियन बैरल रूसी तेल जमा था, वहीं अब यह घटकर करीब एक सौ अठारह मिलियन बैरल रह गया है। इसका अर्थ है कि वैश्विक बाजार में रूसी तेल की मांग फिर बढ़ने लगी है।

यदि मध्य पूर्व में संघर्ष लंबा चलता है और खाड़ी क्षेत्र से तेल निर्यात बाधित होता है तो रूस को अरबों डॉलर का अतिरिक्त राजस्व मिल सकता है। विशेषज्ञों का अनुमान है कि ऊंची कीमतों और आपूर्ति संकट के चलते रूस को आय में कई अरब डॉलर का अतिरिक्त लाभ हो सकता है।

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने भी संकेत दिया है कि यदि यूरोपीय देश राजनीतिक दबाव से मुक्त होकर दीर्घकालिक सहयोग चाहते हैं तो रूस उन्हें फिर से तेल और गैस आपूर्ति करने को तैयार है। पुतिन का कहना है कि रूस ने कभी यूरोप के साथ ऊर्जा सहयोग से इंकार नहीं किया, लेकिन यूक्रेन युद्ध के बाद यूरोप ने स्वयं रूसी ऊर्जा पर निर्भरता कम करने का निर्णय लिया था।

हम आपको बता दें कि यूक्रेन युद्ध से पहले यूरोप अपनी गैस जरूरतों का चालीस प्रतिशत से अधिक हिस्सा रूस से खरीदता था। लेकिन प्रतिबंधों और वैकल्पिक स्रोतों की खोज के कारण यह हिस्सा घटकर वर्ष 2025 तक लगभग तेरह प्रतिशत रह गया। यूरोपीय संघ ने समुद्री मार्ग से आने वाले रूसी तेल पर प्रतिबंध लगा दिया था और कई पाइपलाइन मार्ग भी बंद हो गए थे।

हालांकि मौजूदा संकट में स्थिति बदलती दिखाई दे रही है। यूरोप ने अभी तक रूसी तरल प्राकृतिक गैस पर पूर्ण प्रतिबंध लागू नहीं किया है और प्रस्तावित योजना के अनुसार इसे 2027 तक धीरे धीरे समाप्त किया जाना है। इस कारण यूरोप के कुछ देश आपूर्ति संकट की स्थिति में फिर से रूसी गैस खरीदने पर विचार कर सकते हैं।

फिर भी रूस की क्षमता पूरी तरह असीमित नहीं है। वर्षों से लगे प्रतिबंधों और यूक्रेन से हुए हमलों के कारण उसकी ऊर्जा अवसंरचना के कुछ हिस्सों को नुकसान पहुंचा है। इसके अलावा जहाजरानी और बीमा से जुड़ी बाधाएं भी रूसी निर्यात को सीमित करती हैं। वैसे रूस का अधिकांश तेल फिलहाल भारत और चीन जैसे सीमित खरीदारों को ही जा रहा है।

इसके बावजूद मौजूदा वैश्विक परिस्थिति का सामरिक महत्व बहुत बड़ा है। मध्य पूर्व में युद्ध ने यह स्पष्ट कर दिया है कि ऊर्जा आपूर्ति पर नियंत्रण अंतरराष्ट्रीय राजनीति का सबसे महत्वपूर्ण हथियार बना हुआ है। रूस के पास विशाल तेल और गैस भंडार हैं और संकट के समय यह उसे आर्थिक और कूटनीतिक दोनों तरह का प्रभाव प्रदान करते हैं।

दूसरी ओर यूरोप के सामने भी एक कठिन विकल्प खड़ा हो गया है। यदि मध्य पूर्व से ऊर्जा आपूर्ति बाधित होती है तो उसे अपने पुराने ऊर्जा स्रोत यानी रूस की ओर फिर से देखना पड़ सकता है। इस प्रकार मध्य पूर्व का युद्ध केवल क्षेत्रीय संघर्ष नहीं रह गया है, बल्कि यह वैश्विक ऊर्जा संतुलन और भू राजनीतिक शक्ति समीकरण को भी नए सिरे से आकार दे रहा है।

(यह लेखक के अपने विचार है)

कैरियर पिजन सर्विस अभी भी जीवित

रजनीश कपूर

ओडिशा पुलिस की यह सेवा अनूठी है। 1946 में, द्वितीय विश्व युद्ध के ठीक बाद, ओडिशा पुलिस ने इसे शुरू किया। सबसे पहले नक्सल प्रभावित कोरापुट जिले में प्रयोग किया गया। धीरे-धीरे यह 38 स्थानों (जिलों, सब-डिवीजनों, सर्कलों और पुलिस स्टेशनों) तक फैल गई। इस सेवा के चरम पर 19 'पिजन लॉफ्ट' सक्रिय थे, जहां 1500 से अधिक प्रशिक्षित कबूतर तैनात थे।

आज के डिजिटल युग में जहां व्हाट्सएप, वीडियो कॉल, इंटरनेट और सैटेलाइट फोन से पल भर में संदेश दुनिया के किसी भी कोने में पहुंच जाते हैं, वहां एक प्राचीन संचार माध्यम अभी भी जीवित है ङ्क 'कैरियर पिजन सर्विस'। यह कोई काल्पनिक कहानी नहीं, बल्कि वास्तविकता है। ओडिशा पुलिस की कैरियर पिजन सर्विस दुनिया की एकमात्र ऐसी पुलिस फोर्स है जो इस विरासत को आज भी संरक्षित रखे हुए है। यह सेवा न सिर्फ इतिहास की याद दिलाती है, बल्कि प्राकृतिक आपदाओं में जब आधुनिक संचार व्यवस्था ध्वस्त हो जाती है, तब एक विश्वसनीय बैकअप के रूप में काम आती है। एक ऐसा माध्यम जो हजारों वर्षों से मानव सभ्यता का अभिन्न अंग रहा है।

'कैरियर पिजन' या 'होमिंग पिजन' का इतिहास प्राचीन काल से जुड़ा है। मिस्र में लगभग 3000 ईसा पूर्व से ही कबूतरों को संदेशवाहक के रूप में इस्तेमाल किया जाता था। फारस, यूनान और रोमन साम्राज्य में इनकी व्यापक उपयोगिता थी। यूनानियों ने ओलंपिक खेलों के परिणाम इन कबूतरों के जरिए शहर-दर-शहर पहुंचाए। चंगेज खान ने अपने विशाल साम्राज्य में 'पिजन नेटवर्क' स्थापित किया। मध्यकाल में यूरोप के युद्धों और मध्य पूर्व के व्यापारियों ने इनका सहारा लिया। भारत में भी यह परंपरा बहुत पुरानी है। चंद्रगुप्त मौर्य के काल में फारसी प्रभाव से 'पिजन पोस्ट' शुरू हुई थी। मुगल और ब्रिटिश काल में पुलिस और सेना दोनों ने इसका इस्तेमाल किया। प्रथम और द्वितीय विश्व युद्ध में 'कैरियर पिजनों' ने जान भी बचाई, फ्रांस में 'चेर आमी' नामक कबूतर ने 194 अमेरिकी सैनिकों की जान बचाई थी। भारत में भी ब्रिटिश काल से पुलिस स्टेशनों के बीच संचार के लिए 'पिजन सर्विस' चली आ रही थी।

लेकिन आज की बात करें तो ओडिशा पुलिस की यह सेवा अनूठी है। 1946 में, द्वितीय विश्व युद्ध के ठीक बाद, ओडिशा पुलिस ने इसे शुरू किया। सबसे पहले नक्सल प्रभावित कोरापुट जिले में प्रयोग किया गया। धीरे-धीरे यह 38 स्थानों (जिलों, सब-डिवीजनों, सर्कलों और पुलिस स्टेशनों) तक फैल गई। इस सेवा के चरम पर 19 'पिजन लॉफ्ट' सक्रिय थे, जहां 1500 से अधिक प्रशिक्षित कबूतर तैनात थे। हर लॉफ्ट पर एक इंस्पेक्टर, तीन सब-इंस्पेक्टर, एक सहायक सब-इंस्पेक्टर और 35 कांस्टेबल तैनात थे। यह सेवा न सिर्फ सामान्य संचार, बल्कि चुनावों और आपदाओं में भी काम आई। 1976-77 के चुनावों और 1982 के 'फ्लैश फ्लड्स' में जब सड़कें-ब्रिज बह गए और वायरलेस-टेलीफोन फेल हो गए, तब इन कबूतरों ने सरकारी संदेश पहुंचाए।

सबसे रोचक घटना 13 अप्रैल 1948 की है। तब भारत के प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू संबलपुर, ओडिशा में थे। उन्हें 265 किलोमीटर दूर कटक में तत्काल निर्देश भेजने थे, सुबह 6 बजे नेहरू का हस्तलिखित संदेश लेकर एक 'कैरियर पिजन' उड़ा। ठीक 11:20 पर, यानी महज 5 घंटे 20 मिनट में, वह कटक पहुंच गया। जब नेहरू खुद कटक पहुंचे तो अपना मूल संदेश और वही कबूतर देखकर दंग रह गए, वे हैरान और प्रसन्न थे। यह घटना ओडिशा पुलिस की 'पिजन सर्विस' की विश्वसनीयता का जीवंत प्रमाण है।

1954 में दिल्ली में अंतरराष्ट्रीय डाक प्रदर्शनी में इन कबूतरों का प्रदर्शन किया गया। 1989 में तत्कालीन राष्ट्रपति आर। वेंकटरामन जब कटक आए तो इन कबूतरों को देखकर मुग्ध हो गए। 1999 के 'सुपर साइक्लोन' में जब तटीय इलाकों में संचार लाइनें पूरी तरह ठप हो गईं, तब इन कबूतरों ने लाज रखी। इनकी गति औसतन 55 से 80 किलोमीटर प्रति घंटा होती है। ये एक बार में 400-500 किलोमीटर उड़ने की क्षमता रखते हैं। 'बेल्जियन होमर' नस्ल के ये कबूतर चुंबकीय क्षेत्र का पता लगाकर अपने घोंसले तक आसानी से पहुंच जाते हैं।

2008 में आधुनिक संचार के चलते इसे औपचारिक रूप से बंद कर दिया गया। लेकिन ओडिशा पुलिस ने इसे पूरी तरह खत्म नहीं होने दिया। मुख्यमंत्री नवीन पटनायक के आदेश पर दो 'लॉफ्ट' अभी भी बरकरार रखे गए, एक कटक में ओडिशा पुलिस मुख्यालय पर 105 'बेल्जियन होमर पिजन' और दूसरा अंगुल के पुलिस ट्रेनिंग कॉलेज पर 44 पिजन। कुल लगभग 150 प्रशिक्षित कबूतर आज भी सेवा में हैं। अब इन्हें सिर्फ सांस्कृतिक और औपचारिक उपयोग के लिए रखा गया है। ये कबूतर गणतंत्र दिवस, स्वतंत्रता दिवस की परेड में शांति, प्रेम और स्वतंत्रता का संदेश लेकर उड़ते हैं। हाल ही में भुवनेश्वर में 25 कबूतरों ने 30 किलोमीटर की दूरी मात्र 29 मिनट में तय की।

आज जब साइबर हमले, प्राकृतिक आपदाएं और इमरजेंसी में मोबाइल नेटवर्क फेल हो जाते हैं, तब यह सेवा सिर्फ विरासत नहीं, बल्कि सुरक्षा की गारंटी है। ओडिशा पुलिस के स्पेशल डीजी (कम्युनिकेशंस) अरुण रे के अनुसार, यह भारत का सबसे अच्छा रखा गया राज है। गौरतलब है कि सीएजी ने इसकी लागत पर आपत्ति जताई थी, लेकिन मुख्यमंत्री ने साफ कहा, विरासत को बचाओ। यह सेवा हमें सिखाती है कि प्रगति का मतलब पुरानी चीजों को फेंकना नहीं, बल्कि उन्हें संभाल कर रखना है। आज युवा पीढ़ी स्मार्टफोन पर जीती है, लेकिन जब वे इन कबूतरों को उड़ते देखते हैं तो इतिहास जीवंत हो उठता है। ऐसे में यदि स्कूलों-कॉलेजों व अन्य कार्यकर्मों में इनका प्रदर्शन करवाया जाए, तो न सिर्फ़ नई पीढ़ी को बरसों पुरानी विरासत जानने का मौका मिलेगा बल्कि पर्यटन को भी बढ़ावा मिले। ड्रोन और सैटेलाइट के युग में भी ये पंख वाले डाकिया हमें याद दिलाते हैं कि प्रकृति की शक्ति आज भी अजेय है।

(यह लेखक के अपने विचार है)

सपनों की एक और बारात

सुरेश सेठ

एकाध वर्ष में हम दुनिया की तीसरी बड़ी आर्थिक शक्ति बन जाएंगे, और आजादी के सौ वर्ष पूरे होने के जश्न तक एक पूरे विकसित राष्ट्र के शायद सर्वोपरि हो जाने का गर्व स्वीकार करेंगे। सर्वोपरि का अर्थ जानते हो, दुनिया की नंबर एक शक्ति जो अमरीका और चीन को भी पछाड़ देगी। इसके साक्ष्य के लिए हम कहते हैं, पूरा विश्व बरसों से मंदी-ग्रस्त है, लेकिन हमारी विकास दर की गति आज भी सबसे अधिक है। तनिक थोड़ी-सी पहचान कर लें कि कहां हो रहा है यह विकास? भई विकास तो हो रहा है। पहले कहते थे, भारत की दस प्रतिशत आबादी के पास नब्बे प्रतिशत सम्पदा है, और नब्बे प्रतिशत आबादी के पास दस प्रतिशत! अब विकास यह हुआ कि जिस दस प्रतिशत के पास नब्बे प्रतिशत सम्पदा थी, उनमें से भी एक प्रतिशत के पास इस कुल सम्पदा का आधा भाग आ गया है। एक आर्थिक तरक्की के तो आप पायदान-दर-पायदान चढ़ते चले गए, लेकिन यह तरक्की बहुमंजिली इमारतों के कंगूरों पर टंगी रह गई, और फुटपाथी आदमी अतिक्रमण के आरोप में अपना फुटपाथ भी गंवा बैठा। यह कैसा जन-कल्याण है भाई जो अनुदान अनुग्रह के आधार पर चलता है। देश में दिलासा और सान्त्वना का मतलब है कि सस्ते राशन और मुफ्तखोरी की अवधि और बढ़ा दी जाए। अमीरों की बस्ती में बढ़ती खुशहाली की चमक दमक बढ़ाएं और निर्धन युवा बल के सस्ती रेवड़ियों के प्रासाद पर और अधिक आधारित होते जाएं। एक देश एक चुनाव के नारों पर मतैक्य नहीं हो सका, और दल बदल से सरकारें गिरा नए चुनावों की घोषणा बार-बार लोकतंत्र की परीक्षा लेती है। हम गर्वित होते हैं कि एक और चुनाव शांति से निबट गया, और आम जनता को वायवीय सपनों की एक और बारात भेंट कर गया।

आजकल सपनों का मिजाज बदल गया है। पहले सपना राष्ट्र के कायाकल्प का देखा जाता था। एक आदर्श समाज में नैतिक मूल्यों की स्थापना का सपना। आज सपना बैंक खातों में बिना काम पन्द्रह लाख आ जाने का है। सपना लाख का देखते हैं, दस हजार खाते में आ गए, तो एक राज्य की सरकार फिर सत्तारूढ़ हो गई। ये सत्तारूढ़ बार-बार चुने जाने का रिकार्ड बना रहे हैं। परिवारवाद के परम आलोचक अपने-अपने नाती-पोतों के लिए अपनी गद्दियां सुरक्षित छोड़ कर जाना चाहते हैं। देश में एक नया सत्य स्थापित हो गया है, जो कथनी है, वह करनी नहीं। और जो करनी है उस पर समाज परिवर्तन के मिथ्या लेबुल लगे हैं। इन लेबुलों का हमने अमृत महोत्सव मना लिया किन्तु देश वहां का वहां ही खड़ा है। पूंजी निर्माण का अर्थ यहां पूंजीवाद का विकास हो गया है। इस विकास की सार्थकता इस बात से सिद्ध हो गई, कि देखो विकास तो हो गया। एशिया में अरबपतियों के बढ़ने की संख्या भारत में सबसे अधिक हो गई।

ट्रंप ने पिछले एक वर्ष में दुनिया को हांका

हरिशंकर व्यास

देश-सभ्यता विशेष को व्यक्ति विशेष कितना तबाह कर देता है और संविधान, सुप्रीम कोर्ट कैसे देश बचाने की ढाल बनते हैं, इसका प्रमाण आज अमेरिका है। उस नाते अमेरिका के ढाई सौ साल और भारत की स्वतंत्रता, संविधान के आठ दशकों का क्या फर्क है? भारत ने कुछ ही दशकों में संविधान से सरकार को 'हम भारत के लोग' का माईबाप बना दिया। संस्थाएं बिना रीढ़ की हो गईं। नतीजतन 140 करोड़ लोग खैरात से भय, भूख, भक्ति की जिंदगी जी रहे हैं।

ठीक विपरीत ढाई सौ साल पुराने अमेरिकी संविधान को खंगालें तो एकमात्र डोनाल्ड ट्रंप वह राष्ट्रपति हैं, जिन्होंने संविधान-संस्थाओं को बेशर्मी से ठेंगा दिखाया। संविधान के एक आपातकालीन प्रावधान के हवाले टैरिफ के वे मनमाने फरमान निकाले, जिससे दुनिया में त्राहिमाम हुआ। पर अमेरिका के नागरिकों ने ही इस मनमानी को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी! और सुप्रीम कोर्ट के छह जजों ने (तीन विरोध में) बहुमत से दो टूक यह फैसला दिया, ट्रंप के टैरिफ अवैध हैं! दुनिया में कितने ऐसे सुप्रीम कोर्ट हैं, जिनके जजों में ऐसी रीढ़ की हड्डी है? ट्रंप ने भी पिछले कार्यकाल में अपने जज नियुक्त किए थे। उनमें से भी राष्ट्रपति के फैसलों को अवैध करार देने वाले जज थे। चीफ जस्टिस सहित सभी नौ जजों ने जांच-तौल में लिखे गए प्रावधानों की व्याख्या तर्कों के साथ की और साफ बहुमत से ट्रंप के फैसलों को अवैध करार दिया।

ट्रंप का बौखलाना स्वाभाविक था। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट और जजों के खिलाफ विदेशी प्रभाव से लेकर कुत्ते जैसे जुमलों तक से हमला किया। और यह भी अमेरिकी संविधान की इस बुनियाद पर है कि नागरिक का मूलभूत अधिकार व्यक्तिगत स्वतंत्रता में कुछ भी कहने, यानी उसकी अभिव्यक्ति की आजादी का अबाध हक है। राष्ट्रपति डराएं, धमकाएं, कार्यपालिका को मनमाफिक चलाएं, सुप्रीम कोर्ट का जज न डरेगा, न चिंता करेगा। वह संविधान के प्रति प्रतिबद्धता में वही फैसला देगा जो संविधान का सत्य है और उसकी जो समझ या व्याख्या है।

सरकार या राष्ट्रपति से डरना, या कानून मंत्रियों की दखलंदाजी का अमेरिकी न्यायपालिका में कोई अर्थ नहीं है। न्यायपालिका की वैसी ही पृथक सत्ता है जैसी विधायिका-संसद की अपनी पृथक स्वतंत्रता है, तो बतौर कार्यपालिका के प्रमुख राष्ट्रपति का पावर भी पृथक और स्पष्ट है। तभी सुप्रीम कोर्ट ने संविधान-प्रदत्त आपातकालीन प्रावधानों के हवाले ट्रंप के टैरिफ अवैध करार दिए तो ट्रंप ने फटाफट अपने दूसरे अधिकार से 15 प्रतिशत टैरिफ का नया आदेश निकाला। पर इस आदेश के टैरिफ पांच महीने ही मान्य रहेंगे। फिर संसद जाना पड़ेगा। इस प्रावधान में टैरिफ लगाने की सीमा पंद्रह प्रतिशत ही है। जाहिर है, ऐसा करके ट्रंप ने सुप्रीम कोर्ट की परवाह न करने, मतलब अपने अहंकार को फिर दर्शाया।

इससे बदनामी, भद्द किसकी हो रही है? पूरी दुनिया और खासकर यूरोप के असल लोकतांत्रिक देशों में किसकी वाहवाही है? अमेरिका और अमेरिकी संविधान की। ट्रंप की नाराजगी की बिना चिंता किए वैश्विक मीडिया और नेताओं ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले को सत्ता के संतुलन की जीत बताया। मतलब कोर्ट ने कार्यपालिका (राष्ट्रपति) की सीमाओं को स्पष्टता से दर्शाया है कि अमेरिका में कोई भी शाखा अवैध रूप से अधिक शक्ति नहीं ले सकती। फ्रांस के राष्ट्रपति मैक्रों ने कहा, 'लोकतंत्र में पावर काउंटरवेट्स (जांच-तौल) आवश्यक हैं'। कनाडा सरकार ने और हिम्मत दिखाई, 'तो टैरिफ गैरकानूनी साबित'! और तो और ट्रंप की रिपब्लिकन पार्टी के कई नेताओं ने संवैधानिक संतुलन (चेक-बैलेंस) के पक्ष में फैसला सटीक बताया।

सोचें, दुनिया ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले से कैसी राहत ली होगी? मन ही मन अमेरिका का कैसा मान बना होगा। आश्चर्य नहीं होगा यदि यूरोपीय संघ, दक्षिण कोरिया, ब्रिटेन आदि ट्रंप प्रशासन की दादागिरी में हुए व्यापार समझौते को खारिज करें या टाल दें। मंगलवार को ट्रंप संसद के साझा सत्र में 'स्टेट ऑफ द यूनियन' भाषण देंगे। उन्हें ठीक सामने बैठे सुप्रीम कोर्ट के जज भी सुनेंगे। संभव है यह मौका कुछ अनहोनी लिए हुए हो। नामुमकिन नहीं कि ट्रंप सामने बैठे जजों को भला-बुरा कहें। या उनके भक्त रिपब्लिकन सांसद बनाम डेमोक्रेटिक सांसदों में राजनीतिक भिड़ंत हो! राष्ट्रपति ट्रंप ने विधायिका यानी संसद पर भी दबिश बनाई हुई है। पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले से संसद के ही टैरिफ अधिकारों की पुष्टि है, तो सांसदों पर राष्ट्रपति के भड़भड़िया भाषण का विशेष असर नहीं होगा। लेकिन हंगामा तो संभव है।

जो हो, मूल सवाल हैङ्क अमेरिका का ऐसा बेजोड़ होना किस कारण से है? मेरा मानना है एकमेव वजह अमेरिकी नींव, संविधान है। और ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि अमेरिका उन स्वतंत्रचेता मनुष्यों से निर्मित है जिनकी मूल वृत्ति (बेसिक इंस्टिंक्ट) आकाश में उड़ने, स्वतंत्रता से जीने तथा मन का कुछ करने का लक्ष्य होता है। तभी दुनिया भर के और स्वतंत्रता के बाद भारत के भी पढ़े-लिखे, पुरुषार्थी लोग सर्वाधिक अमेरिका गए। सभी अमेरिका के परिवेश में अपने अवसर मानकर गए। इस ललक के साथ कि वे कुछ बनें, खिलें और जिंदगी संतोष, सुरक्षा, स्वाभिमान से जिएं। सवाल है, क्यों अमेरिका में यह ज्यादा संभव है? इसलिए क्योंकि सरकार, कार्यपालिका, अफसर-बाबुओं का जिंदगी में न्यूनतम दखल है (ट्रंप ने इसे भयावह तौर पर बिगाड़ा है) और खुली सांस में जीना संभव है।

दूसरे शब्दों में अमेरिका जहां सौ फूल खिलने का सांस्कृतिक आधार लिए हुए है, तो उस गरुड़-बाज मानसिकता का वह परिवेश भी है जिसमें बुद्धि, मेहनत, जोखिम और पूंजी के बूते असंभव को संभव बनाना आम व्यक्ति के लिए भी मुमकिन है। हकीकत है कि कोलंबस ने अमेरिका खोजा तो उसके बाद 17वीं सदी में इंग्लैंड, नीदरलैंड, स्पेन, फ्रांस आदि से लोग धार्मिक उत्पीड़न, कराधान और सामंती नियंत्रण से मुक्ति के लिए अमेरिका गए। तब समुद्री यात्रा की जोखिमों से पार पाकर जो भी अमेरिका पहुंचा, वह दुस्साहसी पुरुषार्थी था। सभी में यह जिद थी कि हमें कुछ बनना है, बनकर दिखाना है और जो भुगता है उसे नई दुनिया में नहीं पनपने देना है।

हां, मूल यूरोपीय विस्थापितों ने ही अपने आपको नई दुनिया कहा या माना, तो वजह यूरोप के तब के हालातों से तौबा थी। इसलिए नई दुनिया में किसी की अधीनता नहीं। हर नागरिक बंदूक रखकर रक्षा का अधिकारी। हमारा कोई मालिक नहीं। हम स्वयंभू अपने मालिक हैं। तभी इतिहास में यह तथ्य दर्ज है कि 1620 में मेफ्लावर से आए तीर्थयात्रियों ने अपना एक लिखित अनुबंध बनाया, जो स्वशासन यानी आत्म-शासन की शुरुआती मिसाल था। इसी कारण 1787 का संविधान बना तो वह मात्र शासन का दस्तावेज नहीं था, बल्कि राजा, सामंत, राष्ट्रपति-प्रधानमंत्री आदि की सत्ता से भयमुक्ति का दस्तावेज भी था। मतलब नई दुनिया में वह कुछ नहीं होगा जो 17वीं सदी में इंग्लैंड, नीदरलैंड, स्पेन, फ्रांस आदि के सामंती शासनों में था।

इसलिए अमेरिका की खोज, 'नई दुनिया' का निर्माण, वह मानसिक खोज भी थी, जिससे मनुष्य ने स्वतंत्रता की गारंटी सुनिश्चित की। स्वशासन बनाया। संविधान निर्माताओं ने अपनी 'नई दुनिया' को ऐसी संस्थाओं से गूंथा, जिनका प्राथमिक काम एक-दूसरे पर निगरानी रखना और नागरिकों का स्वतंत्र जीवन सुनिश्चित बनाए रखना है। इसलिए वहां विधायिका, कार्यपालिका, न्यायपालिका की एक-दूसरे पर निर्भरता नहीं है, बल्कि पृथकता से एक-दूसरे पर निगरानी, चेक-बैलेंस के पुख्ता ढांचे में ढली हुई है।

हमें अंदाज नहीं है कि अमेरिका की संघीय व्यवस्था में एक स्टेट, उसका गवर्नर, उसका मेयर कितना स्वयंभू और शक्तिशाली होता है, तो विधायिका, स्टेट न्यायपालिका कितनी सशक्त है। और विकेंद्रीकृत व्यवस्था में राष्ट्रपति ट्रंप का अर्थ केंद्रीय सरकार, अंतरराष्ट्रीय संबंधों का वह महाबली है, जिससे दुनिया कंपकंपाए, पर अमेरिकी नागरिक नहीं खौफ खाता। इसलिए क्योंकि अमेरिका में संविधान का चेक-बैलेंस काम करता हुआ है। और संविधान क्यों? जेम्स मेडिसन का एक अच्छा वाक्य है, ङ्कयदि मनुष्य देवदूत होते, तो किसी सरकार की आवश्यकता ही न होतीङ्क। पर क्योंकि मनुष्य पूर्ण, निष्कपट या निष्पाप नहीं है, पशुगत अहंकारी वृत्ति-प्रवृत्ति का मारा है, तो समाज में व्यवस्था बनाए रखने के लिए शासन और संस्थाओं की आवश्यकता है। और यदि इस सबका केंद्र एक व्यक्ति बन जाए, तो वह वैसे ही लोगों को, देश-दुनिया को हांकेगा जैसे डोनाल्ड ट्रंप ने पिछले एक वर्ष में दुनिया को हांका है।

(यह लेखक के अपने विचार है)

बिहार में बंद चीनी मिले होंगी चालू, सम्राट चौधरी ने उद्योगों को बढ़ावा के लिए इंसेंटिव पॉलिसी-2026 का किया ऐलान

पटना, 12 मार्च [एजेंसी]। राज्य में बंद पड़ी चीनी मिलों के चालू करने के साथ ही 25 नई चीनी मिल लगाने एवं गन्ने की पैदावार बढ़ाने को लेकर एक विशेष कार्यक्रम का आयोजित किया गया। कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने शीघ्र ही उद्योग को बढ़ावा देने के लिए इंसेंटिव पालिसी-2026 लाने की घोषणा की।गांधी मैदान के पास स्थित ज्ञान भवन में सोमवार को शुरू हुए दो दिवसीय गन्ना प्रौद्योगिकी सेमिनार में सम्राट ने कहा कि जो लोग मजदूरी करने के लिए बाहर जाते हैं उन्हें पांच वर्ष के अंदर चिह्नित कर बिहार में ही रोजगार उपलब्ध कराया जाएगा। यह सरकार की प्राथमिकता है। इस पर कार्य भी शुरू कर दिए गए हैं।उन्होंने कृषि वैज्ञानिकों और गन्ना किसानों से अपील करते हुए कहा कि नई तकनीकी के साथ पुरानी पद्धति की ओर लौटना है तभी हम अच्छी खेती कर पाएंगे। खेती के पुरानी पद्धति में कैसे लौटे इसपर भी चर्चा होनी चाहिए। उन्होंने प्राकृतिक खेती, उन्नत बीज, औषधि और किसानों को होने वाली चुनौती का समाधान कराने पर बल दिया। सेमिनार में उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा ने कहा कि आजादी के समय हमारा बिहार गन्ना के क्षेत्र में काफी आगे था, लेकिन इसे गर्त में पहुंचा दिया गया। अब डबल इंजन की सरकार विकास को गति देने में लगी हुई है। उन्होंने कहा कि बिहार अब तेजी के साथ आगे बढ़ रहा है। नीयत साफ होगी तो सफलता जरूर मिलेगी। वर्षों की बीमारी को दूर करने के लिए हम सभी मिलकर कार्य करेंगे तो बिहार आगे बढ़कर रहेगा। खोई हुई विरासत को

पाने के लिए सरकार तेजी से कार्य कर रही है।उद्योग मंत्री दिलीप जायसवाल ने कहा कि बिहार का इतिहास गवाह है कि हम चीनी उत्पादन में देश के अग्रणी राज्य में थे। राज्य में गन्ने की खेती को बेहतर बनाने की दिशा में विभाग तेजी से कार्य कर रहा है।

गन्ना केवल चीनी ही नहीं बल्कि इंधन बनाने का कार्य करेगा।गन्ने की खेती में जलजमाव एक समस्या है। कीटों के प्रकोप से गन्ना को बचाने और किसानों को भुगतान पर भी सरकार तत्पर है। उन्होंने कहा कि गन्ना उद्योग विभाग तेजी से कार्य कर रहा है। आने वाले समय में यह विभाग आर्थिक गाथा लिखने वाला है। उन्होंने किसानों से बेहतर करने के साथ ही गन्ना की पैदावार बढ़ाने की अपील की। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए गन्ना उद्योग मंत्री संजय कुमार ने कहा कि गन्ना किसानों के हितों के लिए लगातार काम किए जा रहे हैं। गन्ना किसानों के लिए कई योजनाएं चलाई जा रही है। राज्य के 66 हजार एकड़ जमीन को जल जमाव से मुक्ति के लिए कार्य किए जा रहे हैं। मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत ने कहा कि उद्योग स्थापित कराना और अधिक से अधिक रोजगार उपलब्ध कराना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। सात निश्चय-3 के अंतर्गत उद्योग के क्षेत्र में क्रांति लाने के लिए लगातार कार्य किए जा रहे हैं। देश के समक्ष बिहार अग्रणी राज्य बनेगा। गन्ना उद्योग विभाग के अपर सचिव के सेंथिल कुमार ने आगत अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि किसानों के लिए यह सेमिनार आयोजित किए गए हैं ताकि किसानों को लाभ हो सके। इसमें देश के जाने-माने वैज्ञानिक अच्छी खेती और अधिक पैदार के बारे में जानकारी देंगे। धन्यवाद ज्ञापन ईख आयुक्त अनिल कुमार झा ने किया। इस पर कार्य भी शुरू कर दिए गए हैं।उन्होंने कृषि वैज्ञानिकों और गन्ना किसानों से अपील करते हुए कहा कि नई तकनीकी के साथ पुरानी पद्धति की ओर लौटना है तभी हम अच्छी खेती कर पाएंगे। खेती के पुरानी पद्धति में कैसे लौटे इसपर भी चर्चा होनी चाहिए। उन्होंने प्राकृतिक खेती, उन्नत बीज, औषधि और किसानों को होने वाली चुनौती का समाधान कराने पर बल दिया।

जापान ने तैनात किए 1000 किमी रेंज वाले टाइप-12 मिसाइल, निशाने पर चीन

नईदिल्ली, 12 मार्च [एजेंसी]। पूर्वी एशिया में बढ़ते तनाव के बीच जापान ने अपनी सैन्य क्षमता को मजबूत करने के लिए बड़ा कदम उठाया है। जापान ने चुपचाप 1000 किलोमीटर तक मार करने वाली नई टाइप-12 लंबी दूरी की मिसाइल प्रणाली की तैनाती शुरू कर दी, जिससे चीन के कई इलाके उसकी मारक क्षमता के दायरे में आ गए हैं। जापान ने स्वदेशी रूप से विकसित टाइप-12 मिसाइल सिस्टम के लॉन्चर को दक्षिण-पश्चिमी क्षेत्र

कुमामोटो प्रीफेक्चर के एक सैन्य कैंप में पहुंचाना शुरू कर दिया है। यह कदम बेहद गोपनीय तरीके से उठाया गया और सैन्य वाहनों के जरिए आधी रात के बाद उपकरण वहां पहुंचाए गए। यह पहली बार है जब जापान अपने देश में विकसित इतनी लंबी दूरी की मिसाइल को तैनात कर रहा है, जो उसकी काउंटर-स्ट्राइक क्षमता को मजबूत करने की रणनीति का हिस्सा माना जा रहा है। जापान की टाइप-12 मिसाइल का उन्नत संस्करण लगभग 1000 किलोमीटर तक टार्गेट हिट करने में सक्षम है। इसके पुराने मॉडल की रेंज करीब 200 किलोमीटर थी लेकिन नई तकनीक से इसकी क्षमता कई गुना बढ़ गई है। नई मिलाइल की रेंज में चीन का तटीय इलाका औप कई रणनीतिक ठिकाने आ गए हैं। एक्सपर्ट का कहना है कि जापान का यह कदम पूर्वी चीन सागर और ताइवान जलडमरूमध्य में शक्ति संतुलन स्थापित कर सकता है।जापाल लंबे समय से चीन की बढ़ती सैन्य गतिविधियों और ताइवान के आसपास बढ़ते तनाव को लेकर चिंतित है। इसी वजह से वह अपनी डिफेंस पॉलिसी में बदलाव कर कहा है और अधिक आक्रामक क्षमता विकसित कर रहा है। नई मिसाइलों की तैनाती को इसी रणनीति का हिस्सा मानी जा रहा है। हालांकि कुछ स्थानीय लोगों ने इस तैनाती का विरोध भी किया है। उनका कहना है कि लंबी दूरी की मिसाइलों से इलाके में क्षेत्रीय तनाव बढ़ेगा।

हिमाचल में सूखे चीड़ के पेड़ काटने के नियम बदले, अब डीसीएफ और डीएफओ दे सकेंगे मंजूरी

शिमला,12 मार्च (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश के जंगलों में सूखे चीड़ के पेड़ों को काटने की अनुमति अब आसानी से मिल सकेगी। राज्य सरकार ने इसके लिए नियमों में बदलाव कर सूखे पेड़ों को काटने के लिए बनाए 10 वर्षीय कटान कार्यक्रम से बाहर कर दिया है।अब डीएफओ व डीसीएफ स्तर के अधिकारी भी साल में 500 पेड़ काटने की मंजूरी अपने स्तर पर दे सकेंगे। 10 वर्षीय कार्यक्रम से बाहर आने वाले असाधारण मामलों में संबंधित वन संरक्षक को पूरे वनवृत्त में प्रतिवर्ष अधिकतम 500 सूखे चीड़ के पेड़ों की कटाई की संस्तुति करने का अधिकार दिया गया है। हालांकि, इसके लिए उप वन संरक्षक या वन मंडल अधिकारी स्तर से कम अधिकारी द्वारा भौतिक सत्यापन अनिवार्य होगा। अंतिम स्वीकृति राज्य सरकार से ली जाएगी। हाल ही में कैबिनेट ने इसकी मंजूरी दी

थी। सोमवार को अतिरिक्त मुख्य सचिव वन केके पंत ने इस संबंध में अधिसूचना जारी की। सरकार ने पारिस्थितिकी, वन एवं वन्यजीव संरक्षण के साथ किसानों के शोषण को रोकने के उद्देश्य से सूखे चीड़ के पेड़ों की कटाई से संबंधित आदेशों में संशोधन किया है। हिमाचल प्रदेश भू-परिरक्षण अधिनियम, 1978 की धारा-7 के साथ पठित धारा-4 के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह संशोधित आदेश जारी किया है। इससे पहले इस संबंध में 10 सितंबर 2002 को आदेश जारी किया था, जिसे बाद में आठ फरवरी 2021, 28 अगस्त 2023 तथा चार जनवरी 2025 सहित अन्य तिथियों पर संशोधित किया जा चुका है। नए आदेश के अनुसार, सूखे चीड़ के पेड़ों की कटाई अब सक्षम प्राधिकारी द्वारा स्वीकृत 10 वर्षीय कटाई कार्यक्रम के अनुसार की जाएगी। यह व्यवस्था विशेष रूप से उन पेड़ों के लिए लागू होगी जो प्राकृतिक आपदाओं, रोगों या कीटों के हमले के कारण सूख गए हों।सरकार का कहना है कि इस संशोधन से एक ओर जहां वन और पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा मिलेगा। सरकार ने पारिस्थितिकी, वन एवं वन्यजीव संरक्षण के साथ किसानों के शोषण को रोकने के उद्देश्य से सूखे चीड़ के पेड़ों की कटाई से संबंधित आदेशों में संशोधन किया है।

हिमाचल प्रदेश भू-परिरक्षण अधिनियम, 1978 की धारा-7 के साथ पठित धारा-4 के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह संशोधित आदेश जारी किया है। इससे पहले इस संबंध में 10 सितंबर 2002 को आदेश जारी किया था, जिसे बाद में आठ फरवरी 2021, 28 अगस्त 2023 तथा चार जनवरी 2025 सहित अन्य तिथियों पर संशोधित किया जा चुका है। नए आदेश के अनुसार, सूखे चीड़ के पेड़ों की कटाई अब सक्षम प्राधिकारी द्वारा स्वीकृत 10 वर्षीय कटाई कार्यक्रम के अनुसार की जाएगी। यह व्यवस्था विशेष रूप से उन पेड़ों के लिए लागू होगी जो प्राकृतिक आपदाओं, रोगों या कीटों के हमले के कारण सूख गए हों।सरकार का कहना है कि इस संशोधन से एक ओर जहां वन और पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा मिलेगा। सरकार ने पारिस्थितिकी, वन एवं वन्यजीव संरक्षण के साथ किसानों के शोषण को रोकने के उद्देश्य से सूखे चीड़ के पेड़ों की कटाई से संबंधित आदेशों में संशोधन किया है।

तेल संकट के चलते बांग्लादेश में विश्वविद्यालयों को बंद करने का आदेश, बिजली और ईंधन बचाने के लिए उठाया गया कदम

नई दिल्ली, 12 मार्च [एजेंसी]। पश्चिम एशिया में युद्ध के चलते दुनियाभर में तेल का संकट खड़ा हो गया है। ऐसे में कई देशों में ईंधन की खपत कम करने के लिए तमाम उपाय किए जा रहे हैं। इसी कवायद में बांग्लादेश की सरकार ने बिजली और ईंधन बचाने के प्रयास में देशभर के विश्वविद्यालयों को बंद करने का आदेश दिया है। स्थानीय मीडिया में सोमवार को प्रकाशित खबर के अनुसार, शिक्षा मंत्रालय की ओर से जारी आदेश के मुताबिक, विश्वविद्यालयों में छुट्टियां ईद तक जारी रहेंगी। बांग्लादेशी अखबार प्रोथोम आलो ने आदेश के हवाले से बताया, वैश्विक संकट से निपटने के लिए राष्ट्रीय स्तर पर बिजली और ऊर्जा बचाना जरूरी है। इसके लिए सभी सार्वजनिक और निजी विश्वविद्यालयों के अधिकारियों और कर्मचारियों को बिजली और ऊर्जा के मामले

में जिम्मेदारी व कुशलता के साथ व्यवहार सुनिश्चित करना आवश्यक है। शिक्षा मंत्रालय ने बिजली और ईंधन बचाने के लिए कैबिनेट डिवीजन की ओर से पहले से दी गई गाड़ियों के उपयोग पर भी रोक लगाने समेत 11 बिंदुओं को लेकर निर्देश जारी किया है। डेली स्टार अखबर ने अपनी रिपोर्ट में बताया कि समाहांत के दौरान राजधानी ढाका समेत कई शहरों में पेट्रोल पंपों पर वाहनों की लंबी कतारें देखी गईं। यह लोगों में तेल की किल्लत होने की आशंका को दर्शाता है।पश्चिम एशिया में छिड़े युद्ध का असर भारत में भी दिखने लगा है। पुणे में गैस आधारित शवदाह गृहों को अस्थायी रूप से बंद कर दिया गया है। यह कदम पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के निर्देश के आधार पर उठाया गया है। यह फैसला ऐसे समय आया है, जब मंत्रालय ने पश्चिम एशिया संकट के कारण घरेलू एलपीजी खपत के लिए प्रोपेन और ब्यूटेन की आपूर्ति को प्राथमिकता दी है। पुणे नगर निगम के बयान के अनुसार, मंत्रालय के पांच मार्च के निर्देश के तहत शहर के गैस आधारित शवदाह गृहों को अगले आदेश तक बंद करने का निर्णय लिया गया है।

एआई कंपनी एंथ्रोपिक ने ट्रंप प्रशासन पर किया मुकदमा, पेंटागन की ब्लैकलिस्ट को बताया अवैध

पेंटागन 12 मार्च। अमेरिका की आर्टिफिशियल इंजेलिजेंस कंपनी एंथ्रोपिक ने ट्रंप प्रशासन के खिलाफ कोर्ट में मुकदमा दायर किया है। कंपनी ने सोमवार 9 मार्च को एक केस फाइल किया है ताकि पेंटागन उसे नेशनल सिक्योरिटी ब्लैकलिस्ट में डालने से रोक सके। यह एक ऐसा नाम है जो उन ऑर्गनाइजेशन या देशों के लिए रिजर्व है जो नेशनल सिक्योरिटी के लिए खतरा पैदा करते हैं। इससे कंपनी को पहले ही सरकारी कॉन्ट्रैक्ट का नुकसान हो रहा है और भविष्य के बिजनेस में करोड़ों डॉलर का खतरा है। यह केस कैलिफोर्निया के नॉर्दर्न डिस्ट्रिक्ट के स्डिस्ट्रिक्ट कोर्ट में फाइल किया गया है और यह एआई स्टार्टअप और स्मिलिट्री के बीच ऑटोनॉमस हथियारों और घरेलू निगरानी के लिए ढ्ढ के इस्तेमाल को लेकर चल रहे टकराव को और बढ़ा रहा है।कंपनी ने शिकायत में कहा है कि ये काम पहले कभी नहीं हुए और गैर-कानूनी हैं, और ये एंथ्रोपिक को बहुत नुकसान पहुंचा रहे हैं जिसकी भरपाई नहीं हो सकती। फाइलिंग में कहा गया है, एंथ्रोपिक के फेडरल सरकार के साथ कॉन्ट्रैक्ट पहले ही कैंसिल किए जा रहे हैं।

जम्मू में कांग्रेस का जोरदार प्रदर्शन: विदेश नीति पर केंद्र सरकार के खिलाफ की नारेबाजी, राज्य का दर्जा बहाली की मांग

जम्मू, 12 मार्च [एजेंसी]।

जम्मू-कश्मीर कांग्रेस ने सोमवार को जम्मू स्थित पार्टी मुख्यालय के बाहर भाजपा नेतृत्व वाली केंद्र सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से इस्तीफे की मांग की। कांग्रेस के कई कार्यकर्ता और नेता शहीदी चौक स्थित पार्टी मुख्यालय के बाहर एकत्र हुए, लेकिन कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए तैनात पुलिस ने उन्हें आगे बढ़ने की अनुमति नहीं दी। प्रदर्शन में शामिल कार्यकर्ता, जिनमें महिलाएं भी थीं राज्य का दर्जा बहाल करो और हमारी रियासत हमारा हक लिखी तख्तियां लेकर आए थे और मोदी सरकार तथा भारत-अमेरिका व्यापार समझौते के खिलाफ नारेबाजी कर रहे थे। कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री ने अमेरिका के सामने पूर्ण समर्पण कर दिया है। प्रदर्शन का नेतृत्व प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष तारिक हमीद कर्रा ने किया। उन्होंने जम्मू-कश्मीर को जल्द से जल्द राज्य का दर्जा बहाल करने की भी मांग उठाई। केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कर्रा ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री ने भारत की वैश्विक प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाया है और उन संस्थाओं को कमजोर किया है जो कभी देश की विदेश नीति की पहचान थीं। उन्होंने कहा कि भारत कभी गुटनिरपेक्ष आंदोलन और क्षेत्रीय सहयोग मंच जैसे सार्क का प्रमुख समर्थक था, लेकिन आज देश की छवि को नुकसान पहुंचा है। प्रधानमंत्री के आचरण ने इस पद की गरिमा और सम्मान को कम किया है। कर्रा ने आरोप लगाया कि सरकार वैश्विक शक्तियों के साथ अपने संबंधों में भारत के हितों से समझौता कर रही है। उन्होंने कहा कि वे यह तक तय कर रहे हैं कि भारत रूस से तेल खरीदे या नहीं।

हमारे व्यापार और ऊर्जा सुरक्षा से जुड़े फैसले किसी दूसरे देश के निर्देश पर नहीं हो सकते।

संपत्तिकर में 400 प्रतिशत की बढ़ोतरी का विरोध तेज, इंदिरापुरम में जगह-जगह लगे पोस्टर

गाजियाबाद 12 मार्च [एजेंसी]।गाजियाबाद में संपत्तिकर को लेकर नगर निगम का विरोध तेज हो चला है। सोमवार को इंदिरापुरम व्यापार मंडल ने इसके विरोध में जगह-जगह पोस्टर लगवाए हैं। पदाधिकारियों का कहना है कि संपत्तिकर में 400 फीसदी तक की बढ़ोतरी मंजूर नहीं है। इसको लेकर आने वाले दिनों में धरना प्रदर्शन किया जाएगा।व्यापार मंडल के अध्यक्ष ओमबीर यादव ने बताया कि संपत्तिकर का सिलसिलेवार विरोध किया जाएगा। व्यापार मंडल ने इसके लिए पूरी योजना बना रखी है। पिछले दिनों हुई बैठकों में इसको लेकर रूपरेखा तैयार की गई।वहीं, इसी कड़ी में इंदिरापुरम में जगह-जगह पोस्टर लगाकर विरोध किया जा

रहा है। जल्द ही धरना-प्रदर्शन को लेकर भी तारीख व्यापार मंडल घोषित करेगा।मीडिया प्रभारी किशोर ठाकुर ने बताया कि संपत्तिकर बढ़ाने के विरोध में व्यापार मंडल ने पिछले दिनों अपना होली मिलन समारोह भी नहीं मनाया था। दो दिन बाद क्षेत्र की सभी दुकानों पर काले झंडे लगाकर इसका विरोध किया जाएगा। उन्होंने बताया कि व्यापार मंडल संपत्तिकर मामले पर कानूनी सलाह भी ले रहा है। हर मोर्चे पर इसका विरोध व्यापारी करेंगे।

तेल बाजार में ऐतिहासिक उथल-पुथल: कच्चे तेल की कीमत 100 डॉलर के पार, ईरान युद्ध से वैश्विक सप्लाई पर बड़ा असर

नई दिल्ली, 12 मार्च [एजेंसी]।

वैश्विक तेल बाजार में सोमवार को ऐतिहासिक उथल-पुथल देखने को मिली, जब कच्चे तेल की कीमत लगभग चार साल बाद पहली बार 100 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच गई। ईरान के साथ जारी युद्ध के कारण तेल आपूर्ति बाधित होने से बाजार में भारी दबाव बना हुआ है और विशेषज्ञों का मानना है कि कीमतें अभी और बढ़ सकती हैं। सोमवार सुबह तेल वायदा (फ्यूचर्स) में करीब 11त्न की तेजी दर्ज की गई। अमेरिकी कच्चा तेल करीब 8 डॉलर बढ़कर 99 डॉलर प्रति बैरल पहुंच गया, जबकि अंतरराष्ट्रीय बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड 9 डॉलर उछलकर 101 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। यह एक दिन में कीमतों में सबसे बड़ी बढ़ोतरी में से एक है। इससे पहले कच्चा तेल आखिरी बार मार्च 2022 में 100 डॉलर के पार गया था, जब रूस ने यूक्रेन पर हमला किया था। विशेषज्ञों के अनुसार तेल कीमतों में उछाल के पीछे दो बड़े कारण हैं। पहला, हॉर्मुज़ जलडमरूमध्य के आसपास तनाव और दूसरा मध्य-पूर्व में तेल उत्पादन में गिरावट। हॉर्मुज जलडमरूमध्य दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण समुद्री मार्गों में से एक है। दुनिया के लगभग 20त्न तेल टैंकर इसी रास्ते से गुजरते हैं। ईरान ने इस मार्ग से गुजरने वाले टैंकरों पर हमले की धमकी दी है, जिसके बाद कई शिपिंग कंपनियों ने वहां से तेल उठाना और भेजना रोक दिया है। इतिहासकारों के अनुसार सप्लाई में यह बाधा 1956-57 के स्वेज संकट से भी लगभग दोगुनी बड़ी मानी जा रही है।युद्ध के कारण सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात जैसे बड़े तेल उत्पादकों की अतिरिक्त उत्पादन क्षमता भी प्रभावित हुई है। ऊर्जा

विशेषज्ञों के मुताबिक इससे बाजार में वह सुरक्षा कुशन खत्म हो गया है, जो आम तौर पर कीमतों को स्थिर रखने में मदद करता है। रैपिडन एनर्जी ग्रुप के प्रमुख बॉब मैकनैली के अनुसार, बाजार में अब कोई मजबूत बैकअप नहीं बचा है, जिससे अचानक सप्लाई बढ़ाई जा सके। तेल की कीमतों में तेजी का असर ईंधन बाजार पर भी दिखाई दे रहा है। अमेरिका में पेट्रोल की कीमतें एक हफ्ते में करीब 50 सेंट बढ़कर 3.48 डॉलर प्रति गैलन तक पहुंच गई हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि फिलहाल दुनिया में तेल की कुल उपलब्धता पर्याप्त है, क्योंकि युद्ध से पहले बाजार में सप्लाई ज्यादा थी और कीमतें लगभग 60 डॉलर प्रति बैरल के आसपास चल रही थीं। हालांकि अगर हॉर्मुज जलडमरूमध्य में आवाजाही जल्दी सामान्य नहीं हुई, तो कीमतें और तेजी से बढ़ सकती हैं। केप्लर के विश्लेषक होमायून फलाकशाही का कहना है, अगर मार्च के अंत तक जलडमरूमध्य में जहाजों की आवाजाही सामान्य नहीं हुई तो तेल की कीमत 150 डॉलर प्रति बैरल तक जा सकती है। तेल बाजार पर दबाव कम करने के लिए प्रतिशत 7 देशों के वित्त मंत्री आपात बैठक कर रहे हैं। इसमें वैश्विक तेल भंडार (ऑयल रिजर्व) जारी करने जैसे कदमों पर चर्चा हो सकती है।इसके साथ ही अमेरिका तेल टैंकरों को बीमा और नौसैनिक सुरक्षा देने की योजना पर भी काम कर रहा है, ताकि हॉर्मुज जलडमरूमध्य से जहाजों की आवाजाही फिर शुरू हो सके।विशेषज्ञों का कहना है कि जब तक इस समुद्री मार्ग को सुरक्षित तरीके से दोबारा नहीं खोला जाता, तब तक तेल की कीमतों पर ऊपर की ओर दबाव बना रह सकता है।

पंजाब के मुख्य सचिव केएपी सिन्हा का बढ़ा मान, अपनी ही मातृ संस्था आईआईटी धनबाद ने 'डायरेक्टर अवॉर्ड' से किया सम्मानित

चंडीगढ़ ,12 मार्च (आरएनएस)। पंजाब के मुख्य सचिव केएपी सिन्हा के सम्मान में एक और उपलब्धि जुड़ गई है। उन्हें समाज की सेवा के लिए प्रतिष्ठित डायरेक्टर अवॉर्ड फॉर सर्विस टू सोसायटी से सम्मानित किया गया है।एक आधिकारिक प्रवक्ता ने जानकारी देते हुए बताया कि यह सम्मान मुख्य सचिव को उनकी मातृ संस्था आईआईटी (आईएसएम) धनबाद द्वारा प्रदान किया गया है, जहां से उन्होंने वर्ष 1989 बैच में माइनिंग इंजीनियरिंग में बी.टेक की डिग्री प्राप्त की थी।

पश्चिम एशिया संघर्ष: गाजियाबाद के 50 लोग विदेश में फंसे, बहरीन में सबसे अधिक, चिंता में परिजन

गाजियाबाद। पश्चिम एशिया में छिड़े महासंग्राम के बाद जिले से विदेश में यात्रा पर गए लगभग 50 लोग फंसे हुए हैं, उनकी सूची जिला प्रशासन द्वारा तैयार कर राहत आयुक्त कार्यालय को भेजी

गई है। 50 में से सबसे अधिक 20 लोग अकेले बहरीन में फंसे बताए जा रहे हैं।राहत आयुक्त कार्यालय से मिले निर्देश के बाद जिला प्रशासन द्वारा महासंग्राम के मद्देनजर विदेश में फंसे जिले के लोगों की सूची तैयार की जा रही है।जिले के लोगों से अपील की गई है कि यदि उनके परिवार का कोई सदस्य विदेश में फंसा है

और उसे भारत आने में परेशानी हो रही है तो इसकी जानकारी जिला प्रशासन को दें। एडीएम एफआर सौरभ भट्ट ने बताया कि अब तक मिली जानकारी के आधार पर 50 लोगों की सूची तैयार की गई है। यह सूची राहत आयुक्त कार्यालय को भेजी गई है।राहत आयुक्त कार्यालय द्वारा सूची गृह मंत्रालय के साथ साझा की जाती है, जिससे कि विदेश में फंसे लोगों को मदद मुहैया कराई जा सके और जल्द ही उनको भारत लाया जा सके।

हनी-ट्रैप,बर्थडे में युवक को बुलाया, महिला मित्र से संबंध बनवाए:बिलासपुर में परिचित की महिला ने छिपकर वीडियो बनाया, स्क्रीनशॉट भेजकर 1 लाख मांगे

बिलासपुर,12 मार्च (एजेंसी)। छत्तीसगढ के बिलासपुर में महिला ने बर्थडे पार्टी के बहाने युवक को घर बुलाया। इसके बाद अपनी परिचित की एक अन्य महिला को कमरे में भेजकर दोनों का अश्लील वीडियो बना लिया। अब महिला वीडियो का स्क्रीनशॉट भेजकर युवक को ब्लैकमेल कर रही है और 1 लाख रुपए की डिमांड कर रही है।

मामला पचपेड़ी थाना क्षेत्र का है। जानकारी के मुताबिक, आरोपी महिला पीड़ित युवक के पास के ही गांव में रहती है। उसने अपने बेटे के बर्थडे पार्टी के बहाने युवक को घर बुलाया, जहां पहले से ही एक अन्य महिला मौजूद थी। कमरे में दोनों ने संबंध बनाए। इस दौरान घर पर बुलाई महिला ने दोनों का वीडियो बना लिया।

बाद में युवक को स्क्रीनशॉट भेजकर पैसों की डिमांड करने लगी और नहीं देने पर सोशल मीडिया पर वायरल करने धमकी दी। ब्लैकमेलिंग से परेशान होकर युवक ने सोमवार को शिकायत दर्ज कराई है, जिस पर पुलिस ने मामला दर्ज कर कर लिया है। युवक का आरोप है कि फंसाने के लिए बर्थडे पार्टी का बहाना बनाकर पूरी योजना तैयार की गई थी।जानिए क्या है पूरा मामला ?पचपेड़ी थाने के टीआई राज सिंह ने बताया कि केंवतरा आवासपारा का रहने वाला नोहर कुमार सूर्यवंशी (33) प्राइवेट जॉब करता है। शिकायत में उसने बताया कि उसकी पहचान एक

महिला से है, जो पास के गांव में रहती है। 1 फरवरी को महिला के बेटे का बर्थडे था।बर्थडे के बहाने महिला ने युवक को घर बुलाया। उस समय युवक की परिचित की दूसरी महिला भी वहां मौजूद थी। जो कि उसकी दोस्त थी। शाम को वह परिचित महिला के घर पहुंचा। वहां पहले से एक कमरा खाली रखा गया था। महिला ने युवक और उसकी महिला मित्र को उस कमरे में भेज दिया।

युवक का कहना है कि महिला को पहले से उसकी दोस्ती और अंतरंग संबंध की जानकारी थी। कमरे में युवक ने अपनी महिला मित्र के साथ शारीरिक संबंध बनाए। आरोप है कि उसी दौरान महिला ने दोनों का वीडियो बना लिया।स्क्रीनशॉट भेजकर मांगे 1 लाखयुवक का आरोप है कि कुछ दिन बाद महिला ने उसके मोबाइल पर अश्लील वीडियो का स्क्रीनशॉट भेजा। साथ ही बताया कि उसके पास पूरा वीडियो मौजूद है। महिला ने युवक से 1 लाख रुपए की मांग की।रकम नहीं देने पर वीडियो सोशल मीडिया में वायरल करने की धमकी दी। ब्लैकमेलिंग से परेशान होकर युवक ने थाने में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने आरोपी महिला के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 308(2) में केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।महिला मित्र की भूमिका पर भी संदेहघटना के तरीके को देखकर आशंका जताई जा रही है कि युवक के साथ मौजूद महिला की भी इस साजिश में भूमिका हो सकती है। युवक का कहना है कि उसे फंसाने के लिए जन्मदिन की पार्टी का बहाना बनाकर पूरी योजना तैयार की गई थी।हालांकि, अभी तक यह साफ नहीं हुआ है कि युवक के साथ संबंध बनाने वाली महिला की ब्लैकमेलिंग में क्या भूमिका है। पूरे मामले का खुलासा पुलिस जांच के बाद ही हो सकेगा। पुलिस का कहना है कि मामले जो भी तथ्य सामने आएंगे, उसके आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

गर्भपात कराकर प्रेमिका से पीछा छुड़ा रहा था युवक, गिरफ्तार

बिलासपुर,12 मार्च (एजेंसी)। सरकंडा क्षेत्र में किराए पर रहकर पढ़ाई करने वाली युवती से दोस्ती कर युवक ने शारीरिक संबंध बनाए. युवती के गर्भवती होने पर युवक ने दबाव बनाकर गर्भपात करा दिया. बाद में उसने शादी करने से इन्कार कर दिया. युवती की शिकायत पर पुलिस ने जुर्म दर्ज कर आरोपित को गिरफ्तार कर लिया है. आरोपित को न्यायालय के आदेश पर जेल भेज दिया गया है. मामला सरकंडा थाना क्षेत्र का है. जानकारी के मुताबिक, सरकंडा क्षेत्र में रहने वाली युवती किराए के मकान में रहकर कॉलेज की पढ़ाई करती थी. इसी दौरान उसकी दोस्ती मंगला के दीनदयाल कालोनी में रहने वाले गौरव दुबे(21) से हुई. उसने युवती से दोस्ती बढ़ाकर शारीरिक संबंध बनाया. इस बीच वह गर्भवती हो गई. युवती ने इस संबंध में गौरव को बताया. तब युवक ने जबरदस्ती करते हुए युवती को गर्भपात करा दिया. इसके बाद भी वह युवती का शारीरिक शोषण करते रहा. जब युवती ने शादी के लिए दबाव बनाया तो उसने इन्कार कर दिया. युवती की शिकायत पर पुलिस ने जुर्म दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी. पुलिस ने कुछ ही घंटे के भीतर आरोपित को गिरफ्तार कर लिया. आरोपित को न्यायालय के आदेश पर जेल भेज दिया गया है.

महिला की सुसाइड मामले में पति के खिलाफ एफआईआर दर्ज

रायपुर,12 मार्च (एजेंसी)। चरित्र शंका और मायके की संपत्ति में हिस्सा लाने के दबाव से परेशान होकर एक महिला ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मामले में सरस्वती नगर थाना पुलिस ने महिला के पति के खिलाफआत्महत्या के लिए प्रेरित करने का केस दर्ज किया है। घटना 17 फरवरी 2026 की है।

कुम्हारी फ्लाईओवर 18 मार्च तक बंद:8 दिनों तक चलेगा मेंटेनेंस, वाहनों को नीचे से गुजरना होगा, 3 साल पहले बना था

दुर्ग-भिलाईदुर्ग-रायपुर नेशनल हाईवे-53 पर स्थित कुम्हारी फ्लाईओवर में रूटीन मरम्मत कार्य के चलते दुर्ग से रायपुर की ओर जाने वाला फ्लाईओवर का ऊपरी मार्ग कुछ दिनों के लिए बंद रहेगा। यह फ्लाईओवर आज से अगले 8 दिनों तक, यानी 18 मार्च तक बंद रहेगा।फ्लाईओवर के नियमित तकनीकी निरीक्षण के दौरान इसमें कुछ मरम्मत कार्य की आवश्यकता पाई गई थी। इसी कारण सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए फ्लाईओवर के ऊपर से दुर्ग से रायपुर की ओर जाने वाले मार्ग को अस्थायी रूप से बंद करने का निर्णय लिया गया है।वाहनों को फ्लाईओवर के नीचे से गुजरना होगा

इस दौरान दुर्ग से रायपुर की ओर जाने वाले सभी छोटे-बड़े वाहनों को फ्लाईओवर के नीचे बनी सर्विस लेन से गुजारा जाएगा। यानी वाहन फ्लाईओवर के ऊपर से नहीं जा पाएंगे, बल्कि नीचे वाले रास्ते से ही अपनी यात्रा जारी रखेंगे। इससे मरम्मत का काम भी आसानी से हो सकेगा और यातायात भी चलता रहेगा।

तीन साल पहले ही शुरू हुई थी आवाजाही

बता दें कि नेशनल हाईवे में कुम्हारी, डबरापारा, पावर हाउस और सुपेला में चार फ्लाईओवर बनाए गए हैं। इसके निर्माण में करीब 280 करोड़ रुपए खर्च किए गए हैं। कुम्हारी फ्लाईओवर का नवंबर 2021 में निर्माण पूरा करने का लक्ष्य था, हालांकि 2023-24 में यह आवाजाही के लिए शुरू होने की जानकारी सामने आ रही है। इसके बीच-बीच में कई बार इसका मेंटेनेंस हो चुका है।

तैनात रहेंगे ट्रैफिक पुलिस के जवान

यातायात पुलिस ने बताया कि मरम्मत के दौरान सड़क पर

सुरक्षा के पूरे इंतजाम किए जाएंगे। मौके पर ट्रैफिक पुलिस के अधिकारी और जवान तैनात रहेंगे, जो वाहन चालकों को सही रास्ता दिखाने के साथ ट्रैफिक को सुचारू बनाए रखने में मदद करेंगे। जहां जरूरत होगी वहां बैरिकेडिंग और संकेतक भी लगाए जाएंगे, ताकि लोगों को पहले से ही रास्ते की जानकारी मिल सके।

हालांकि सर्विस लेन से यातायात चलने के कारण इस रूट पर थोड़ी धीमी गति से वाहन चलने की संभावना है। खासकर ऑफिस समय या शाम के वक्त ट्रैफिक थोड़ा ज्यादा हो सकता है। ऐसे में वाहन चालकों को सलाह दी गई है कि वे थोड़ा अतिरिक्त समय लेकर घर से निकलें और जल्दबाजी से बचें।

चाकू लेकर घूम रहे बदमाश और अवैध शराब कारोबारी गिरफ्तार, नशे में हंगामा करने वाले भी दबोचे

रायपुर,12 मार्च (एजेंसी)। रायपुर में अपराध और अवैध गतिविधियों पर नकेल कसने के लिए पुलिस लगातार सख्त कार्रवाई कर रही है। इसी कड़ी में थाना गंज पुलिस ने अवैध हथियार रखने वालों और अवैध शराब के कारोबार में लिप्त लोगों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। वहीं सार्वजनिक स्थान पर नशाखोरी कर उपद्रव मचाने वाले तीन युवकों पर भी प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की गई है।

रायपुर पुलिस कमिश्नरेट के पुलिस उपायुक्त (सेंट्रल जोन) के निर्देशन में चलाए जा रहे अभियान के तहत गंज थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को अवैध रूप से चाकू रखने के आरोप में पकड़ा। गिरफ्तार आरोपियों में राज नायडू (28 वर्ष) निवासी नर्मदा पारा, कृष्ण मंदिर के पीछे और नरोत्तम दास मानिकपुरी (22 वर्ष) निवासी रेलवे स्टेशन के पास, रायपुर शामिल हैं। दोनों के खिलाफ आर्म्स एक्ट की धारा 25 तथा 27 के तहत प्रकरण दर्ज किया गया है।इसी कार्रवाई के दौरान पुलिस ने चुनाभट्ठी निवासी कमलेश मुदलियार (27 वर्ष) को व्यावसायिक मात्रा में अवैध शराब रखने के आरोप में गिरफ्तार किया। उसके कब्जे से शराब बरामद कर आबकारी अधिनियम की धारा 34(2) के तहत मामला दर्ज किया गया है। तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया जा रहा है।इसके अलावा गंज पुलिस ने सार्वजनिक स्थानों पर नशाखोरी कर हंगामा करने वालों पर भी शिकंजा कसा। कार्रवाई के दौरान भावेश सेन (19 वर्ष) निवासी मुर्रा भट्ठी गुढ़ियारी, विशाल पंडा (19 वर्ष) निवासी मेन पड़ाव गुढ़ियारी और अश्वनी बघेल (18 वर्ष) निवासी देवेंद्र नगर को पकड़ा गया। इनके खिलाफ भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 170/126 और 135(3) के तहत प्रतिबंधात्मक कार्रवाई कर विशेष कार्यपालिक मजिस्ट्रेट के समक्ष पेश करने के लिए भेजा गया है।पुलिस अधिकारियों का कहना है कि शहर में अवैध हथियार रखने वालों, चाकूबाजी करने वालों, अवैध शराब के कारोबारियों और सार्वजनिक स्थानों पर नशाखोरी कर उपद्रव फैलाने वालों के खिलाफ आगे भी इसी तरह सख्त अभियान लगातार जारी रहेगा।रायपुर पुलिस कमिश्नरेट के पुलिस उपायुक्त (सेंट्रल जोन) के निर्देशन में चलाए जा रहे अभियान के तहत गंज थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को अवैध रूप से चाकू रखने के आरोप (22 वर्ष) निवासी रेलवे स्टेशन के पास, रायपुर शामिल हैं।

जंगल के रास्ते 171 मवेशियों की तस्करी! पुलिस की बड़ी कार्रवाई, तेलंगाना-महाराष्ट्र के 9 तस्कर गिरफ्तार

भोपालपटनम,12 मार्च (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के भोपालपटनम् क्षेत्र में पुलिस ने मवेशी तस्करी के बड़े नेटवर्क का खुलासा करते हुए 171 कृषिक पशुओं को तस्करों के चंगुल से मुक्त कराया है। थाना भोपालपटनम् पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर कार्रवाई करते हुए जंगल के रास्ते तेलंगाना की ओर हांककर ले जाए जा रहे गाय, बैल और बछड़ों को बरामद किया और इस मामले में 9 आरोपियों को गिरफ्तार किया है।पुलिस को सूचना मिली थी कि तस्कर उल्लूर घाटी और चिल्लामरका जंगल के पहाड़ी और दुर्गम रास्तों का इस्तेमाल कर बड़ी संख्या में मवेशियों को तेलंगाना की ओर ले जा रहे हैं। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने घेराबंदी कर तस्करों को पकड़ लिया। पूछताछ के दौरान आरोपियों के पास पशुओं के स्वामित्व और परिवहन से संबंधित कोई वैध दस्तावेज नहीं मिले, जिसके बाद मौके पर गवाहों की उपस्थिति में 171 मवेशियों को बरामद किया गया।इस मामले में पुलिस ने थिपनपल्ली संजीव (48 वर्ष) निवासी नरसिंगपुर गांदीकामारम, करीमनगर, तेलंगाना; हटकर राजू (52 वर्ष) निवासी बोरलागुडेम, करीमनगर, तेलंगाना; कटकुरी मजनू (23 वर्ष) निवासी कारिनदेव पेटा, जिला मुलगु, तेलंगाना; विनोद नारायण झाड़े (35 वर्ष), व्येक्टी गोडया दुर्गे (62 वर्ष), व्येकंटी राजीग्या दुर्गे (47 वर्ष), प्रवीण शंकर दुर्गे (19 वर्ष) और अक्षय अजमेरा (24 वर्ष) निवासी येचली, जिला गढ़चिरौली, महाराष्ट्र तथा अशोक गुगलेम (30 वर्ष) निवासी सकनापल्ली, जिला बीजापुर को गिरफ्तार किया है।पुलिस ने सभी आरोपियों के खिलाफछत्तीसगढ़ कृषिक पशु परिरक्षण संशोधन दर्ज कर उन्हें न्यायालय में पेश किया है।

18 हाईवा और पोकलेन पर जुर्माना:ओदारी नदी की रेत खदान का खनिज विभाग ने किया निरीक्षण

एमसीबी,,12 मार्च (एजेंसी)। ग्राम पंचायत चटई, तहसील भरतपुर स्थित ओदारी नदी में स्वीकृत रेत खदान को लेकर प्राप्त शिकायत के बाद खनिज विभाग द्वारा स्थल का निरीक्षण किया गया। जानकारी के अनुसार विगत 01 मार्च 2026 को व्हाट्सएप और दूरभाष के माध्यम से शिकायत प्राप्त हुई थी तथा 03 मार्च 2026 को रायपुर से प्रकाशित पेपर कतरन पत्रिका में भी इस संबंध में समाचार प्रकाशित हुआ था। शिकायत और समाचार को संज्ञान में लेते हुए खनिज विभाग जिला एमसीबी की टीम ने 07 मार्च 2026 को मौके पर पहुंचकर खसरा क्रमांक 24 और 68, कुल 5.00 हेक्टेयर रकबे में स्वीकृत रेत खदान का निरीक्षण किया।इस निरीक्षण के दौरान ग्राम पंचायत चटई के सरपंच विजय सिंह, पंच राजकरण सिंह, कमलेश सिंह, लल्लूराम बैगा, उपसरपंच रामनाथ यादव सहित कई ग्रामीण मौजूद रहे। मौके की जांच में रेत खदान बंद पाई गई। इस दौरान खनिज विभाग के अधिकारियों ने सरपंच को निर्देशित किया कि रेत खदान का संचालन शासन द्वारा निर्धारित नियमों के अनुसार ही किया जाए। यदि ग्राम पंचायत द्वारा खदान का संचालन करने में असमर्थता हो तो ग्राम सभा से विधिवत प्रस्ताव पारित कर खदान समर्पण के लिए आवेदन कलेक्टर कार्यालय (खनिज शाखा) जिला एमसीबी में प्रस्तुत किया जाए।अधिकारियों ने ग्रामीणों को यह भी स्पष्ट किया कि उक्त रेत खदान ग्राम पंचायत चटई के नाम स्वीकृत है और इसका संचालन ग्राम पंचायत द्वारा ही किया जाना चाहिए। किसी भी अन्य व्यक्ति या निजी कंपनी को ठेके पर देकर संचालन करना नियमों के विरुद्ध होगा। साथ ही अवैध रेत खनन पर सख्त निर्देश देते हुए कहा गया कि नदी में रेत उठाव के लिए किसी भी प्रकार की मशीन का उपयोग नहीं किया जाए।खनिज विभाग ने ग्रामीणों को यह भी निर्देश दिया कि यदि भविष्य में किसी प्रकार का अवैध रेत खनन या अवैध परिवहन दिखाई दे तो तत्काल नजदीकी पुलिस थाना, राजस्व विभाग या खनिज विभाग को इसकी सूचना दी जाए। अवैध रूप से उपयोग किए जा रहे वाहन या मशीनरी को रोककर भी संबंधित विभागों को जानकारी देने की अपील की गई है।

समाचार पत्र में प्रकाशित खबर के अनुसार सरपंच द्वारा 01 मार्च 2026 को रेत खदान क्षेत्र में 18 हाईवा वाहनों और एक पोकलेन मशीन पर जुर्माना लगाए जाने की बात कही गई है। इस संबंध में खनिज विभाग द्वारा सरपंच विजय सिंह को पत्र जारी कर कार्रवाई से जुड़े दस्तावेज उपलब्ध कराने के लिए कहा गया है। विभाग का कहना है कि आवश्यक दस्तावेज प्राप्त होने के बाद नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी।

साइकिल से घर लौट रहे युवक पर चाकू से जानलेवा हमला, चंद घंटों में आरोपी और नाबालिग साथी गिरफ्तार

रायपुर,12 मार्च (एजेंसी)।रायपुर में तड़के सुबह उस वक्त सनसनी फैल गई जब ड्यूटी से घर लौट रहे एक युवक पर अज्ञात हमलावरों ने चाकू से जानलेवा हमला कर दिया। गंभीर रूप से घायल युवक को इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया गया, वहीं पुलिस ने तेजी दिखाते हुए कुछ ही घंटों में आरोपी और उसके नाबालिग साथी को धर दबोचा।घटना थाना क्षेत्र उरला की है। पुलिस के अनुसार विकास नगर गुढ़ियारी निवासी सनत यदु, जो एक प्रिंटिंग प्रेस में ऑपरेटर के रूप में काम करता है, 8 मार्च की सुबह करीब 5 बजे ड्यूटी खत्म कर साइकिल से अपने घर लौट रहा था। इसी दौरान छत्तीसगढ़ धर्मकांटा के पास सुबह लगभग 5:30 से 6 बजे के बीच स्कूटी में सवार दो अज्ञात युवक पीछे से आए और धारदार हथियार से उसकी पीठ पर हमला कर फरार हो गए। अचानक हुए इस हमले से इलाके में हड़कंप मच गया।मामले की गंभीरता को देखते हुए मयंक गुर्जर के निर्देश पर पुलिस टीम ने तुरंत जांच शुरू की। अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त आकाश मरकाम, सहायक पुलिस आयुक्त पूर्णिमा लामा और थाना प्रभारी उरला के नेतृत्व में पुलिस ने आसपास लगे 80 से अधिक सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले।सीसीटीवी फुटेज, तकनीकी साक्ष्य और मुखबिर की सूचना के आधार पर पुलिस ने चंद घंटों के भीतर आरोपी राजेश्वर नेताम उर्फ गोपी (18 वर्ष) निवासी एएचपी कॉलोनी, थाना उरला तथा उसके नाबालिग साथी को पकड़ लिया। पूछताछ में दोनों ने वारदात को अंजाम देना स्वीकार कर लिया।पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से घटना में प्रयुक्त एक चाकू और एक दोपहिया वाहन भी बरामद कर लिया है। दोनों के खिलाफसंबंधित धाराओं के तहत वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। इस त्वरित कार्रवाई से पुलिस ने साफसंदेश दिया है कि शहर में अपराध करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा।

तेज रफ्तार स्कार्पियो अनियंत्रित होकर पलटी, एक की मौत

बस्तर,12 मार्च (एजेंसी)। जिले के चिखलपुटी बायपास मार्ग पर शुक्रवार देर रात एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। तेज रफ्तार स्कॉर्पियो अनियंत्रित होकर पलट गई, जिससे एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान भेलवापदर निवासी करण श्रीवास्तव के रूप में हुई है।

भाजपा नेता ने खेत में लगवाए थे करंट वाले तार:बहनों की जमीन में खेती, इनकी एंट्री पर मनाही, 4 ट्रैक्टर अफीम जब्त, नष्ट होगा

दुर्ग-भिलाई17 मिनट पहले

दुर्ग जिले के समोदा और झेनझरी गांव में भाजपा नेता विनायक ताम्रकार के खेत से अफीम के पौधे उखाड़ लिए गए हैं। पुलिस ने 4 ट्रैक्टर फसल जब्त किया है। अब इसे नष्ट करने की तैयारी की जा रही है। ऐसे में पर्यावरण विभाग से अनुमति मांगी गई है, परमिशन मिलते ही अफीम को नष्ट कर दिया जाएगा।

मामला जेवरा सिरसा पुलिस चौकी क्षेत्र का है। पुलिस ने करीब 5 एकड़ 62 डिसमिल जमीन पर लगी अफीम की फसल को पूरी तरह उखाड़ दिया है, जिनका कुल वजन लगभग 62 हजार किलो है। इसकी अनुमानित कीमत करीब 7 करोड़ 88 लाख रुपए आंकी गई है। फसल को चार ट्रैक्टर में भरकर सुरक्षित स्थान पर रखा गया है।जांच में यह भी सामने आया है कि अफीम के खेत की सुरक्षा के लिए शिवनाथ नदी की

ओर लगी फेंसिंग में गेट के पास करंट वाले तार जोड़े गए थे। इसका मकसद खेत में किसी बाहरी व्यक्ति के प्रवेश को रोकना था। खेत के बाहर सामने की ओर सुरक्षा के लिए बाउंसर भी तैनात किए गए थे।दरअसल, पुलिस ने 6 मार्च को खेत में रेड मारकर कार्रवाई शुरू की। 10 मार्च तक सभी पौधों को उखाड़कर बोरी में भर लिया गया। बाद में इन्हें ट्रैक्टर में लोड कर सुरक्षित जगह पहुंचाया गया। शुरुआत में खेत की सुरक्षा के लिए ट्रेनिंग में आए जवानों की ड्यूटी लगाई गई थी।

फसल की मात्रा ज्यादा होने पर बुलडोजर लगाया गया। मनरेगा के मजदूरों को भी काम में लगाया गया। करीब 5 एकड़ से ज्यादा क्षेत्र में लगी पूरी अफीम फसल हटाई गई। अनुमति मिलने के बाद पैनल की मौजूदगी में पूरी फसल नष्ट की जाएगी।मामले में पुलिस ने भाजपा नेता विनायक ताम्रकर समेत तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। दो आरोपी अभी फरार हैं। फरार आरोपियों के मोबाइल फोन बंद होने से लोकेशन ट्रेस करने में दिक्कत आ रही है। पुलिस का दावा है कि जल्द ही दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।घर और गोदाम में छापे में अफीम, डोडा बरामदसोमवार को पुलिस ने विकास बिश्नोई के घर और गोदाम में भी छापा मारा। तलाशी के दौरान 10 ग्राम अफीम, 200 ग्राम खसखस, अफीम के बीज, चीरा लगाने वाला औजार, 7 बोरी डोडा, एक ट्रैक्टर, एक जेसीबी जब्त किए गए। पुलिस का कहना है कि इनका इस्तेमाल अफीम की खेती और उससे जुड़ी गतिविधियों में हो रहा था।जमीन मालिक महिलाओं के बयान दर्जपुलिस ंच में सामने आया कि जिस जमीन पर अफीम की खेती हो रही थी, वह प्रीतिबाला

शब्द सामर्थ्य -054

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. ठुड्डी पर के बाल, ठुड्डी, ठोढ़ी 3. विशेष और सामान्य (आदमी), आम और खास लोग (उ.) 5. इच्छा, हसरत, अभिलाषा 6. शारीरिक कोमलता, सुकुमारता (उ.) 7. सविनय, विनती पूर्वक 10. बिलख-बिलख कर रोना 11. कहानी, उपन्यास 12. कुशल, दक्ष, विशेषज्ञ 13. भार, दबाव 14. शुभ-अशुभ की पूर्व सूचना, शुभ अवसर पर होने वाला मंगल कार्य संबंधी गीत 15. एहसान, भलाई, हित 17. सूत काटने, लपेटने में काम आने वाली चर्खे से लगी सलाई 19. एक हिन्दी महीना, श्रावण 20. सप्ताह का एक दिन, बृहस्पतिवार।

ऊपर से नीचे

1. जंगल में लगी आग, दावाग्नि 2. मूल्य, दाम 4. स्वतंत्र, स्वाधीन 5. संकट, कष्ट, दर्द 7. लकड़ी, कन्या, कानों में पहनने का छल्ला, श्रेष्ठ 8. बेइज्जती, अनादार 9. शोभा, सुंदरता, बसंत ऋतु 10. तबाह करने वाला,विनाशक 11. इस समय 13. असुर, राक्षस, दैत्य 14 ए. गुरुमंत्र, बहुत अच्छी युक्ति 15. पर्व, त्यौहार 16. शिकायत, उलाहना, ग्लानि 17. वृक्ष, पेड़ 18. मुंह से निकलने वाला थूक जैसा पदार्थ।

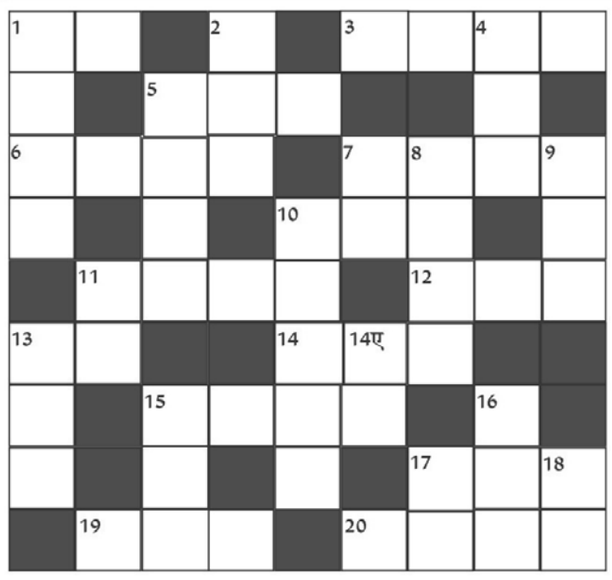

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 053 का हल

खा	म	खां			इं			
स	ह		ब	र	सा	त		प
	क	हा	नी		न	क	च	ढ़ा
त			स्ब			ली		ई
क	या	म	त		क	फ	न	
दी		र्दा		बा	बू		ह	वा
र	ह	ना		ल	त	खो	र	
	वा		नौ	क	र			सा
भा	ई		का			बा	द	ल

टी-20 विश्व कप के एक संस्करण में सर्वाधिक छक्के लगाने वाले बल्लेबाज

नईदिल्ली,12मार्च (एजेंसी)। हाल ही में संपन्न हुए टी-20 विश्व कप 2026 में कई मैचों में टीमों ने बड़े स्कोर बनाए। भारतीय क्रिकेट टीम ने सेमीफाइनल और फाइनल मैचों में 250+ रन के स्कोर किए। भारत से संजू सैमसन और ईशान किशन ने इस संस्करण में 300 से अधिक रन बनाए और इस बीच कई बड़े छक्के देखने को मिले। इस बीच टी-20 विश्व कप के एक संस्करण में सर्वाधिक छक्के लगाने वाले बल्लेबाजों के बारे में जानते हैं।सैमसन को प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट चुना गया। उन्होंने इस टूर्नामेंट में सर्वाधिक 24 छक्के लगाए। भारतीय विकेटकीपर सैमसन को शुरुआती मुकाबलों में भारत की प्लेइंग इलेवन में मौका नहीं मिला था। हालांकि, जब उन्हें चुना गया तो उन्होंने अपने प्रदर्शन से सबका दिल जीत लिया। इस खिलाड़ी ने 5 मैच की 5 पारियों में 80.25 की उम्दा औसत और 199.37 की स्ट्राइक रेट के साथ 321 रन अपने नाम किए।न्यूजीलैंड के फिन एलन ने इस संस्करण में 20 छक्के लगाए। इस सलामी बल्लेबाज ने कई अहम मुकाबलों में टीम को अच्छी शुरुआत दिलाई। उन्होंने 8 पारियों में 49.66 की औसत और 200.00 की स्ट्राइक रेट के साथ 298 रन बनाए।

उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ हुए सेमीफाइनल मैच में सिर्फ 33 गेंदों में शतक पूरा किया था। वह इस टूर्नामेंट के इतिहास में सबसे तेज शतक जड़ने वाले बल्लेबाज बने थे।वेस्टइंडीज के शिमरोन हेटमायर भी इस सूची में शामिल हैं। उन्होंने 2026 में 7 मैचों की 7 ही पारियों में 41.33 की औसत और 186.46 की स्ट्राइक रेट के साथ 248 रन बनाए। इस बीच उन्होंने 85 रन के सर्वोच्च स्कोर के साथ 2 अर्धशतक लगाए। उन्होंने इस संस्करण में 19 छक्के और 16 चौके लगाए। वह इस संस्करण में वेस्टइंडीज की ओर से सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज रहे।पाकिस्तान के साहिबजादा फरहान और भारत के किशन ने 2026 के संस्करण में 18-18 छक्के लगाए। फरहान ने 6 पारियों में 76.60 के औसत और 160.25 की स्ट्राइक रेट से 383 रन बनाए, जिसमें 2 शतक और इतने ही अर्धशतक शामिल हैं। फरहान टी-20 विश्व कप के एक संस्करण में सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं। वहीं, किशन ने 9 पारियों में 35.22 की औसत और 193.29 की स्ट्राइक रेट से 317 रन बनाए, जिसमें 3 अर्धशतक शामिल हैं।

वर्ल्ड क्रिकेट में भारत का दबदबा, 23 महीनों में 6 वर्ल्ड कप पर किया कब्जा

नईदिल्ली,12 मार्च (एजेंसी)। भारतीय पुरुष टीम को 2023 वनडे वर्ल्ड कप के फाइनल में ऑस्ट्रेलिया से मिली हार सबको याद होगी. पूरे टूर्नामेंट में अजय रहने वाली भारतीय टीम अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में फाइनल किला नहीं फतह कर सकी. जिसकी वजह से खिलाड़ियों समेत करोड़ों फैंस का दिल टूट गया.इस दिल तोड़ देने वाली हार के बाद भारतीय क्रिकेट ने जिस तरह से दुनिया भर में अपनी ताकत दिखाई है, वह वास्तव में ऐतिहासिक है. पिछले 23 महीनों में भारत ने इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल के 7 टूर्नामेंट जीतकर न सिर्फ फैंस के टूटे दिल को जोड़ा है बल्कि विश्व क्रिकेट में अपना दबदबा भी साबित किया है.इस ऐतिहासिक दौर की शुरुआत 2024 में हुई जब भारत की पुरुष टीम ने रोहित शर्मा की कप्तानी में टी20 वर्ल्ड कप 2024 जीतकर किया. लेकिन क्रिकेट की दुनिया में 2025 का साल भारत के लिए सुनहरा दौर रहा. इस साल भारत ने 4 आईसीसी इवेंट अपने नाम किए. जिसकी शुरुआत भारतीय पुरुष टीम ने यूएई में चैंपियंस ट्रॉफी 2025 पर कब्जा जमा कर किया.इसी साल भारतीय महिला टीम ने अंडर-19 टी20 वर्ल्ड जीता और फिर भारतीय महिला सीनियर टीम ने विमेंस वर्ल्ड कप 2025 जीतकर देश को गौरवान्वित किया. ये महिला टीम का पहला वर्ल्ड कप था. इसके अलावा भारत ने इस साल ब्लाइंड विमेंस वर्ल्ड कप 2025 जीता. जो ये साबित करता है कि भारत में हर स्तर पर प्रतिभा मौजूद है और दिव्यांग खिलाड़ी भी देश का नाम रोशन कर रहेहैंइसकेबाद भारत 2026 में भी दो वर्ल्ड कप अपने नाम कर चुका है इस साल के शुरू में भारतीय युवा टीम ने अंडर-19 वर्ल्ड कप 2026 अपने नाम किया. उसके बाद भारत की सीनियर पुरुष टीम ने फिर से टी20 क्रिकेट में इतिहास रचते हुए तीसरी बार टी20 वर्ल्ड कप जीत लिया. इन उपलब्धियों ने यह साबित कर दिया है कि भारत आज विश्व क्रिकेट का सबसे शक्तिशाली देश बन चुका है

टी-20 विश्व कप के एक संस्करण में सर्वाधिक रन बनाने वाले विकेटकीपर बल्लेबाज

नईदिल्ली,12 मार्च (एजेंसी)। हाल ही में संपन्न हुए टी-20 विश्व कप 2026 में टीमों ने एक से बढ़कर एक विशाल स्कोर बनाए। इस संस्करण में कुछ बल्लेबाजों ने 300 से अधिक रन बनाने में सफलता हासिल की। दिलचस्प रूप से यह संस्करण विकेटकीपर बल्लेबाजों के लिए शानदार बीता। भारत के संजू सैमसन को 'प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट' भी चुना गया। इस बीच टी-20 विश्व कप के एक संस्करण में सर्वाधिक रन बनाने वाले विकेटकीपर बल्लेबाजों के बारे में जानते हैं।

न्यूजीलैंड के विकेटकीपर बल्लेबाज टिम साइफर्ट ने भारत के खिलाफ फाइनल में 26 गेंदों में 52 रन बनाए, जिसमें 2 चौके और 5 छक्के शामिल रहे।

वह इस संस्करण में दूसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज रहे। उन्होंने 8 पारियों में 46.57 की औसत और 166.32 की स्ट्राइक रेट के साथ 326 रन बनाए। इस बीच उन्होंने 4 अर्धशतक भी लगाए। इस विकेटकीपर बल्लेबाज ने 34 चौके और 16 छक्के भी अपने नाम किए।

सैमसन ने फाइनल मैच में न्यूजीलैंड के गेंदबाजों की जमकर खबर लेते हुए 89 रन की पारी खेली।

इस संस्करण में उन्होंने 5 मैच की 5 पारियों में 80.25 की उम्दा औसत और 199.37 की स्ट्राइक रेट से 321 रन बनाए। इस बीच उनके बल्ले से 3 अर्धशतक निकले और उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 97* रन रहा। उनसे ज्यादा रन सिर्फ साइफर्ट (326) और पाकिस्तान के साहिबजादा फरहान (383) के बल्ले से निकले।

पाकिस्तान के मोहम्मद रिजवान ने संयुक्त अरब अमीरात में हुए टी-20 विश्व कप 2021 में शानदार प्रदर्शन किया था। उन्होंने 6 मैचों में 70.25 की औसत से 281 रन बनाए थे। उन्होंने 127.72 की औसत से बल्लेबाजी करते हुए पाकिस्तान को सेमीफाइनल में पहुंचाया था।

रिजवान ने 79* के सर्वश्रेष्ठ स्कोर के साथ 3 अर्धशतक भी लगाए थे। वह उस संस्करण में तीसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज रहे थे।रिजवान इस सूची में अफगानिस्तान के रहमानुल्लाह गुरबाज के साथ तीसरे स्थान पर हैं। 2024 में गुरबाज ने 8 मैचों में 35.12 की औसत और 124.33 की स्ट्राइक रेट से 281 रन बनाए थे। उन्होंने 3 अर्धशतक भी लगाए थे। वह उस संस्करण में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज रहे थे और अफगानिस्तान ने तब सेमीफइनल तक का सफर तय किया था। सेमीफाइनल में अफगानी टीम को दक्षिण अफ्रीका से हार मिली थी।

टी20 वर्ल्ड कप टीम ऑफ द टूर्नामेंट का हुआ ऐलान चार भारतीय और एक पाकिस्तानी टीम में शामिल

नईदिल्ली,12मार्च (एजेंसी)। आईसीसी ने टी20 वर्ल्ड कप टीम ऑफ द टूर्नामेंट का ऐलान कर दिया है. जिसमें भारत से सबसे ज्यादा चार खिलाड़ियों को शामिल किया गया है. उसके बाद दक्षिण अफ्रीका और इंग्लैंड से दो-दो खिलाड़ी और पाकिस्तान, जिम्बाब्वे और वेस्टइंडीज से एक-एक खिलाड़ी को टीम में शामिल किया गया है.

हैरानी की बात ये है कि इस टीम में टी20 वर्ल्ड कप की रनर अप टीम न्यूजीलैंड से एक भी खिलाड़ी सिलेक्ट नहीं हो सका, और न ही इसमें ऑस्ट्रेलिया का कोई खिलाड़ी है. क्योंकि वो ग्रुप स्टेज से ही टूर्नामेंट से बाहर हो गए थे.टी20 वर्ल्ड कप टीम ऑफ द टूर्नामेंट के सिलेक्शन पैनल में इयान बिशप, नताली जर्मनोस, इयोन मॉर्गन (ब्रॉडकास्टर्स); गौरव सक्सेना (आईसीसी प्रतिनिधि) और रेक्स क्लेमेंटाइन (स्पोर्ट्स जर्नलिस्ट) शामिल थे.

टी20 वर्ल्ड कप टीम ऑफ द टूर्नामेंट में प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट चुने गए विकेटकीपर-बल्लेबाज संजू सैमसन, ईशान किशन, हार्दिक पांड्या और जसप्रीत बुमराह के नाम शामिल है.संजू ने टूर्नामेंट में कुल 321 रन बनाए. किशन ने 317 रन बनाए. पंड्या तीसरे भारतीय बैटर हैं, जिन्हें बैट और बॉल दोनों से उनके योगदान के लिए अहमियत दी गई. उन्होंने दो हाफ सेंचुरी बनाई और जरूरत पड़ने पर असरदार स्पेल भी डाले.

बुमराह टीम में चौथे भारतीय खिलाड़ी हैं, जिन्हें फाइनल में उनकी शानदार बॉलिंग के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया. वह आठ मैचों में 14 विकेट लेकर टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज थे. फाइनल में, उन्होंने 15 रन देकर चार विकेट लिए.एडेन मार्करम टीम में दो साउथ अफ्रीकन खिलाड़ियों में से एक हैं, प्रोटियाज कप्तान ने 286 रन बनाए, जिसमें तीन हाफ-सेंचुरी शामिल हैं, जिससे उनकी टीम सेमीफाइनल में पहुंची. उनके हमवतन लुंगी एनगिडी भी टीम में हैं, जिन्होंने 15.58 की औसत से 12 विकेट लिए हैं.

इंग्लैंड के विल जैक्स अपने शानदार ऑल-राउंड प्रदर्शन की वजह से मिडिल ऑर्डर में आए हैं, जिससे उनकी टीम सेमीफाइनल में पहुंची. जैक्स ने इंग्लैंड को जीत दिलाने में लगातार अहम योगदान दिया, जैसे कि न्यूजीलैंड के खिलाफ 18 गेंदों पर नाबाद 32 रन और 23 रन देकर दो विकेट, जिससे उन्हें चार प्लेयर ऑफ द मैच अवॉर्ड में से एक मिला. टीम में उनके साथी खिलाड़ी आदिल राशिद भी हैं, जिन्होंने 14.15 की औसत से 13 विकेट लिए.

पाकिस्तान के साहिबजादा फरहान 383 रन बनाकर टूर्नामेंट के सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी रहे. उन्होंने 76.60 की औसत से रन बनाए और दो सेंचुरी बनाई, एक श्रीलंका के खिलाफ और दूसरी नामीबिया के खिलाफ.वेस्टइंडीज के जेसन होल्डर ने बल्ले और गेंद दोनों से शानदार योगदान देकर टीम में अपनी जगह पक्की की है. उन्होंने स्कॉटलैंड के खिलाफ तीन और नेपाल के खिलाफ चार विकेट लिए, और फिर सुपर एट्स में बल्ले से शानदार प्रदर्शन किया.जिम्बाब्वे के ब्लेसिंग मुजरबानी टीम को पूरा करते हैं, जिन्होंने उनके शानदार ग्रुप स्टेज प्रदर्शन में अहम भूमिका निभाई. मुजरबानी ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मैच में 17 रन देकर चार विकेट लिए और ग्रुप स्टेज का अंत कुल नौ विकेट के साथ किया.टीम के 12वें खिलाड़ी अमेरिका के तेज गेंदबाज शैडली वैन शल्कविक हैं. उन्होंने ग्रुप स्टेज के ही चार मैच में 13 विकेट लिए, जिनका औसत 6.84 और इकॉनमी रेट 6.80 रहा.टी20 वर्ल्ड कप 2026 टीम ऑफ द टूर्नामेंटसाहिबजादा फरहान, संजू सैमसन (विकेटकीपर), ईशान किशन, एडेन मार्करम (कप्तान), हार्दिक पांड्या, विल जैक्स, जेसन होल्डर, जसप्रीत बुमराह, लुंगी एनगिडी, आदिल राशिद, ब्लेसिंग मुजराबानी.जिम्बाब्वे के ब्लेसिंग मुजराबानी टीम को पूरा करते हैं, जिन्होंने उनके शानदार ग्रुप स्टेज प्रदर्शन में अहम भूमिका निभाई. मुजरबानी ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मैच में 17 रन देकर चार विकेट लिए और ग्रुप स्टेज का अंत कुल नौ विकेट के साथ किया.टीम के 12वें खिलाड़ी अमेरिका के तेज गेंदबाज शैडली वैन शल्कविक हैं. उन्होंने ग्रुप स्टेज के ही चार मैच में 13 विकेट लिए, जिनका औसत 6.84 और इकॉनमी रेट राशिद, ब्लेसिंग मुजराबानी.

व्यापार

एलपीजी के बाद अब पेट्रोल-डीजल हो सकते हैं महंगे, मिडिल ईस्ट में तनाव के बीच कच्चे तेल की कीमतों में भारी उछाल

नई दिल्ली,12 मार्च (एजेंसी)। अमेरिका-इजरायल और ईरान के बीच बढ़ते युद्ध के कारण शनिवार को अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में तेज उछाल देखा गया। ब्रेंट क्रूड की कीमत 91.84 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गई, जबकि वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) का दाम 89.62 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गया।

इस तेजी के साथ ब्रेंट और डब्ल्यूटीआई की कीमतों में क्रमश: 24.55 प्रतिशत और 32 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई है, जिससे वैश्विक स्तर पर महंगाई बढ़ने की आशंकाएं फिर से तेज हो गई हैं। ब्रेंट क्रूड फ्यूचर्स अप्रैल 2024 के बाद पहली बार 90 डॉलर प्रति बैरल के स्तर को पार कर गया है। वहीं डब्ल्यूटीआई क्रूड की कीमत दिन के दौरान लगभग 11 प्रतिशत बढ़कर 89.62 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गई। इससे पहले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा था कि ईरान को 'निर्धारित समय से पहले और पहले कभी न देखे गए स्तर पर' नुकसान

पहुंचाया जा रहा है। उन्होंने दावा किया कि ईरान के पास अब 'कोई एयरफोर्स और एयर डिफेंस नहीं बचा है' और उसकी वायु सेना लगभग खत्म हो चुकी है।

दूसरी ओर, ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने हाल ही में एनबीसी न्यूज से बातचीत में कहा कि उनका देश किसी भी तरह की बातचीत करने का इरादा नहीं रखता और जमीनी युद्ध के लिए भी तैयार है। विशेषज्ञों के अनुसार, जब 2022 में रूस-यूक्रेन युद्ध शुरू हुआ था, तब ब्रेंट क्रूड की कीमत 139 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गई थी।

मौजूदा हालात में भी अगर तनाव बढ़ता है तो कीमतों में और तेजी देखने को मिल सकती है। हालांकि भारत के लिए राहत की बात यह है कि देश के पास फिलहाल कच्चे तेल, पेट्रोल, डीजल और एलपीजी का पर्याप्त भंडार मौजूद है। सरकार के अनुसार, भारतीय तेल कंपनियां खाड़ी क्षेत्र के अलावा अन्य देशों से भी आयात बढ़ाकर आपूर्ति में आने वाली कमी को पूरा कर रही हैं।एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी ने कहा कि भारत के पास फिलहाल ऊर्जा संसाधनों का पर्याप्त स्टॉक है और देश ऊर्जा आपूर्ति के मामले में आरामदायक स्थिति में है। उन्होंने कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य में फंसी आपूर्ति से अधिक ऊर्जा स्रोत भारत के पास उपलब्ध हैं और जरूरत पड़ने पर अन्य क्षेत्रों से आयात बढ़ाया जाएगा। अधिकारी के अनुसार, भारत 2022 से रूस से कच्चा तेल खरीद रहा है। उस समय रूस से आयात कुल आयात का केवल 0.2 प्रतिशत था, लेकिन अब इसमें काफी बढ़ोतरी हो चुकी है।

उन्होंने बताया कि फरवरी में भारत ने अपने कुल कच्चे तेल आयात का लगभग 20 प्रतिशत रूस से खरीदा, जो करीब 10.4 लाख बैरल प्रतिदिन (1.04 मिलियन बैरल प्रतिदिन) है। सरकार ने रिफाइनरियों को निर्देश दिया है कि वे एलपीजी उत्पादन अधिकतम करें और घरेलू आपूर्ति को प्राथमिकता दें, ताकि मध्य पूर्व संकट के कारण रसोई गैस की कमी न हो। इसके तहत प्रोपेन और ब्यूटेन जैसी महत्वपूर्ण गैसों का उपयोग प्राथमिकता से एलपीजी उत्पादन में करने को कहा गया है।

डॉलर के मुकाबले तेजी से नीचे नहीं गिरेगा रुपया! आरबीआई ने उठाया बड़ा कदम, बैंकों से मांगी यह जानकारी

नई दिल्ली,12 मार्च (एजेंसी)। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने विदेशी मुद्रा बाजार में बढ़ती अस्थिरता के बीच बैंकों से फॉरेक्स सौदों से जुड़े ग्राहकों के लेन-देन और पोजीशन की विस्तृत जानकारी मांगी है। केंद्रीय बैंक का उद्देश्य यह पता लगाना है कि कहीं बड़े स्तर पर भारतीय रुपये के खिलाफ सट्टेबाजी तो नहीं हो रही है।पिछले छह महीनों के दौरान रुपये में डॉलर के मुकाबले काफी कमजोरी देखी गई है। इस अवधि में रुपया करीब 88 रुपये प्रति डॉलर के स्तर से गिरकर 92 रुपये के आसपास तक पहुंच गया था। शुक्रवार को भी रुपया 91.74 प्रति डॉलर पर बंद हुआ। आरबीआई बाजार में बढ़ती अस्थिरता को नियंत्रित करने और स्थिति की सही तस्वीर समझने के लिए यह कदम उठा रहा है।

इन कारणों से बढ़ा रुपये पर दबावविशेषज्ञों के अनुसार रुपये में गिरावट के पीछे कई कारण जिम्मेदार हैं। बड़े कॉरपोरेट घराने भविष्य के आयात के लिए पहले से डॉलर की खरीद कर रहे हैं। इसके अलावा ऑफशोर नॉन-डिलिवरेबल फॉरवर्ड (हृष्ठस्न) और फॉरवर्ड मार्केट में आर्बिट्राज डील्स भी बढ़ी हैं। वहीं बैंक भी अपनी तय सीमा के भीतर ट्रेडिंग पोजीशन बढ़ा रहे हैं, जिससे बाजार में दबाव बढ़ रहा है। इसके साथ ही वैश्विक स्तर पर बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव, खासकर ईरान-इजरायल और अमेरिका से जुड़ी परिस्थितियां, कच्चे तेल की कीमतों में तेजी, चालू खाता घाटा और विदेशी निवेश प्रवाह में कमी भी रुपये की कमजोरी की प्रमुख वजह मानी जा रही हैं। हाल ही में भारत और अमेरिका के बीच हुई व्यापारिक समझौते से कुछ राहत जरूर मिली थी, लेकिन पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के कारण फिर से दबाव बढ़ गया है।

बैंकों को देनी होगी यह जानकारीआरबीआई ने बैंकों को निर्देश दिया है कि वे स्पॉट, फॉरवर्ड और ऑफशोर हृष्ठस्न बाजार में ग्राहकों के लेन-देन का पूरा ब्योरा दें। विशेष रूप से 10 मिलियन डॉलर से अधिक के सौदों में ग्राहक का नाम और डॉलर खरीदने या बेचने का उद्देश्य बताना जरूरी होगा। इसके अलावा बैंकों को अपनी ओपन पोजीशन और इंटर-बैंक बाजार में कुल खरीद-बिक्री की जानकारी भी देनी होगी।आरबीआई को मिलेगी रणनीति बनाने में मददविशेषज्ञों का मानना है कि इस तरह के आंकड़ों से आरबीआई को बाजार में हो रही गतिविधियों को बेहतर तरीके से समझने में मदद मिलेगी। इससे केंद्रीय बैंक रुपये में अत्यधिक उतार-चढ़ाव को नियंत्रित करने के लिए समय रहते उचित कदम उठा सकेगा।बैंकिंग क्षेत्र के जानकारों का कहना है कि जब आरबीआई इस प्रकार का डेटा मांगता है तो इसे बाजार में सट्टेबाजी को सीमित करने के संकेत के रूप में भी देखा जाता है। हालांकि इस संबंध में कोई औपचारिक निर्देश जारी नहीं किया गया है।फिलहाल आरबीआई किसी विशेष स्तर पर रुपये को बचाने की रणनीति नहीं अपना रहा है, लेकिन जरूरत पड़ने पर फॉरवर्ड मार्केट में बाय-सेल स्वैप जैसे उपायों के जरिए हस्तक्षेप किया गया है। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि वैश्विक तनाव जारी रहता है और विदेशी निवेश कमजोर रहता है, तो आने वाले समय में भी रुपये पर दबाव बना रह सकता है।बैंकों को देनी होगी यह जानकारीआरबीआई ने बैंकों को निर्देश दिया है कि वे स्पॉट, फॉरवर्ड और ऑफशोर हृष्ठस्न बाजार में ग्राहकों के लेन-देन का पूरा ब्योरा दें। विशेष रूप से 10 मिलियन डॉलर से अधिक के सौदों में ग्राहक का नाम और डॉलर खरीदने या बेचने का उद्देश्य बताना जरूरी होगा। इसके अलावा बैंकों को अपनी ओपन पोजीशन और इंटर-बैंक बाजार में कुल खरीद-बिक्री की जानकारी भी देनी होगी।आरबीआई को मिलेगी रणनीति बनाने में मददविशेषज्ञों का मानना है कि इस तरह के आंकड़ों से आरबीआई को मिलेगी।

55 रुपए प्रति लीटर महंगे हुए पेट्रोल और डीजल

लाहौर12 मार्च (एजेंसी)। अगर आप वाहनचालक हैं तो यह खबर आपके लिए महत्वपूर्ण है। पेट्रोल और डीजल की कीमतों में 55 रुपए (पाकिस्तानी रुपया) प्रति लीटर तक की बढ़ोतरी की गई है। पाकिस्तान में हुई इस बढ़ोतरी के बाद यहां पेट्रोल की कीमत अब 335.86 रुपए प्रति लीटर हो गई है। वहीं डीजल 321.17 रुपए प्रति लीटर के स्तर पर पहुंच गया है। पाक पेट्रोलियम मंत्री अली परवेज़ मलिक ने टीवी पर एक वीडियो जारी कर रिटेल फ्यूल कीमतों में ऐतिहासिक बढ़ोतरी की जानकारी आवाम को दी। उन्होंने बताया कि पेट्रोल की

कीमत 335.86 रुपये और डीजल की कीमत 321.17 रुपये हो गई है। इसमें 55 रुपये की बढ़ोतरी हुई है। पेट्रोलियम मंत्री ने कहा, जैसे ही अंतरराष्ट्रीय स्थिति में सुधार होगा, हम उतनी ही तेजी से कीमतें भी कम कर देंगे। इससे पहले डार ने कहा था कि इस संकट के कारण वैश्विक तेल कीमतों में 50 से 70 प्रतिशत तक वृद्धि हुई है। उन्होंने कहा, कई देशों में कीमतें स्वत: बढ़ जाती हैं लेकिन हमने उपभोक्ताओं पर न्यूनतम बोझ डालने और संतुलित समाधान निकालने की कोशिश की है।

अदाणी समूह बना यूनेस्को के विश्व इंजीनियरिंग दिवस 2026 का आधिकारिक भागीदार

अहमदाबाद,12मार्च (एजेंसी)। अदाणी समूह को सतत विकास के लिए विश्व इंजीनियरिंग दिवस (डब्ल्यूईडी) 2026 का आधिकारिक भागीदार नामित किया गया है। यह दिवस यूनेस्को (संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक और सांस्कृतिक संगठन) द्वारा घोषित एक अंतरराष्ट्रीय दिवस है, जिसे वर्ल्ड फेडरेशन ऑफ इंजीनियरिंग ऑर्गनाइजेशंस (डब्ल्यूएफईओ) द्वारा आयोजित किया जाता है। यह पहली बार है, जब विश्व इंजीनियरिंग दिवस पर इंजीनियरों के प्रयासों को सम्मानित करने के लिए डब्ल्यूएफईओ द्वारा किसी भारतीय संगठन को चुना गया है।भारत की सबसे बड़ी ट्रांसपोर्ट, यूटिलिटी और इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपर कंपनी ने कहा कि यह स्वच्छ ऊर्जा परिवर्तन को गति देने में अदाणी समूह के नेतृत्व और बड़े पैमाने पर स्वच्छ, विश्वसनीय और किफायती बिजली आपूर्ति करने की उसकी क्षमता का प्रमाण है, जो भारत की ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करने के साथ-साथ वैश्विक सतत विकास लक्ष्यों (सतत विकास लक्ष्य 7) में योगदान देता है।अदाणी ग्रीन एनर्जी के कार्यकारी निदेशक सागर अदाणी ने कहा, हम यह दिखा रहे हैं कि स्वच्छ ऊर्जा बड़े पैमाने पर होने के साथ-साथ किफायती भी हो सकती है, यह शक्तिशाली होने के साथ-साथ समावेशी भी है। यह दुनिया के लिए भारत का योगदान है और एक ऐसा मॉडल जहां प्रगति और सततता साथ-साथ आगे बढ़ते हैं।

इमलीछापर रेलवे ओवरब्रिज का काम अटका

लोगों को आवाजाही में हो रही है परेशानी

कोरबा (छ.ग.गौरव)। कोयलांचल क्षेत्र के कुसमुंडा से सर्वमंगला चौक तक फोरलेन सड़क बनने से शहर की ओर - आवाजाही सुगम हो गई है, लेकिन - इमलीछापर चौक पर रेलवे ओवरब्रिज का काम 3 साल से अटके होने की वजह से वहां पर लोगों को हलाकान होना पड़ रहा है।

कुसमुंडा के इमलीछापर चौक पर रेलवे ओवरब्रिज (आरओबी) निर्माण में बाधा बन रहे 11 मकानों को तोड़े 9 माह और बारिश को बीते 6 माह हो गए, लेकिन अब तक रुका हुआ कार्य शुरू नहीं हुआ है। अड़चन की वजह से लोगों को आवाजाही में परेशानी हो रही है। दरअसल, कुसमुंडा खदान से कोयला परिवहन के लिए मालवाहकों का दबाव होने और इमलीछापुर चौक के पास रेलवे फाटक के थोड़ी-थोड़ी देर के अंतराल में बंद होने की वजह से घंटों तक जाम लगा रहता है, इसलिए फोरलेन सड़क बनने के साथ ही एसईसीएल के सहयोग से इमलीछापर चौक के पास राइट्स को रेलवे ओवरब्रिज बनाने की जिम्मेदारी दी है। राइट्स ने कुसमुंडा के शिव मंदिर चौक की ओर से इमलीछापर चौक तक एक हिस्से में ओवरब्रिज का निर्माण कराया। वहीं दूसरे हिस्से में रेलवे फाटक के आगे भुट्टा चौक की ओर अंडरब्रिज व अन्य स्ट्रक्चर तैयार किया। इसके बाद इमलीछापर चौक से रेलवे फाटक के बीच 11 मकानों को निर्माण कार्य में बाधा बताकर निर्माण कार्य को रोक दिया। 2 साल से ओवरब्रिज का काम अटके होने की वजह से लगभग 9 माह पहले प्रशासन ने बारिश के बीच सख्ती के साथ उक्त मकानों को खाली कराकर ढहा दिया। ओवरब्रिज के निर्माण के लिए जमीन को मशीन लगाकर समतल भी कर दिया, लेकिन अब उक्त एक डेला भीकाही रखाथान और स्थिति जस की तस है। दूसरी ओर इमलीछापर चौक पर भी सड़क का काम नहीं हो सका है, जिस कारण से सड़क पर गड्ढे व कीचड़ के बीच से लोगों को आवाजाही करनी पड़ रही है। वहीं रेलवे फाटक पर घंटों फंसना या फिर घुमावदार वैकल्पिक मार्ग से होकर गुजरना पड़ रहा है। प्रशासन की लेटलतीफी के कारण लोग हलाकान हैं।

कुसमुंडा के इमलीछापर चौक पर रेलवे ओवरब्रिज का निर्माण अटकने से कुसमुंडा, गेवरा, दीपका, हरदीबाजार व बांकीमोंगरा व शहर और दीगर क्षेत्रों की 2 लाख आबादी प्रभावित है। ओवरब्रिज नहीं बनने से इमलीछापर चौक से कुसमुंडा थाना की ओर जाने वाले रेलवे फाटक पर फंसकर तो गेवरा, दीपका व बांकीमोंगरा की ओर से इमलीछापर चौक होकर आवाजाही करने वाले लोग खराब सड़क के कारण परेशान है। इमलीछापर चौक पर रेलवे ओवरब्रिज और सड़क निर्माण का कार्य अटकने से कोयलांचल क्षेत्र के लोगों के 3 साल से परेशान हैं। बारिश के दौरान इमलीछापर चौक से कुचैना की ओर सड़क पर गड्ढे और पानी भरने से स्थिति तालाब जैसी हो जाती है। बारिश के दौरान इसी वजह से व्यापारियों ने बड़ा आंदोलन किया था। 3 माह बाद मानसून आते ही समस्या बढ़ेगी।

ईद को लेकर रंग बिरंगी सेवइयों की दुकान सजकर तैयार

कोरबा (छ.ग.गौरव)। ईद को लेकर बाजारों में रौनक बढ़ने लगी है। ईद के करीब आते ही शहर के मुख्य बाजारों में चहल-पहल तेज हो गई है। खासकर सेवईयों, खजूर, सूखे मेवे और नए कपड़ों की दुकानों पर ग्राहकों की भीड़ दिखाई देने लगी है। शाम होते ही बाजारों में खरीदारी करने वालों की संख्या और बढ़ जाती है, जिससे पूरे इलाके में त्योहार जैसा माहौल बन गया है।

कोरबा के घंटाघर, ट्रांसपोर्ट नगर, पुरानी बस्ती और आसपास के बाजारों में दुकानदारों ने ईद को ध्यान में रखते हुए विशेष तैयारी की है। दुकानों में पतली, मोटी और भुनी हुई सेवईयों के कई प्रकार उपलब्ध हैं। साथ ही खजूर, बादाम, काजू, पिस्ता सहित अन्य सूखे मेवों की भी अच्छी मांग देखने को मिल रही है। ईद के दिन बनने वाली पारंपरिक मिठाई के लिए लोग बड़ी मात्रा में सेवई और ड्राई फ्रूट खरीद रहे हैं। कपड़ा बाजार में भी खास रौनक देखने को मिल रही है। युवक-युवतियां और बच्चे नए कपड़ों की खरीदारी में जुटे हुए हैं। रेडीमेड गारमेंट्स की दुकानों में कुर्ता-पायजामा, पठानी सूट, बच्चों के आकर्षक परिधान और महिलाओं के लिए नए डिजाइन के ड्रेस की अच्छी बिक्री हो रही है। इसके अलावा टोपी, इत्र और चूड़ियों की - दुकानों पर भी ग्राहकों की भीड़ बढ़ गई है। ईद की तैयारियां जोरों पर हैं। बाजारों - में सेवईयों की खुशबू, रंग-बिरंगे कपड़ों - की चमक और लोगों की चहल-पहल से पूरा माहौल उत्साह और भाईचारे के रंग में रंगता नजर आ रहा है। आने वाले दिनों में ईद के करीब पहुंचते-पहुंचते बाजारों की रौनक और भी बढ़ने की संभावना जताई जा रही है।

आईजी ने बेहतर पुलिसिंग व यातायात व्यवस्था को दुरूस्त रखने के दिए निर्देश

कलेक्टर व पुलिस अधीक्षक सहित अन्य अफसरों की ली बैठक

कोरबा (छ.ग.गौरव)। बिलासपुर रेंज के पुलिस महानिरीक्षक रामगोपाल गर्ग मंगलवार की देर शाम अचानक पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचे। आईजी श्री गर्ग ने कलेक्टर व पुलिस अधीक्षक सहित अन्य अफसरों से विभिन्न विषयों पर चर्चा की। उन्होंने समीक्षा बैठक लेते हुए पुलिस अधिकारियों को बेहतर पुलिसिंग व यातायात व्यवस्था को दुरूस्त रखने दिशा निर्देश जारी किए। बताया जा रहा है कि सीआईएसएफ की स्थापना दिवस पर कार्यक्रम आयोजित था। कार्यक्रम में शामिल होने आईजी श्री गर्ग कोरबा पहुंचे थे। वे कार्यक्रम समाप्त होने के बाद सीधे पुलिस अधीक्षक कार्यालय जा पहुंचे। उनके एकाएक पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचने से महकमें में हड़कंप मच गया। संभावना जताई जा रही थी कि आईजी श्री गर्ग विभिन्न थाना चौकियों का औचक निरीक्षण करेंगे, लेकिन ऐसा कुछ नही हुआ। उन्होंने कलेक्टर कुणाल दुदावत, पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ तिवारी, एएसपी लखन पटले व सीएसपी कोरबा प्रतीक चतुर्वेदी से विभिन्न विषयों पर चर्चा की। इस दौरान उनका फोकस यातायात व्यवस्था पर रही। आईजी श्री गर्ग ने जिले की ट्रैफिक व्यवस्था पर चिंता जताई। उन्होंने कार्ययोजना तैयार कर यातायात व्यवस्था को दुरूस्त रखने के निर्देश जारी किए। आईजी श्री गर्ग ने पुलिस अफसरों ने कानून व्यवस्था, लंबित अपराध और सुरक्षा व्यवस्था को लेकर चर्चा की। इसके साथ ही बेहतर पुलिसिंग के निर्देश भी दिए। उन्होंने निर्देशित करते हुए कहा है कि पुलिस का व्यवहार जनता के प्रति संवेदनशील व अपराधियों के प्रति सख्त होना चाहिए। इसके अलावा अपराध नियंत्रण और त्वरित निराकरण के लिए अधिकारियों को फील्ड में मुस्तैद रहने निर्देश दिए। पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचे आईजी श्री गर्ग ने कलेक्टर व पुलिस कप्तान से चर्चा उपरांत पत्रकारों से भी अनौपचारिक बातचीत की। इस दौरान उन्होंने कोरबा प्रवास को नियमित भ्रमण बताया।

नर्मदा एक्सप्रेस को कोरबा तक विस्तार देने की मांग

एकता परिषद के पदाधिकारियों ने लिखा पत्र

कोरबा (छ.ग.गौरव)। नर्मदा एक्सप्रेस को कोरबा तक विस्तार देने की मांग तेज हो गई है। नर्मदा एक्सप्रेस बिलासपुर से सुबह 11.35 बजे इंदौर के लिए रवाना होती है। वहीं इंदौर से छूटकर बिलासपुर दोपहर 1.50 बजे पहुंचती है। कोरबा से इंदौर या फिर बीच के स्टेशनों की यात्रा करने वाले लोगों को कोरबा से सुबह 8.15 बजे की रायपुर पैसेंजर या फिर 6.30 बजे की हसदेव एक्सप्रेस में निकलना पड़ता है। वहीं वापसी में जिस समय यह गाड़ी बिलासपुर पहुंचती है, उस समय वहां से कोरबा आने कोई सीधी ट्रेन नहीं रहती है। सीधी ट्रेन के लिए वहां 3 घंटे बैठना पड़ता है। इसके बाद साढ़े पांच बजे मेमू लोकल मिलती है। इससे यात्रियों को अनावश्यक दौड़ लगानी पड़ती है।

रेल सुविधा के मामले में कोरबा काफी पिछड़ा हुआ है। अब तक रायपुर-नागपुर रूट के लिए ही यहां से ट्रेन सुविधा मिल पाई है। जिन यात्रियों को रायगढ़ की ओर या फिर कटनी की ओर यात्रा करनी होती है, उन्हें चांपा व बिलासपुर जाकर ट्रेन बदलनी पड़ती है।

इस परेशानी से राहत पाने लगातार यहां की रेल संघर्ष समिति, जनप्रतिनिधियों, जिला चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज द्वारा व्यापारियों, छात्रों व सामान्य यात्रियों के हित में मांग की जाती रही है। लंबे इंतजार के बाद भी इन मांगों का कोई फायदा नहीं मिल पाया है। इस मांग को अब कोरबा के जनप्रतिनिधियों, रेल संघर्ष समिति व जिला चैंबर ऑफ कॉमर्स ने नहीं, बल्कि रेल यात्री एकता परिषद, मध्यप्रदेश के पदाधिकारियों ने उठाया है। यात्री एकता परिषद ने अपनी मांग में कटनी रूट पर बिलासपुर से इंदौर के बीच नियमित चलने वाली नर्मदा एक्सप्रेस को कोरबा तक विस्तार देने रेल मंत्रालय व भारत सरकार को पत्र लिखा है। रेल यात्री एकता परिषद मध्यप्रदेश ने रेल मंत्रालय को यह तर्क दिया है कि गाड़ी संख्या 18233/18234 नर्मदा एक्सप्रेस को कोरबा तक विस्तार देने से ऊर्जाधानी के व्यवसायी, उच्च व तकनीकी शिक्षा के लिए बाहर जाने वाले छात्र-छात्राओं के साथ-साथ सामान्य यात्रियों को कटनी रूट पर ट्रेन मिल जाएगी। इससे लंबी दूरी की उनकी यात्रा आसान हो जाएगी। सबसे अहम बात यह है कि इंदौर से बिलासपुर आने के बाद नर्मदा एक्सप्रेस का रैक 20 घंटे तक यार्ड में खड़ा रहता है, जबकि मेंटेनेंस में केवल सिर्फ 6 घंटे का समय लगता है। मतलब 14 घंटे तक इस गाड़ी का कोई उपयोग नहीं होता है। इसकी वजह से उक्त गाड़ी को कोरबा से चलाने में रेलवे प्रबंधन को असुविधा नहीं होगी।

ट्रेनों के रद्द होने से बढ़ेगी परेशानी

आगामी 30 मार्च से 11 अप्रैल तक मेमू-पैसेंजर ट्रेनों को रद्द किया गया है। कोरबा व आसपास क्षेत्रों के यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ऐसी स्थिति में बड़ी संख्या में ट्रेनों का रद्द होना यात्रियों के लिए अत्यंत कष्टदायक साबित होगा। रेल संघर्ष समिति संयोजक राम किशन अग्रवाल, संरक्षक मनोज अग्रवाल, अंकित सावलानी ने मंडल रेल प्रबंधक को लिखे पत्र में कहा है कि प्रतिदिन हजारों यात्री कोरबा-चांपा तथा आसपास के क्षेत्रों से बिलासपुर व रायपुर तक यात्रा कर अन्य लंबी दूरी की ट्रेनों को पकड़ते हैं। मेमू और पैसेंजर ट्रेनों के रद्द होने से उन्हें कनेक्टिंग ट्रेनों को पकड़ने में भारी कठिनाईयों का सामना करना पड़ सकता है। यात्रियों की समस्याओं को ध्यान में रखते हुए रद्द की गई ट्रेनों का सुचारू रूप से संचालन के लिए व्यवस्था बनाने की मांग की गई है, ताकि यात्रियों को राहत मिल सके।

कटघोरा में नो एंट्री का नहीं हो रहा पालन

शहर की यातायात व्यवस्था पूरी तरह से चरमराई

कोरबा (छ.ग.गौरव)। कटघोरा नगर के मुख्य मार्गों पर जिला प्रशासन द्वारा भारी वाहनों के लिए 24 घंटे की नो-एंट्री लागू की गई है, लेकिन जमीनी हकीकत इसके बिल्कुल उलट है। कटघोरा शहर के बीचों-बीच दिन-रात भारी वाहनों का तांता लगा रहता है, जिससे शहर की यातायात व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है।

स्थानीय निवासियों का कहना है कि पुलिस और नगर पालिका प्रशासन की नाक के नीचे से 24 घंटे भारी वाहन

यह है मुख्य समस्याएं

प्रदूषण और शोर: रिहायशी इलाकों में दिन-रात भारी मशीनों की गूंज और धूल से बुजुर्गों और मरीजों का बुरा हाल है।

सड़कों की बर्बादी: क्षमता से अधिक भार लेकर चल रहे ये वाहन शहर की आंतरिक सड़कों को गड्ढों में तब्दील कर रहे हैं।

पार्किंग का अभाव: मुख्य मार्ग पर खड़े होने वाले ट्रक जाम की मुख्य वजह बन रहे हैं।

ट्रेलर, ट्रक, और हाइवा बेखौफ गुजर रहे हैं। आलम यह है कि स्कूली बच्चों और पैदल राहगीरों के लिए सड़क पार करना भी दूभर हो गया है। हाल के दिनों में बिलासपुर-कटघोरा और अंबिकापुर-कटघोरा मार्ग पर हुए हादसों के बाद भी प्रशासन किसी बड़ी अनहोनी का इंतजार कर रहा है। नियमों के मुताबिक, भारी वाहनों को शहर के बाहर बने बाईपास से गुजरना चाहिए, लेकिन डीजल बचाने और समय कम करने के चक्कर में वाहन चालक प्रतिबंधित समय में भी मुख्य मार्ग का उपयोग कर रहे हैं। हैरत की बात यह है कि शहर के प्रवेश द्वारों पर तैनात पुलिस बल इन वाहनों को रोकने के बजाय मूकदर्शक बना रहता है। स्थानीय नागरिकों ने प्रशासन से मांग की है कि नो-एंट्री का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जाए और नियमों का उल्लंघन करने वाले भारी वाहनों पर भारी जुर्माना लगाया जाए, इससे पहले कि कोई मासूम इस लापरवाही की भेंट चढ़ जाए।

होटल सेंटर प्वाइंट में छापेमारी मिले 6 घरेलू गैस सिलेंडर

कोरबा (छ.ग.गौरव)। केंद्र सरकार ने गैस की किल्लत रोकने के लिए कमर्शियल गैस सिलेंडर की आपूर्ति पर रोक लगा दी है। जिले में घरेलू गैस सिलेंडर का व्यावसायिक उपयोग न हो, इसके लिए कलेक्टर कुणाल दुदावत के निर्देश पर राजस्व व खाद्य विभाग विभाग की टीम होटलों में छापेमारी कर रही है। बुधवार को टीम ट्रांसपोर्ट नगर के होटल सेंटर प्वाइंट पहुंची। यहां निरीक्षण के दौरान 6 घरेलू गैस सिलेंडर मिले, जिसमें 3 भरे व 3 खाली थे। टीम ने सभी सिलेंडर जब्त करते हुए प्रतिष्ठान खिलाफ के नियमानुसार कार्रवाई की है। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि ऐसे मामलों में सख्ती बरती जाएगी और घरेलू गैस के दुरुपयोग की शिकायत मिलने पर तुरंत कार्रवाई होगी। कलेक्टर दुदावत ने सभी व्यावसायिक प्रतिष्ठानों से अपील की है कि वे निर्धारित नियमों का पालन करें और घरेलू गैस सिलेंडरों का अनुचित उपयोग न करें। उन्होंने कहा कि यह अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा।

करंट प्रवाहित तार को काटकर ट्रांसफार्मर से कीमती पार्ट्स की चोरी

उरगा क्षेत्र में चोरों के हौसले बुलंद

कोरबा (छ.ग.गौरव)। उरगा क्षेत्र में चोरों के हौसले बुलंद है। शातिर चोर अब तक सूने मकान के अलावा खंभों में लगे तार की चोरी करते आ रहे थे, अब चोरों ने ट्रांसफार्मर को भी निशाना बनाना शुरू कर दिया है। ऐसा ही एक मामला सामने आया है, जिसमें चोरों ने विद्युत प्रवाहित तार को काटकर ट्रांसफार्मर से कीमती पार्टस की चोरी कर ली।

इसका खुलासा तब हुआ, जब किसान अपने खेत में सिंचाई के लिए पहुंचा। मामले की शिकायत किसान ने थाने में दर्ज करा दी है। बताया जा रहा है कि उरगा थानांतर्गत ग्राम बरपाली में शिवांश खत्री निवास करता है। उसने अपने खेतों में सिंचाई की समस्या न हो, इसके लिए बोरवेल्स लगवाया है, जिसमें विद्युत आपूर्ति के लिए खेत में ही ट्रांसफार्मर भी लगवाया था। जिस पर चोरों की नजर पड़ गई। मंगलवार-बुधवार की दरम्यानी रात चोर मौके पर पहुंचे। चोरों ने विद्युत प्रवाहित तार को काटकर ट्रांसफार्मर से अलग कर दिया। इसके बाद खंभे से ट्रांसफार्मर को नीचे उतार उसके भीतर लगे कीमती पार्टस की चोरी कर ली। वे ट्रांसफार्मर के केबिनेट को मौके पर ही फेंककर फरार हो गए। प्रतिदिन की तरह सुबह किसान अपने खेत पहुंचा, जहां नजारा देख उसके होश उड़ गए। उसने घटना की जानकारी विद्युत विभाग के अलावा पुलिस को दे दी है। गौरतलब है कि उरगा थाना क्षेत्र में बीते कुछ समय से चोरी की घटनाओं में एकाएक वृद्धि हुई है। शातिर चोर कभी मकान को तो कभी खंभों में लगे तार की चोरी कर रहे हैं। चोरी कुछ बड़े मामले हैं, जो अभी भी अनसुलझी पहेली है। बहरहाल पुलिस ट्रांसफार्मर से पार्ट्स चोरी के मामले में आरोपियों की पतासाजी कर रही है।

फैसिलिटेटर के कार्यकाल की मियाद 31 तक, नई नियुक्ति की प्रक्रिया शुरू

स्टेशन में लगाई गई है ऑटोमेटिक टिकट वेंडिंग मशीन

कोरबा (छ.ग.गौरव)। यात्रियों को अनारक्षित टिकट आसानी से उपलब्ध हो जाएं और उन्हें काउंटर की लंबी लाइन में न खड़ा होना पड़े, इसके लिए ऑटोमेटिक टिकट वेंडिंग मशीन स्टेशनों में लगाई गई है। जागरूक व टेक्निकल जानकारी रखने वाले लोग ऐसी मशीनों से स्वतः ही अपनी टिकट प्राप्त कर लेते हैं, लेकिन बड़ी संख्या में ऐसे लोग भी हैं, जो मशीन को ऑपरेट नहीं कर पाते हैं या करना नहीं चाहते। ऐसे लोगों की मदद के लिए रेल प्रबंधन एटीवीएम से टिकट देने फैसिलिटेटर रखता है। जो यात्रियों को चाहे गए स्टेशनों तक की टिकट बहुत ही कम समय में जारी कर देते हैं। पिछले साल इसके लिए नियुक्त फैसिलिटेटरों की अनुबंध अवधि 31 मार्च को समाप्त होने वाली है। इनकी सेवा समाप्त होने से पहले 12 स्टेशनों पर नियुक्ति की प्रक्रिया शुरू की गई है।

कोरबा में दो एटीवीएम हैं। एक स्टेशन के मुख्य गेट के सामने स्थित टिकट काउंटर हॉल में लगा है तो दूसरा सिस्टम स्टेशन के सेकेंड एंट्री पर स्थित अनारक्षित टिकट के लिए बनाए गए भवन में स्थापित है। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक बिलासपुर के अनुसार फैसिलिटेटर के लिए सेवानिवृत्त रेलवे कर्मचारियों या सेवानिवृत्त रेलवे कर्मचारियों के पति, पत्नी, वयस्क बच्चे और भारतीय नागरिक (आम जनता) पात्र होगी। यह नियुक्ति एक साल के लिए अर्थात 31 मार्च 2027 तक के लिए वैध होगी।

रेलवे को फैसिलिटेटर की जरूरत इसलिए होती है कि छोटे-छोटे स्टेशनों पर भी अनारक्षित टिकट के लिए वेंडिंग मशीन लगाई गई है। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे बिलासपुर के वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक अनुराग कुमार सिंह ने बताया कोरबा, बिलासपुर, उसलापुर, रायगढ़, अकलतरा, जांजगीर-नैला, चांपा, अनूपपुर, पेंड्रारोड, बुढ़ार, शहडोल व अंबिकापुर रेलवे स्टेशन शामिल हैं, जहां अनारक्षित टिकट जारी करने फैसिलिटेटर की नियुक्ति करनी है।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक किशोर शर्मा द्वारा कावेरी प्रिंटर्स, सी-35,प्रेस काम्पलेक्स टी.पी. नगर कोरबा (छ.ग.) से मुद्रित एवं प्रकाशित संपादक किशोर शर्मा, पंजीयन क्रमांक 7585/61 फोन नं. 07759-357623